MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 03 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-33

निकलेगी हेकड़ी

पाक पर सख्त एक्शन की तैयारी में ICC

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार की पाकिस्तान की धमकी पर आईसीसी गंभीर रुख अपनाने की तैयारी में है। अगर पाकिस्तान मैच नहीं खेलता है, तो उसे न सिर्फ अंक और नेट रन रेट का नुकसान होगा, बल्कि आईसीसी की ओर से कड़े आर्थिक और क्रिकेटिंग प्रतिबंध भी झेलने पड़ सकते हैं.

पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत के साथ खेलने से इनकार किया है, लेकिन अब पाकिस्तान का ये कदम उसके लिए बहुत भारी पड़ सकता है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अब इस मामले पर एक बैठक बुलाने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, आईसीसी बोर्ड मंगलवार या बुधवार को बैठक कर इस मुद्दे पर चर्चा करेगा और आगे की कार्रवाई तय करेगा।

हालांकि पाकिस्तान सरकार ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए यह ऐलान कर दिया कि राष्ट्रीय टीम भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी, लेकिन आईसीसी सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की ओर से अब तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पत्र या सूचना नहीं मिली है।

रविवार को सरकार के फैसले के सार्वजनिक होने के कुछ घंटों बाद, पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा कि सीनियर राष्ट्रीय टीम सरकार के फैसले का पालन करेगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मामला क्रिकेट बोर्ड के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

नकवी ने अब तक कुछ नहीं कहा

पीसीबी अध्यक्ष और पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नक़वी इस मुद्दे पर अब तक चुप्पी साधे हुए हैं. यह तब है जब इससे पहले उन्होंने पूरे टूर्नामेंट के बहिष्कार की बात कही थी, जो अब बांग्लादेश के समर्थन में केवल भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार तक सीमित हो गई है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की यात्रा से इनकार किया था, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर स्कॉटलैंड को शामिल किया गया।

पाकिस्तान के नहीं खेलने पर कड़े प्रतिबंध संभव

सूत्रों ने बताया कि अगर पाकिस्तान 15 फरवरी को भारत के खिलाफ खेलने नहीं उतरता है, तो आईसीसी कड़े प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। मैदान पर पाकिस्तान को इस मैच के लिए वॉकओवर देना होगा, जिससे उसे दो अंक गंवाने पड़ेंगे और उसका नेट रन रेट भी बुरी तरह प्रभावित होगा।

संभावित आईसीसी प्रतिबंध क्या हो सकते हैं?

मैदान के बाहर, आईसीसी के प्रतिबंध पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य के लिए गंभीर संकट खड़ा कर सकते हैं।

* पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी पर रोक, साथ ही लीग से अंतरराष्ट्रीय मान्यता और व्यावसायिक समर्थन वापस लेना।
* आईसीसी के राजस्व पूल से पाकिस्तान को मिलने वाली राशि में भारी कटौती, जिस पर पीसीबी की आर्थिक निर्भरता काफी हद तक है।
* भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होने से हुए भारी राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए ब्रॉडकास्टर को मुआवजा देने का निर्देश।
* एशिया कप से बाहर किया जाना।
* पाकिस्तान से जुड़ी सभी द्विपक्षीय सीरीज़ पर रोक के प्रति आगाह करते हुए पीसीबी से अंतिम फैसला लेने से पहले दीर्घकालिक प्रभावों पर विचार करने की अपील की।

ब्रॉडकास्टर्स पर क्या असर पड़ेगा?

भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला विश्व क्रिकेट के सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले मैचों में से एक है। पिछले साल एशिया कप के दौरान भारत और पाकिस्तान एक महीने के भीतर तीन बार भिड़े थे, जिससे ब्रॉडकास्टर्स को अरबों रुपये की कमाई हुई थी।

अगर पाकिस्तान इस महीने भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलता है, तो ब्रॉडकास्टर्स आईसीसी पर जबरदस्त दबाव बना सकते हैं। यह एक ऐसी स्थिति है, जो पाकिस्तान के लिए बिल्कुल भी अनुकूल नहीं होगी।

पहले भी हुए हैं मैच बहिष्कार, लेकिन

मैच खेलने से इनकार करने के उदाहरण पहले भी रहे हैं।1996 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज़ ने सुरक्षा कारणों से श्रीलंका की यात्रा नहीं की थी। 2003 विश्व कप में इंग्लैंड ने राजनीतिक कारणों से ज़िम्बाब्वे के खिलाफ खेलने से इनकार किया था, जबकि न्यूज़ीलैंड ने नैरोबी में केन्या के खिलाफ ग्रुप मैच नहीं खेला था।

फिर संभले सोना-चांदी

चांदी की चांदी

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)।

सोमवार को सोने और चांदी के दाम में भारी गिरावट देखी गई, लेकिन उसके बाद निचले स्तर से गोल्ड-सिल्वर में खरीदारी आई। शेयर बाजार निवेशकों ने गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ पर दांव लगाया तो वहीं ट्रेडर्स ने अपना पोजिशन बनाया

सोना और चांदी के दाम पिछले 4 दिनों में रिकॉर्डतोड़ टूटे हैं। आलम ये है कि चांदी अपने रिकॉर्ड हाई लेवल से करीब 2 लाख रुपये तक गिर चुकी है, जबकि सोने के दाम में 56 हजार रुपये की गिरावट आई है। यह गिरावट सोने-चांदी के दाम में लगातार शॉर्ट सेलिंग और बिकवाली के कारण आई है।

चउद पर 2 फरवरी (सोमवार) को चांदी दोपहर 12.30 बजे तक 39 हजार रुपये गिरकर 2.25 लाख पर पहुंच गई, लेकिन शाम 5 बजे तक यह गिरावट कम होकर 6 हजार रुपये रह गई और 2.60 लाख रुपये पर पहुंच गई। इसका मतलब है कि निचले स्तर से चांदी में खरीदारी बढ़ी।

इसी तरह, सोना भी सोमवार दोपहर 12.30 बजे तक करी 10,000 रुपये टूटकर 1.37 लाख रुपये के ऊपर ट्रेड कर रहा था, लेकिन शाम 5 बजे तक इसमें खरीदारी बढ़ी और यह भी 1.50 लाख रुपये के ऊपर पहुंच गया।

क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट्स?

मार्केट एनालिस्ट्स के मुताबिक यह गिरावट प्रॉफिट बुकिंग की वजह से आई थी, न कि किसी बड़ी स्ट्रक्चरल वीकनेस से, इसलिए निचले स्तर से कुछ खरीदारी हो रही है। सोने का तकनीकी सपोर्ट करीब 1,40,000-1,45,000 के आसपास देखा जा रहा है। अगर इस लेवल पर खरीदारी वापस आती है तो रिकवरी मजबूत हो सकती है। वहीं अगर सोना 1.55 के ऊपर बंद होता है तो एक और रैली दोबारा शुरू हो सकती है।वहीं चांदी का सपोर्ट लगभग 2,44,000-2,55,500 के बीच माना जा रहा है। इस जोन के आसपास खरीदारी बढ़ सकती है और चांदी एक बार फिर रैली दिखा सकती है।

कुछ एक्सपर्ट्स ने कहा कि यह गिरावट लॉन्गटर्म बुलिश ट्रेंड का हिस्सा नहीं है। यह एक छोटा करेक्शन है, जो बुलियन मार्केट में खरीदारी का मौका दे रहा है। अगर सपोर्ट स्तर पर मांग बनी रहती है, तो आगे फिर बढ़ोतरी हो सकती है।

'दारू रखते हो तो चखना भी रखा करो'

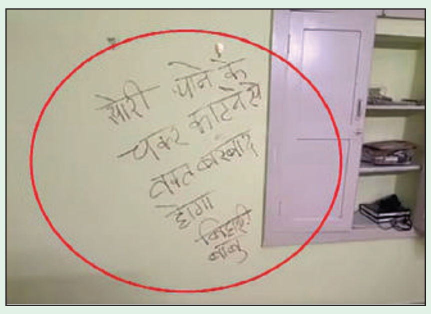

जैसलमेर, 2 फरवरी (एजेंसियां)।

राजस्थान के जैसलमेर में आईजीएनपी कॉलोनी के सरकारी आवास में चोरी का अनोखा मामला सामने आया। चोर ने घर खाली कर लैपटॉप, टीवी, शर्ट, कोट और अन्य कीमती सामान चुराए। जाते समय उसने दीवार पर लिपस्टिक से लिखा, 'थाने के चक्कर काटोगे तो वक्त बर्बाद होगा, बिहारी बाबू' और कागज पर लिखा 'दारू रखते हो तो आलू चिप्स भी रखो'। पुलिस ने फिंगरप्रिंट और सीसीटीवी फुटेज जुटा कर जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर चोर की हिम्मत और चतुराई चर्चा में है।

राजस्थान के जैसलमेर से यह अनोखी चोरी की खबर सामने आई है, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यहां एक कॉलोनी में सहायक अभियंता सोहन जांगिड़ के सरकारी आवास को रविवार देर रात चोरों ने निशाना बनाया।

▶10पर

कुछ तंबाकू प्रोडक्ट से हटी 18% ड्यूटी

नई दिल्ली, 2 फरवरी (एजेंसियां)।

सरकार ने बिना ब्रांड और रिटेल सेल के लिए पैक न किए जाने वाले अविनिर्मित तंबाकू प्रोडक्ट्स पर एक्साइज ड्यूटी वापस ले ली है, जो 18% लागू थी।

सरकार ने अविनिर्मित तंबाकू या इससे जुड़े कुछ उत्पादों पर लगने वाला केंद्रीय उत्पाद शुल्क हटा दिया है। इसके पहले बिना ब्रांड के नाम वाले और खुदरा बिक्री के लिए पैक न किए गए अविनिर्मित तंबाकू प्रोडक्ट्स पर 18% एक्साइज ड्यूटी लागू था, लेकिन सरकार ने इस संबंध में 1 फरवरी 2026 को अधिसूचना जारी कर इसे वापस लिए जाने के बारे में बताया।

बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे प्रोडक्ट्स पर एक्साइज ड्यूटी स्ट्रक्चर को दो कैटेगरी में तर्कसंगत बनाया गया है। अब से सिर्फ अविनिर्मित तंबाकू पर शून्य उत्पाद शुल्क लागू होगा, जो ब्रांडेड नहीं है और जिन्हें खुदरा बिक्री के लिए पैक नहीं किया गया है। इससे असंगठित क्षेत्र के तंबाकू किसानों और निर्माताओं को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा अन्य सभी तरह के अविनिर्मित तंबाकू या तंबाकू अपशिष्ट, विशेष रूप से ब्रांडेड या खुदरा सेल के लिए पैक किए गए तंबाकू पर 18% का उत्पाद शुल्क लागू रहेगा।

तंबाकू कंपनियों के शेयरों पर दिखेगा असर?

सरकार के इस कदम से ढेलरलले डींलज़्ी पर किसी तरह का असर पड़ने की आशंका को लेकर CMS INDUSL-W के पार्टनर शशि मैथ्यूज ने कहा है कि इसकी संभावना नहीं दिख रही है। नए संशोधन से खढउ और गॉडफ्रे फिलिप्स जैसी कंपनियों पर असर नहीं होगा, क्योंकि यह बदलाव बिना ब्रांड वाले और खुदरा बिक्री के लिए पैक न किए गए असंसाधित तंबाकू और तंबाकू के अपशिष्ट पर लागू होता है, जबकि ये तमाम बड़ी कंपनियां ब्रांडेड, रिटेल सेल के लिए पैक किए गए तंबाकू का कारोबार करती हैं।

मैथ्यूज ने कहा कि इन कंपनियों के Tobacco Products छूट की श्रेणी में नहीं आते हैं, इसलिए उनके संचालन या लागत और प्रॉफिट मार्जिन पर असर देखने को नहीं मिलेगा। इसके साथ ही इस चेंज से इस तंबाकू कंपनियों के शेयरों के प्रदर्शन पर कोई प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत

BDO India के पार्टनर और इनडायरेक्ट टैक्स (उत्तर और पश्चिम), टैक्स एंड रेग्युलेटरी एडवाइजरी विभाग के प्रमुख ज्ञानेंद्र त्रिपाठी का कहना है कि सरकार के 18% एक्साइज ड्यूटी वापस लेने के फैसले से छोटे सप्लायर्स को राहत मिलेगी, जो बिना किसी ब्रांड नाम के थोक में असंसाधित तंबाकू का बिजनेस करते हैं। साथ ही बिना ब्रांड और खुदरा बिक्री पैकेज में पैक न किए गए तंबाकू या तंबाकू अपशिष्ट के आयात पर भी सीमा शुल्क से छूट मिलेगी, जो सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी के बराबर लगाई जाती है। ऐसे उत्पादों पर Custom Duty उस लिमिट तक कम दी जाएगी।

किंग स्टब एंड कासिवा के पार्टनर आदित्य भट्टाचार्य के मुताबिक, सरकार ने टैरिफ हेडिंग 2401 के तहत अविनिर्मित तंबाकू और तंबाकू अपशिष्ट पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में स्पष्ट विभाजन किया है।

यह संशोधन बिना ब्रांडिंग वाले, गैर-खुदरा थोक तंबाकू और खासतौर से ब्रांडिंग वाले या कॉमर्शियल या रिटेल यूज के लिए अभिप्रेत तंबाकू के बीच एक स्पष्ट लाइन खींचता है और इन्हें लेकर मौजूद कमी को दूर करता है।

गायब हुआ बच्चा जिन्न पर FIR

रावलपिंडी, 2 फरवरी (एजेंसियां)।

एक पिता ने अपने लापता बेटे के अपहरण का आरोप जिन्न पर लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। 11 साल का बच्चा 21 जनवरी से लापता है। पिता का दावा है कि पहले भी जिन्न उसके बेटे को अपने साथ ले जाते रहे हैं। पुलिस बच्चे की तलाश के साथ मामले की जांच कर रही है।पाकिस्तान के रावलपिंडी से यह एक बेहद अजीबोगरीब और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने अपने बेटे के लापता होने के बाद जिन्न (अलौकिक शक्तियों) के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज करा दिया। यह मामला सामने आने के बाद इलाके में चर्चा का विषय बन गया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह घटना रावलपिंडी के टैक्सिला थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक 11 साल का एक बच्चा 21 जनवरी को अपने घर से लापता हो गया था, जब बच्चा करीब 10 दिन तक घर वापस नहीं लौटा, तो उसके पिता ने पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

सेना की वर्दी में दिखे दो संदिग्ध

श्रीनगर, 2 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस) की एक इमारत के पास दो संदिग्ध लोगों को सेना की वर्दी जैसी पोशाक में घूमते देखा गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना प्रशासन और सुरक्षा बलों को दी, जिसके बाद सेना ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर दी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना बारी ब्राह्मणा इलाके में एमईएस भवन के आसपास हुई। दो अज्ञात व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि देखते ही स्थानीय लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए सूचना दी। सूचना मिलते ही सेना के जवान मौके पर पहुंचे और एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया। इसके बाद एमईएस परिसर और उसके आसपास तलाशी अभियान शुरू किया गया ताकि दोनों व्यक्तियों की पहचान की जा सके और किसी भी तरह के सुरक्षा खतरे को पूरी तरह से टाला जा सके।

एक अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और कुछ समय के लिए आसपास के इलाके में लोगों की

▶10पर

सिकंदराबाद रैली को हाईकोर्ट की हरी झंडी

हैदराबाद, 2 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को पुलिस विभाग को सिकंदराबाद नगर निगम के गठन की मांग को लेकर शांति रैली की अनुमति मांगने वाली याचिका पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने का निर्देश दिया। न्यायालय ने विभाग को 5 फरवरी तक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी आदेश दिया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, 13वीं पीठ के न्यायमूर्ति तुकाराम जी ने पुलिस को लश्कर जिला साधना समिति के प्रतिनिधियों से परामर्श करने और यदि आवश्यक हो, तो रैली के आयोजन के लिए उपयुक्त दिशा-निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया।

वरिष्ठ अधिवक्ता मुखीद द्वारा प्रतिनिधित्व की गई समिति ने इससे पहले 17 जनवरी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से एमजी रोड स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा तक रैली निकालने की अनुमति के लिए आवेदन किया था। हालांकि, पुलिस ने कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले ही अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

21 जनवरी को नगर पुलिस आयुक्त और मलकाजगिरि डीसीपी को एक नया आवेदन प्रस्तुत किया गया था, लेकिन कथित तौर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद, समिति के अध्यक्ष गुर्रम पवन कुमार गौड़ ने 7 फरवरी को रैली आयोजित करने की अनुमति के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। न्यायालय के नवीनतम निर्देश में पुलिस को अनुरोध पर रचनात्मक तरीके से पुनर्विचार करने के लिए कहा गया है।

फैट बर्न करने के बजाय सर्वाइवल मोड में जाने से निकलता है पेट

वाशिंगटन, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

आपको कई ऐसे लोग मिल जाएंगे जो खाना तो सीमित मात्रा में लेते हैं, लेकिन उनका वजन अपेक्षा से ज्यादा होता है। कई मामलों में तो सिर्फ पेट ही बाहर निकला हुआ दिखता है, जबकि हाथ, पैर और चेहरा पतले रहते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों होता है । स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह बात काफी हद तक सही है। बहुत कम खाने से शरीर फैट बर्न करने के बजाय सर्वाइवल मोड में चला जाता है। शरीर को जब यह संकेत मिलता है कि भोजन की आपूर्ति कम हो गई है, तो वह इसे खतरे की स्थिति मान लेता है। ऐसी स्थिति में शरीर भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा फैट स्टोर करने लगता है, ताकि जरूरत पड़ने पर ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सके। यही वजह है कि कम खाने के बावजूद पेट की चर्बी बढ़ने लगती है। जब शरीर सर्वाइवल मोड में जाता है, तो मेटाबालिज्म भी धीमा पड़ जाता है। कम कैलोरी मिलने पर शरीर ऊर्जा बचाने की कोशिश करता है और कैलोरी बर्न की प्रक्रिया को स्लो कर देता है। इसके साथ ही तनाव हार्मोन कार्टिसोल का स्तर बढ़ जाता है। बढ़ा हुआ कार्टिसोल खासतौर पर लोअर बैली फैट को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। इसी कारण कई लोगों के हाथ-पैर और चेहरा तो पतले रहते हैं, लेकिन पेट के आसपास चर्बी जमा हो जाती है। बहुत कम खाने या लंबे समय तक भूखे रहने का एक और बड़ा नुकसान मसल लास है। कई लोग तेजी से वजन घटाने के चक्कर में खाना छोड़ देते हैं या बहुत कम खाने लगते हैं। इससे शरीर फैट की बजाय मसल्स को तोड़कर ऊर्जा लेने लगता है। मसल्स कम होने से शरीर की शेप बिगड़ने लगती है और पेट और ज्यादा उभरा हुआ नजर आने लगता है। मसल्स कम होने का मतलब यह भी है कि शरीर कम कैलोरी बर्न करता है, जिससे फैट लास और भी मुश्किल हो जाता है। जानकारों के मुताबिक, वजन घटाने का सही तरीका भूखे रहना नहीं है। न ही रोटी-चावल पूरी तरह छोड़ देने से कोई स्थायी फायदा होता है। वेट लास एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और सही रणनीति की जरूरत होती है। इसके लिए बैलेंस्ड डाइट सबसे जरूरी है। रोजाना के भोजन में पर्याप्त प्रोटीन और फाइबर शामिल करना चाहिए, ताकि मसल्स सुरक्षित रहें और पेट लंबे समय तक भरा महसूस हो। इसके साथ ही फिजिकल एक्टिविटी को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना बेहद जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

बीएलए मजीद ब्रिगेड के वरिष्ठ फिदाई फजल बलोच का लोगों से लड़ाई में शामिल होने का आह्वान

क्वेटा (बलोचिस्तान)। बलोचिस्तान की आजादी की लड़ाई में शामिल बलोच लिबरेशन आर्मी ने अपने

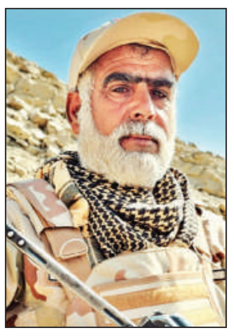

अधिकारिक चैनल पर फजल बलोच का एक वीडियो संदेश जारी किया है। यह वीडियो संदेश बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के आपरेशन हीरो के दूसरे चरण की शुरुआत पर आया है। फजल बीएलए मजीद ब्रिगेड के वरिष्ठ फिदाई (आत्मघाती) हैं। उन्होंने बलोचिस्तान के लोगों से इस लड़ाई में शामिल होने का आह्वान किया है। रिपोर्ट के अनुसार, वीडियो में फजल बलूच को एक वाहन में बैठे देखा जा सकता है। यह वही वाहन है, जिसके माध्यम से उन्होंने ग्वादर के तहसील पसनी में एक लक्ष्य को निशाना बनाकर आपरेशन हीरो को अंजाम दिया था। वीडियो संदेश में उन्होंने बलोचों को बधाई दी और कहा कि सबसे पहले मजीद ब्रिगेड जिंदाबाद। माशा अल्लाह, हमारे युवा बुद्धिमान हैं। मैं बड़ों को एक संदेश देना चाहता हूं। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा कि अब घर पर बैठने का समय नहीं है। अपने बच्चों और भाइयों के साथ आओ और इस लड़ाई में शामिल हो जाओ। गौरतलब है कि आपरेशन हीरो के तहत बलोच लिबरेशन आर्मी के पाकिस्तान के सुरक्षा बलों के खिलाफ हमलों का सिलसिला जारी है। संगठन के हालिया बयान में कहा गया है कि उनके कमांडर क्वेटा और अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। दावा किया गया है कि झड़पों में पाकिस्तान की सेना, पुलिस और अन्य संस्थानों के 150 से अधिक जवान मारे गए हैं।

इजराइल ने हिजबुल्लाह आतंकी अली दाऊद अमिच को मार गिराया

तेल अवीव (इजराइल)। इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने दुर्दांत आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के आतंकवादी अली दाऊद अमिच को मार गिराने का दावा किया है। आईडीएफ ने एक्स पर सूचना करते हुए कहा कि अमिच रविवार को उसके हमले में मारा गया। आईडीएफ की एक्स पोस्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट का डिवीजन हेड अली दाऊद अमिच दक्षिणी लेबनान के अल-द्वेयर इलाके में समूह के आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा करने की कोशिशों में लगा हुआ था। वह आईडीएफ के जवानों के खिलाफ आतंकी हमलों में भी शामिल था। वह इजराइल और लेबनान के बीच हुई समझौते का उल्लंघन भी कर रहा था। आईडीएफ के अनुसार, रविवार को हमलाकर अमिच को मौत के घाट उतार दिया गया। उल्लेखनीय है कि हिजबुल्लाह लेबनान स्थित शिया मुस्लिम राजनीतिक दल और शक्तिशाली सशस्त्र संगठन है। इसकी स्थापना 1980 के दशक में लेबनानी गृहयुद्ध के दौरान हुई थी। इसे ईरान से भारी वित्तीय सहायता, आधुनिक हथियार और प्रशिक्षण मिलता है।

नेपाल सरकार ने अपने नागरिकों के लिए ईरान यात्रा पर लगाया प्रतिबंध

काठमांडू। ईरान में जारी हालात को देखते हुए नेपाल सरकार ने नेपाली नागरिकों को ईरान की यात्रा से जुड़े किसी भी प्रकार की योजना पर फिलहाल प्रतिबंध लगा दिया है। रविवार को यात्रा परामर्श (ट्रैवल एडवाइजरी) जारी करते हुए विदेश मंत्रालय ने ईरान में रह रहे या काम कर रहे नेपाली नागरिकों से किसी भी उपलब्ध माध्यम का उपयोग करते हुए यथाशीघ्र देश छोड़ने की कड़ी सलाह दी है। मंत्रालय ने ईरान में मौजूद नेपाली नागरिकों से यह भी अनुरोध किया है कि वे पासपोर्ट और पहचान पत्र सहित अपने सभी यात्रा दस्तावेज हमेशा तैयार रखें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर आपातकालीन रूप से देश से बाहर निकलना आसान हो सके। इसके अलावा, मंत्रालय ने ईरान में रह रहे नेपाली नागरिकों से काठमांडू स्थित विदेश मंत्रालय तथा दोहा स्थित नेपाली दूतावास—जो ईरान से संबंधित वाणिज्य दूतावासीय कार्य देखता है—के साथ निरंतर संपर्क में रहने का आग्रह किया है। नेपाल सरकार ने यहां से ईरान की यात्रा पर जाने वाले नेपाली नागरिकों को अपनी यात्रा को तत्काल स्थगित करने का निर्देश दिया है। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि अगले आदेश तक नेपाली नागरिक किसी भी कारणवश ईरान की यात्रा नहीं कर सकते हैं। इससे पहले, 13 जनवरी को भी मंत्रालय ने ईरान में रह रहे और कार्यरत नेपाली नागरिकों को ईरान की सक्षम प्राधिकरणों द्वारा जारी सुरक्षा परामर्श का पालन करने, घर के भीतर रहने, सतर्क रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी थी।

युद्ध की आहट के बीच ईरान की कूटनीतिक सक्रिय अमेरिका के साथ बातचीत का ढांचा तैयार

तेहरान, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच गहराते तनाव के बीच तेहरान से एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संकेत सामने आया है। एक ओर जहां होर्मूज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मूज) में ईरानी सेना लाइव फायर ड्रिल कर रही है और फरवरी के मध्य में बड़े युद्धाभ्यास की तैयारी है, वहीं दूसरी ओर ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी ने अमेरिका के साथ बातचीत की संभावनाओं को लेकर बड़ा बयान दिया है। लारीजानी के अनुसार, अमेरिका के साथ संवाद के लिए एक संरचित ढांचा तैयार हो रहा है और यह प्रक्रिया धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। इस बयान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव कम करने की एक गंभीर कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, ईरान ने अपने रुख में यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी बाहरी दबाव या धमकी के साये में कोई समझौता नहीं करेगा। तेहरान की यह रणनीति बातचीत और तैयारी के दोहरे मोर्चे पर आधारित दिख रही है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारीजानी ने सोशल मीडिया के माध्यम से जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया में युद्ध का जो माहौल दिखाया जा रहा है, वह काफी हद तक बनावटी है। उनका दावा है कि पर्दे के पीछे राजनयिक प्रयास जारी हैं और स्थिति उतनी विस्फोटक नहीं है जितनी पेश की जा रही है। लारीजानी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को कड़ी चेतावनी दे रहे हैं और खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना का एक बड़ा बेड़ा तैनात है। ट्रंप का रुख अब भी सख्त बना हुआ है; उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स आंतरिक और बाहरी दबाव के कारण परेशान है। इस तनावपूर्ण माहौल के बीच ईरान ने अपनी कूटनीतिक घेराबंदी तेज कर दी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची हाल ही में इस्तांबुल पहुंचे, जहां उन्होंने तुर्की के राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन और विदेश मंत्री हकान फिदान से विस्तृत चर्चा की। तुर्की इस संकट में एक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। इसी कड़ी में अली लारीजानी ने स्वयं मास्को का औचक दौरा किया और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बंद कमरे में बातचीत की। यद्यपि इस बैठक के विवरण को गुप्त रखा गया है, लेकिन क्रेमलिन द्वारा इसकी पुष्टि किए जाने से यह स्पष्ट है कि ईरान इस संघर्ष में रूस को अपने सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार के रूप में देख रहा है। रूस और चीन के साथ ईरान का बढ़ता समन्वय अमेरिका के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है। सैन्य मोर्चे पर अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए ईरान ने घोषणा की है कि फरवरी के मध्य में वह चीन और रूस के साथ मिलकर उत्तरी हिंद महासागर में एक व्यापक संयुक्त नौसैनिक अभ्यास करेगा। इस अभ्यास में ईरान की नियमित नौसेना और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की टुकड़ियां शामिल होंगी। दूसरी तरफ, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने होर्मूज जलडमरूमध्य में ईरान की लाइव-फायर एक्सरसाइज पर गहरी नजर बनाए रखी है। अमेरिका ने इसे असुरक्षित और गैर-पेशेवर व्यवहार बताते हुए ईरान को आगाह किया है। गौरतलब है कि होर्मूज वह सामरिक मार्ग है जहां से दुनिया के कुल तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। ईरान ने पहले ही चेतावनी दे रखी है कि इस क्षेत्र पर उसका पूर्ण नियंत्रण है और यदि उसके हितों पर आंच आई, तो वह इस वैश्विक आपूर्ति लाइन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

नीप्रो में रूस का भीषण ड्रोन हमलाः खनिकों को ले जा रही बस जलकर खाक, 15 की मौत, 7 घायल, शांति वार्ता से पहले बढ़ा तनाव

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच जारी शांति वार्ताओं के बीच रविवार को रूस ने साल 2026 का सबसे बड़ा हमला कर डाला। रूसी सेना ने दक्षिण-पूर्वी नीप्रोपीट्रोव्स्क क्षेत्र में ड्रोन के जरिए एक बस को निशाना बनाया, जिसमें शिफ्ट खत्म कर लौट रहे खनिक सवार थे। इस भीषण हमले में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। विस्फोट के बाद बस में लगी भीषण आग को दमकलकर्मियों ने काफी देर बाद काबू किया। यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके ने पुष्टि की है कि हमला जिस बस पर हुआ, वह उनकी ही थी। कंपनी ने रूस पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह हमला उनकी खदानों पर बड़े पैमाने पर आतंकवादी कार्रवाई है। डीटीईके ने अपने टेलीग्राम पोस्ट में लिखा हमलों में से एक का केंद्र हमारी कंपनी की बस थी, जो खनिकों को शिफ्ट के बाद घर ले जा रही थी। ड्रोन के गिरते ही जोरदार विस्फोट हुआ और बस तुरंत आग की लपटों में घिर गई।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं बढ़ीं

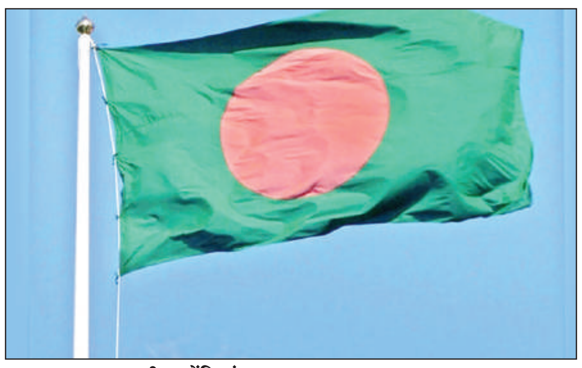

ढाका, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए मतदान से 12 दिन पहले हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं में भारी बढ़ोतरी हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी में माब लिंचिंग के मामलों में 21 लोग मारे गए, जबकि दिसंबर 2025 में यह संख्या 10 थी। इस दौरान चुनावी हिंसा में 4 लोगों की मौत हुई और 5 से ज्यादा घायल हुए हैं। अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा बढ़ी है, जिसमें मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की 21 घटनाएं दर्ज की गईं। पुलिस और न्यायिक हिरासत में होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर 15 हो गई। प्रशासन की लापरवाही और अनदेखी के चलते जेलों में मानवीय गरिमा और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ के मामले सामने आए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में जनवरी के दौरान भीड़ द्वारा की जाने वाली हत्याओं में अचानक उछाल आया। रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर की तुलना में जनवरी में ऐसी घटनाएं दोगुनी हो गई। अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। दिसंबर में मंदिरों में तोड़फोड़ या चोरी की 6 घटनाएं सामने आई थीं, जो जनवरी में बढ़कर 21 तक पहुंच गई। इसके अलावा

> **एक रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी में माब लिंचिंग के मामलों में 21 लोग मारे गए**

महीने भर में 57 ऐसी लाशें बरामद हुई हैं, जिनकी पहचान तक नहीं हो पाई है। जेलों और न्यायिक हिरासत में कैदियों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई है।

जनवरी में कस्टडी में मरने वालों का आंकड़ा 15 तक पहुंच गया है, जिनमें से ज्यादातर मौतें इलाज में लापरवाही और अमानवीय व्यवहार की वजह से हुईं। हाल ही में अवामी लीग के पूर्व नेता और कलाकार प्रलय चाकी की न्यायिक हिरासत में इलाज के दौरान मौत हो गई। उनके परिवार ने इस नुकसान के लिए शासन और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। जैसे-जैसे मतदान की तारीख करीब आ रही है, राजनीतिक स्थिरता खतरे में पड़ती दिख रही है। चुनावी हिंसा में मरने वालों की तादाद दिसंबर में सिर्फ 1 थी, जो जनवरी में बढ़कर 4 हो गई है।

पाकिस्तान में हिंदुओं के बाद अब कट्टरपंथियों के निशाने पर महिलाएं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान का संविधान भले ही कागजों पर धार्मिक अल्पसंख्यकों को समानता और सुरक्षा की गारंटी देता हो, लेकिन ज़मीनी हकीकत बार-बार किए गए विश्वासघात और व्यवस्थागत भेदभाव की ओर इशारा करती है। हाल ही में आई एक विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के लिए वास्तविक सुधार केवल राजनीतिक बयानबाज़ी से संभव नहीं है। इसके लिए स्वतंत्र जांच, अदालती आदेशों का त्वरित क्रियान्वयन, पक्षपाती अधिकारियों की जवाबदेही और ईशनिंदा कानूनों या भीड़ द्वारा की जाने वाली हिंसा के दुरुपयोग को रोकना अनिवार्य है। रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि न्याय प्रणाली और प्रशासनिक ढांचा अक्सर अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने में विफल रहता है, जिससे समुदायों में असुरक्षा की भावना गहरी होती जा रही है। इस रिपोर्ट में पेशावर के एक सिख कारोबारी गुरविंदर सिंह का मामला प्रमुखता से उठाया गया है, जो धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति प्रणालीगत उपेक्षा और पक्षपात के एक पैटर्न को उजागर करता है। गुरविंदर सिंह के अनुसार, वर्ष 2022 से 2023 के बीच उनके तीन मुस्लिम साझेदारों ने, जिनके साथ वे एक मोबाइल फोन शोरूम संचालित करते थे।

डिलीवरी के बाद 6 हफ्तों या 12 महीनों तक पीरियड्स न आना सामान्य बात

वाशिंगटन, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

डिलीवरी के बार पीरियड्स का देर से आना ज्यादातर मामलों में पूरी तरह सामान्य और प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा होता है। डाक्टरों के अनुसार, डिलीवरी के बाद 6 हफ्तों से लेकर 12 महीनों तक पीरियड्स न आना सामान्य माना जाता है। खासतौर पर वे महिलाएं जो अपने बच्चे को पूरी तरह से स्तनपान कराती हैं, उनमें पीरियड्स आने में और अधिक समय लग सकता है। कुछ मामलों में यह अवधि 18 महीने तक भी देखी गई है। हालिया सर्वे के मुताबिक, भारत में करीब आधी से ज्यादा महिलाओं को डिलीवरी के 6 महीने के भीतर पहला पीरियड आ जाता है, जबकि बाकी महिलाओं में यह समय इससे अधिक हो सकता है। पीरियड्स जल्दी या देर से आना आमतौर पर किसी गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होता, जब तक कि इसके साथ अन्य परेशान करने वाले लक्षण न हों। विशेषज्ञ बताते हैं कि डिलीवरी के बाद पीरियड्स की वापसी कई कारकों पर निर्भर करती है। स्तनपान इसका सबसे बड़ा कारण माना जाता है। दूध बनने वाला हार्मोन प्रोलैक्टिन ओव्यूलेशन को दबा देता है, जिससे पीरियड्स देर से आते हैं। इसके अलावा मानसिक तनाव, नींद की कमी और शारीरिक थकान भी हार्मोनल संतुलन को प्रभावित करती है।

डिलीवरी के बाद शरीर को दोबारा सामान्य स्थिति में आने में समय लगता है, और इसी रिकवरी प्रक्रिया के दौरान पीरियड्स की टाइमिंग बदल सकती है। हार्मोनल उतार-चढ़ाव भी इसमें अहम भूमिका निभाते हैं। यह पूरी प्रक्रिया शरीर को अगली प्रेग्नेंसी के लिए तैयार करने का एक प्राकृतिक तरीका है। डिलीवरी के बाद पीरियड्स को सामान्य करने के लिए जीवनशैली और खानपान पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। संतुलित आहार जिसमें आयरन, कैल्शियम और प्रोटीन भरपूर मात्रा में हों, शरीर की रिकवरी में मदद करता है। हरी सब्जियां, दालें, फल, नट्स और पर्याप्त पानी पीना जरूरी माना जाता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे अलसी और अखरोट सूजन कम करने और हार्मोन बैलेंस में सहायक होते हैं। इसके साथ ही हल्की एक्सरसाइज, जैसे रोजाना टहलना, पोस्टनेटल योग और स्ट्रेचिंग, ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाती है और मूड भी सुधारती है। तनाव कम रखना और पर्याप्त आराम लेना भी इस दौरान बेहद अहम है। हालांकि, कुछ स्थितियों में डाक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। यदि डिलीवरी के बाद बहुत लंबे समय तक पीरियड्स न आएं या पीरियड्स के दौरान असहनीय दर्द, अत्यधिक ब्लीडिंग, चक्कर या कमजोरी महसूस हो, तो तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए।

इंग्लैंड के अस्पताल में लाल ड्रेस वाली भूतनी का आतंक, झाड़-फूक करने पहुंची टीम

> **पहली बार सरकारी स्तर पर पैरानार्मल एक्टिविटी को रोकने झाड़ फूंक का सहारा लिया**

लंदन, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के एक सरकारी अस्पताल में लाल ड्रेस वाली भूतनी का आतंक इतना बढ़ गया कि प्रशासन को मजबूरन झाड़-फूक करने वालों की टीम बुलानी पड़ी। स्टाफ का कहना है कि उन्होंने वार्डों में एक छोटी बच्ची को लाल कपड़ों में घूमते देखा। यह घटना अब पूरे ब्रिटेन में चर्चा का विषय बनी हुई है क्योंकि पहली बार सरकारी स्तर पर पैरानार्मल एक्टिविटी को रोकने के लिए झाड़ फूंक का सहारा लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा मामला नारफ़ाक कम्युनिटी हेल्थ एंड केयर ट्रस्ट के प्रिसिला बेकन लाज का है। यह जगह उन मरीजों के लिए थी जो अपनी जिंदगी के आखिरी दिन गिन रहे होते हैं। रिपोर्ट में स्टाफ ने बताया कि अस्पताल के गलियारों में अक्सर एक छोटी बच्ची दिखाई देती है जिसने सुर्ख लाल रंग की ड्रेस पहनी होती है। कुछ लोगों का मानना है कि यह उसी अस्पताल के पुराने हिस्से की किसी मरीज की रूह है, जिसकी मौत 1970 के दशक में हुई थी। कर्मचारी इस कदर डर गए थे कि उन्होंने अकेले ड्यूटी करने से मना कर दिया था।

हास्पिटल में बढ़ती डरावनी घटनाओं के बाद प्रशासन ने यानी भूत भगाने वाले विशेषज्ञों से मदद मांगी। लीक हुए ईमेल से पता चला है

कि अस्पताल के पादरी ने बकायदा चर्च से संपर्क किया और पवित्र तेल मंगवाया। स्टाफ और मरीजों के बीच शांति बनाए रखने के लिए एक विशेष धार्मिक सर्विस आयोजित की गई। हालांकि ट्रस्ट ने इस बात से इनकार किया है कि कोई तांत्रिक मौके पर आया था, लेकिन उन्होंने यह स्वीकार किया कि इमारत को आशीर्वाद देने और नकारात्मक ऊर्जा हटाने के लिए अनुष्ठान जरूर हुआ था।

इंग्लैंड में चर्च आफ इंग्लैंड के पास करीब 40 ऐसे डिलिवरेंस मिनिस्टर्स हैं जिनका काम ही बुरी आत्माओं या साये से जगहों को मुक्त कराना है। दिलचस्प बात यह है कि 1974 के बाद से नियम काफी कड़े कर दिए गए हैं। किसी भी जगह पर भूत भगाने की प्रक्रिया तब तक शुरू नहीं की जा सकती, जब तक कि किसी मेडिकल प्रोफेशनल या डाक्टर से सलाह न ली गई हो। यह नियम इसलिए बनाया गया था ताकि मानसिक बीमारी और पैरानार्मल घटनाओं के बीच फर्क समझा जा सके, जिस जगह पर यह रूह देखी जा रही है, वहां 1975 तक बच्चों का अस्पताल हुआ करता था। पैरानार्मल एक्सपर्ट्स का मानना है कि अस्पतालों में अक्सर पुरानी ऊर्जाएं रह जाती हैं। 2023 के अंत में इस पुराने लाज को खाली कर दिया गया और नए परिसर में शिफ्ट कर दिया गया था, जिसका उद्घाटन खुद किंग चार्ल्स ने किया था। पुराने परिसर को फिलहाल बंद कर दिया गया है, लेकिन वहां काम करने वाले स्टाफ के मन में आज भी लाल कपड़ों वाली लड़की की दहशत बनी हुई है सोचकर उनकी रुह कांप जाती है।

गीतांजलि हाई स्कूल में जरूरतमंद विद्यार्थियों को नि:शुल्क गणवेश वितरण

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। काटेदान स्थित गीतांजलि हाई स्कूल परिसर में आज राजस्थानी जागृति समिति द्वारा जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क गणवेश वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उपस्थिति रही।

समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान करना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। गणवेश वितरण से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है तथा वे बिना किसी संकोच के विद्यालय आ सकते हैं।

विद्यालय के प्राचार्य राजेश्वरी ने राजस्थानी जागृति समिति के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की सामाजिक पहल से समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण बनता है। कई छात्र-छात्राओं को गणवेश प्राप्त होने पर उनके चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। इस अवसर पर राजस्थानी जागृति समिति द्वारा विद्यार्थियों को अपनी साइज के गणवेश पहने की व्यवस्था कि गई जिसके विद्यार्थियों ने अपनी साइज के गणवेश का चयन किया तत्पश्चात छात्रों को उनकी साइज वाले गणवेश का वितरण किया गया ।

समिति के मानद मंत्री श्री महेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री प्रेम चंद मुनोत, संगठन मंत्री रमेश मोदानी एवं श्याम जांगिड़ ने भविष्य में भी शिक्षा एवं सामाजिक उत्थान से जुड़े ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में अध्यापिका प्रियंका, वर लक्ष्मी आदि द्वारा सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया।

सेवा ही साधना है : निशा गुप्ता

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास संचालित नियमित अन्नदान केंद्र पर सेवा, समर्पण और मानवता की सजीव मिसाल देखने को मिली। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीमती निशा गुप्ता ने कहा कि सेवा ही सच्ची साधना है और यही जीवन को सार्थक बनाती है।

उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा न केवल जरूरतमंदों का जीवन संवारती है, बल्कि सेवा करने वाले व्यक्ति को भी आत्मिक शांति और संतोष प्रदान करती है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर इसी भावना के साथ समाज के हर वर्ग तक सहायता पहुँचाने का कार्य कर रहा है।

श्रीमती निशा गुप्ता ने राधे-राधे ग्रुप की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि यह संगठन केवल एक सेवा संस्था नहीं, बल्कि एक परिवार की तरह है, जहाँ सभी सदस्य एक-दूसरे के साथ मिलकर प्रेम, सहयोग और समर्पण के भाव से कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि इस सेवा परिवार से जुड़कर उन्हें गर्व और सौभाग्य की अनुभूति होती है।इस नियमित अन्नदान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवाभावी सदस्यों ने सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, कमला देवी कुमावत, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, राजेश योगा सरजी, अशोक गुप्ता (एस.जे.), सुरेश डालमिया, भगतराम गोयल, गोपाल गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

साहित्य सेवा समिति की 132वीं गोष्ठी का सफल आयोजन

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साहित्य सेवा समिति ने अपनी 132वीं गोष्ठी 01 फरवरी 2026 रविवार को ऑनलाइन प्रारूप में संपन्न की।

''वर्तमान भारत में विविध शिक्षा प्रणालियां: गुण दोष के संदर्भ में'' इस विषय पर एक सारगर्भित विषय गोष्ठी का आयोजन साहित्य सेवा समिति के अध्यक्ष डॉक्टर दयाकृष्ण गोयल व साहित्य सेवा समिति के महामंत्री ममता जायसवाल की उपस्थिति में संपन्न की गई।

गोष्ठी के प्रारंभ में नीमा रवि ने अपने मधुर कंठ से सरस्वती वंदना प्रस्तुत की तदुपरांत डॉक्टर दया कृष्ण गोयल ने समिति व कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में स्वागत भाषण देते हुए विषय के विचार बिंदुओं को प्राचीन से अर्वाचीन भारत की पृष्ठभूमि को केंद्रित करते हुए प्रस्तुत किया।विषय पर सशक्त रूप से विषय प्रवेश करते हुए सुनीता लुल्ला ने विविध शिक्षण पद्धतियों,पाठ्यक्रम की विविधताओं, भाषा संप्रेषण आदि पर प्रकाश डाला। प्रस्तुत विषय को पूर्णता हस्ताक्षरित करते हुए प्रमुख प्रवक्ता बी . एल आच्छा ने विषय के समग्र बिंदुओं को अपनी विहग दृष्टि से वैश्विक दृष्टिकोण को समायोजित कर विषय को सारगर्भित रूप प्रदान किया । इसी विषय क्रम शृंखला को आगे बढ़ाते हुए अभिजीत पाठक ने विषय अनुसार पौराणिक दृष्टांतों का प्रयोग कर विषय को लाभान्वित किया। समिति के महामंत्री व प्रथम सत्र की संचालिका ममता जायसवाल ने शिक्षण को जीवंत प्रक्रिया मानते हुए शिक्षण पद्धतियों को समसामयिक व पौराणिक दृष्टिकोण से अभिसिक्त कर उसे अभिपोषित किया। ताज फातिमा ने विषय क्रम में अपने विचारों द्वारा यह बताया की इस्लाम में स्त्री शिक्षा को महत्व दिया जाता है। द्वितीय सत्र की संचालिका गीता अग्रवाल ने विषय पर कहते हुए तकनीकी शिक्षण ज्ञान को महत्व दिया, वहीं जी परमेश्वर ने

राष्ट्रीय हित हेतु स्काउट गाइड एवं एनसीसी जैसे महत्वपूर्ण सह शिक्षण विधाओं की अनिवार्यता को समझाया। समग्र विषय आंकलन इस बिंदु पर एकमत रहा कि सामानव उत्थान ही शिक्षण पद्धति का आधार रहे। द्वितीय सत्र की रंगमय काव्य गोष्ठी में ताज फातिमा, कृष्ण प्रकाश अग्रवाल, मंजू भारद्वाज, रफिया नौशीन, डॉक्टर ऋतु शुक्ला, बैजनाथ सुनहरे, भारती अग्रवाल, प्रदीप देवी शरण भट्ट, उमेश चंद यादव, प्रहलाद जोशी, ममता जायसवाल, हर्ष लता दुधोडिया, सुनीता लुल्ला, गीता अग्रवाल व डॉ दया कृष्ण गोयल ने अपनी मौलिक काव्या रचनाओं का पाठ प्रस्तुत किया। इंदू सिंह, वर्षा शर्मा, अभिजीत पाठक, गिरधारी लाल गुप्ता, नीमा रवि ने अमूल्य उपस्थिति दर्ज की।

समिति के अध्यक्ष डॉ दया कृष्ण गोयल के अध्यक्षीय भाषण के उपरांत डॉक्टर ऋतु शुक्ला के धन्यवाद प्रेषण द्वारा कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

हिन्दी महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

भारतीय ज्ञान प्रणाली व सतत विकास पर अंतर्विषयक विमर्श

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी महाविद्यालय एवं एम.सी. गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वावधान में 30 व 31 जनवरी 2026 को भारतीय ज्ञान प्रणाली : सतत विकास के लिए अंतर्विषयक ढाँचा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भों से जोड़ते हुए शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं तकनीक के क्षेत्र में उसके उपयोग पर सार्थक विमर्श करना रहा।

प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. के. बालकिस्ता रेड्डी (अध्यक्ष, तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद) रहे। सम्मानित अतिथि के रूप में प्रो. के. शीरामलु उपस्थित थे। बीज वक्ता प्रो. टी. मृणालिनी तल्ला (समन्वित डीन, जण शिक्षा संकाय) ने विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष सी.ए. लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्री श्यामसुंदर मूंदड़ा, मानद मंत्री शील कुमार जैन, संयुक्त सचिव प्रदीप दत्त, कोषाध्यक्ष सी.ए. एस.बी. काबरा, सदस्य डॉ. चंद्रप्रकाश चौहान, किशोर कुमार संचेती, प्राचार्यद्वय डॉ. बाला कुमार (हिन्दी महाविद्यालय) एवं डॉ. एल. मदन मोहन (एम.सी. गुप्ता कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट), पूर्व प्राचार्य पी. गिरिधर, डॉ. राजशेखर, मनोहर रेड्डी, विभिन्न महाविद्यालयों के विद्वान, प्राध्यापकगण एवं छात्र उपस्थित थे। अतिथियों का शॉल, पौधा एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मान किया गया।

प्रथम सत्र सामाजिक सद्भाव एवं जीवन-यापन के लिए सतत दृष्टिकोण विषय पर आधारित रहा, जिसकी अध्यक्षता प्रो. डब्ल्यू. कुमार प्रसन्ना (निदेशक, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, तेलंगाना) ने की।

द्वितीय सत्र आधुनिक शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा : चुनौतियाँ और अवसर विषय पर हुआ, जिसमें अध्यक्षद्वय प्रो. एन. उपेंद्र रेड्डी (सेवानिवृत्त सलाहकार, स्कूल शिक्षा विभाग) एवं प्रो. डी. विद्याधर (प्राचार्य, विवेकवर्धिनी कॉलेज) रहे। इस सत्र में हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। हिन्दी सत्र में डॉ. सुरभि तिवारी, डॉ. रजनीधारी, डॉ. पुष्पकल्ली, श्री सी.पी. सिंह,

श्रीमती अर्चना सिंह, श्रीमती अर्चना पांडेय, श्री कन्हैया कुमार एवं श्री निखिल पांडेय ने भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध पक्षों पर शोध आलेख प्रस्तुत किए।

आयुर्वेद, योग एवं ध्यान को समग्र स्वास्थ्य विज्ञान के रूप में डॉ. रमा देवी (प्राचार्य, डॉ. बी.आर.के.आर. शासकीय आयुर्वेद कॉलेज, एर्रागड्डा) एवं डॉ. कल्पना तोरण (एसोसिएट प्रोफेसर) ने विस्तार से रेखांकित किया।

दूसरे दिन प्रथम सत्र में पर्यावरणीय स्थिरता में पारंपरिक भारतीय ज्ञान विषय पर प्रो. पुरुषोत्तम रेड्डी (पर्यावरण एवं शिक्षाविद, जण) ने विचार रखे। पारंपरिक ज्ञान के आधुनिक विज्ञान से एकीकरण पर डॉ. शीहरि पब्बाराज (सीएसआईआर) ने फ्लोटिंग केमिस्ट्री पर प्रकाश डाला।

द्वितीय सत्र में एआई एवं आईटी आधारित डिजिटल उपकरणों द्वारा प्राचीन ज्ञान के संरक्षण एवं विस्तार पर मुख्य अतिथि प्रो. साई कुमार (शिक्षाविद एवं प्रेरक वक्ता, खझए) ने विस्तृत संबोधन दिया। सम्मानित अतिथि प्रो. अचंता रवि प्रकाश (सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक – व्यवसाय प्रबंधन) ने भी विषयगत विचार साझा किए।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. डी. चक्रपाणी (सेवानिवृत्त खअड, तेलंगाना) रहे। इस अवसर पर समिति के सभी पदाधिकारी, प्राचार्यद्वय, दोनों महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण एवं छात्र उपस्थित थे। संगोष्ठी का सफल संचालन श्रीमती नीता कुलकर्णी एवं श्रीमती लहरी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुंदरेशन द्वारा प्रस्तुत किया गया। उद्घाटन एवं समापन सत्रों में भरतनाट्यम एवं शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं। संगोष्ठी का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

यह संगोष्ठी भारतीय ज्ञान परंपरा को समकालीन शिक्षा एवं सतत विकास से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सार्थक प्रयास के रूप में सराही गई।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा ज्योतिषीय कार्यशाला आज

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के तत्वावधान में समाजहित को ध्यान में रखते हुए एक विशेष ज्योतिषीय एवं आध्यात्मिक कार्यशाला समस्या आपकी, समाधान हमारे का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम मंगलवार, 3 फरवरी को सायं 4 बजे से 6 बजे तक अग्रवाल समाज कार्यालय, 10वां माला, चिराग अली लेन, एबिड्स में संपन्न होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के लोगों को जीवन की विभिन्न समस्याओं के प्रति सकारात्मक, व्यावहारिक एवं आध्यात्मिक समाधान उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर इंदौर की सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शक श्रीमती संगीता शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। श्रीमती शर्मा को ज्योतिष के क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त है तथा वे अब तक 5 बार स्वर्ण पदक से सम्मानित हो चुकी हैं। देश-भर में उनकी पहचान एक अनुभवी, सरल एवं समाधान-केन्द्रित ज्योतिषाचार्य के रूप में है।

कार्यशाला के दौरान जीवन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर मार्गदर्शन दिया जाएगा, जिनमें विशेष रूप से मंगल दोष, कालसर्प दोष, वास्तु संबंधी समस्याएं, काम-काज में अस्थिरता, धन लाभ, यश प्राप्ति, आध्यात्मिक ज्योतिष, कलर थेरेपी सहित अन्य व्यक्तिगत व पारिवारिक विषय शामिल हैं। यह आयोजन आध्यात्मिक समन्वय समिति के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजन में समिति के चेयरमैन एवं कन्वीनर श्री डी.पी. अग्रवाल, वाइस चेयरमैन श्री पवन कुमार अग्रवाल तथा को-कन्वीनर श्री सुभाष अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आयोजकों ने समाज के सभी वर्गों से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः नि:शुल्क रखा गया है, जिससे समाज के हर व्यक्ति को लाभ मिल सके। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति 9010393628 एवं 9392458749 पर संपर्क कर सकते हैं। अग्रवाल समाज तेलंगाना का यह प्रयास समाज में सकारात्मक सोच, आध्यात्मिक जागरूकता एवं समस्याओं के समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल माना जा रहा है।

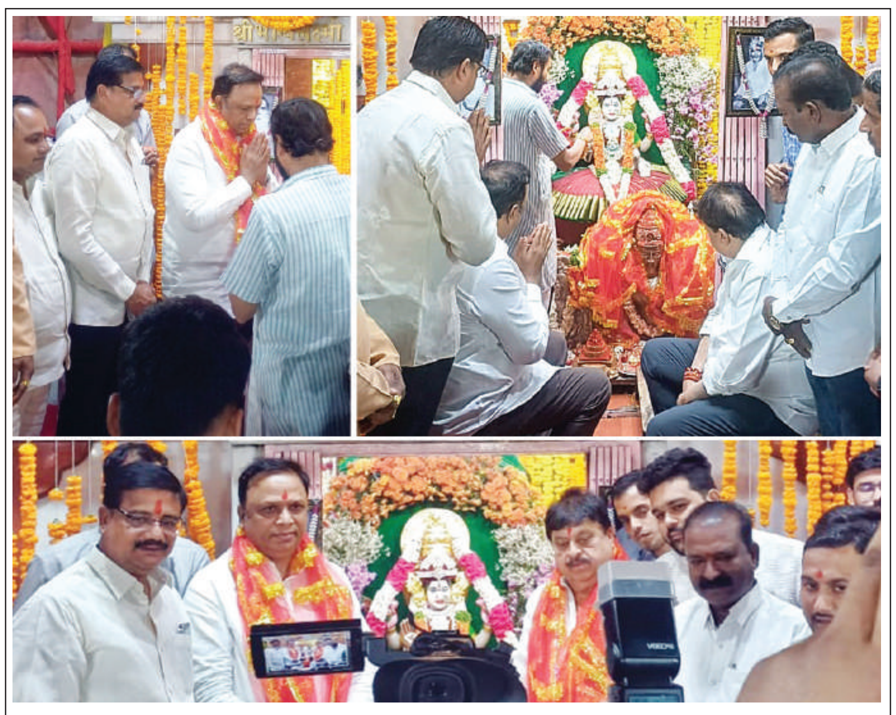

श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर चारमीनार में पूजा की, श्री एन रामचंद्र राव एक्स एमएलसी भाजपा राज्य अध्यक्ष और श्री -शीष सेलर मंत्री, महाराष्ट्र सरकार सूचना और प्रौद्योगिकी, टी उमा महेंद्र अध्यक्ष भाजपा गोलकुंडा जिला के सुरेंद्र महासचिव, भाजपा गोलकुंडा जिला नटराज नामधारी सचिव, गोलकुंडा, जिला रमेश लाल यादव सचिव, गोलकुंडा, जिला कुणाल राव महासचिव भाजपा गोलकुंडा जिला।

सनतनगर में मीटिंग का आयोजन किया गया राष्ट्रीय भाजपा नवनिर्वाचित अध्यक्ष नितिन जी के आने पर विचार विमर्श किया गया खेल प्रतियोगिता म्यूजिक कल चेयर लोढ़ा में होगा पर चर्चा की गई। उपस्थित भाजपा नेता सपना गुप्ता, सीनियर लीडर दयानंद, डिवीजन अध्यक्ष नरेश,उमा, सुंघाकर जनरल सेक्रेटरी वअन्य।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF DOB
I, No.16120438P Hav DELABHADRA SATHEESH, Residing at 2-92, Vill:Seedhi, PO:Pedda Seedhi, Teh:Pathapatnam, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532214 that my father Delabhadra Simhachalam DOB is to be changed from 15-08-1965 to 01-01-1966 and my mother Delabhadra Rajeswari DOB is to be changed from 10-09-1968 to 01-01-1970 vide affidavit dt:02-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, DHARAMANNA Father of Service No.JC 293859M Sub (DVRMT) GIREESHA SIDAGONDA, Resident of Vill:Hiregarasangi, P.O:Ronihal, Teh:Kolhar, Dist:Vijayapura, Karnataka-586210 have changed my name from DHARAMANNA to DHARMANNA SHIDAGONDA vide affidavit dt:31-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary,Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, KASTDORI Mother of Service No.JC 293859M Sub (DVRMT) GIREESHA SIDAGONDA, Resident of Vill:Hiregarasangi, P.O:Ronihal, Teh:Kolhar, Dist:Vijayapura, Karnataka-586210 have changed my name from KASTDORI to KASTURI DHARMANNA SIDANGOD vide affidavit dt:31-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary,Secunderabad.

16 साल बाद निर्माता की कुर्सी पर वापस आईं सौंदर्या रजनीकांत

तमिल सिनेमा की जानी-मानी हस्ती और अनुभवी फिल्म निर्माता सौंदर्या रजनीकांत एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लंबे समय बाद वह फिल्म निर्माण की दुनिया में वापसी कर रही हैं। इस बीच उन्होंने एक इवेंट में बीते सालों की यादें, संघर्ष और नई शुरुआत की झलक साझा की। दरअसल, सौंदर्या रजनीकांत निर्देशक मदन की फिल्म 'विद लव' के प्री-रिलीज इवेंट में शामिल हुईं। वह इस फिल्म की निर्माता हैं। उन्होंने कहा, ''यह पल मेरे लिए सिर्फ एक फिल्मी इवेंट नहीं, बल्कि जीवन का भावुक क्षण है। मैंने निर्देशक वेंकट प्रभु को इस कार्यक्रम में आने के लिए फोन किया था। बातचीत के दौरान वेंकट प्रभु ने मुझे याद दिलाया कि उनकी पिछली फिल्म 'गोवा' को रिलीज हुए पूरे सोलह साल हो चुके हैं।''

सौंदर्या ने बताया, '''गोवा' ही वह फिल्म थी, जिसके साथ मैंने निर्माता के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। इसके बाद जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए और लंबे समय तक मैं फिल्मों से दूर रही। जब वेंकट प्रभु ने 16 साल का जिक्र किया, तो वह पल मेरे लिए बेहद भावुक हो गया, क्योंकि इतने लंबे समय बाद फिर से निर्माता की भूमिका में लौटना बेहद खास होता है।'' उन्होंने मंच से कहा, ''इतने साल पहले मैंने मन ही मन यह ठान लिया था कि अगर कभी मैं दोबारा फिल्म निर्माण में लौटूंगी, तो एक ऐसी टीम के साथ लौटूंगी, जो दिल से काम करे, ईमानदार हो और जिसमें रचनात्मक ऊर्जा हो। आज फिल्म 'विद लव' की पूरी टीम को देखकर मुझे लगा कि मेरा वही सपना सच हो गया है।''सौंदर्या ने बेहद भावुक अंदाज में कहा, ''मैं इस वापसी को लेकर बहुत खुश हूं, मुझे गर्व महसूस हो रहा है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, मेरे धैर्य, विश्वास और मेहनत की जीत है। इतने लंबे अंतराल के बाद इस तरह की टीम के साथ लौटना किसी वरदान से कम नहीं है।

फिल्मों में नहीं चली किस्मत तो बिजनेस में हाथ आजमा रहीं अमृता अरोड़ा

कभी अपने मूव्स से सबको दीवाना बनाने वाली अभिनेत्री, आज शोबिज का हिस्सा बनकर जिंदगी जी रही हैं। हम बात कर रहे हैं अमृता अरोड़ा की, जिन्होंने शादी के बाद फिल्मी पर्दे से दूरी बना ली। लेकिन आज भी ग्लैमरस पार्टी का हिस्सा बनती हैं। अभिनेत्री शनिवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। 31 जनवरी 1978 को मुंबई में जन्मीं अमृता अरोड़ा भले ही फिल्मी पर्दे का हिस्सा रहीं, लेकिन अपनी बहन मलाइका अरोड़ा की तरह नाम नहीं बना पाई। मलयाली कैथोलिक से ताल्लुक रखने वाली अभिनेत्री फिल्मों में कदम रखने से पहले टीवी का बड़ा चेहरा हुआ करती थीं। उन्होंने 17 साल की उम्र में एमटीवी के 'हाउसफुल' और 'चिल आउट' जैसे शोज को होस्ट किया था और वीजे भी रही थीं। अमृता की पहली फिल्म साल 2002 में आई 'कितने दूर कितने पास' थी, जिसके बाद उन्होंने 'आवारा पागल दीवाना', 'गर्लफ्रेंड', 'एक और एक ग्यारह', 'मुझसे शादी करोगी', 'गोलमाल रिटर्न' और 'कमबख्त इश्क' जैसी फिल्मों में काम किया और कई फिल्मों में स्पेशल अपीरियंस भी दी।

अमृता अरोड़ा के करियर की ज्यादातर फिल्में औसत रहीं। फिल्मों के जरिए किस्मत को चमकाना बहुत मुश्किल हो रहा था, लेकिन साल 2009 में उन्होंने शकील के साथ शादी करके फिल्मों से दूरी बना ली।

अभिनेत्री की शादी भी विवादों में रही क्योंकि शकील अमृता की सहेली के ही पति हुआ करते थे। हालांकि, कभी भी अमृता ने विवादों पर जवाब नहीं दिया, आज भी अपने पति और दो बच्चों के साथ खुशहाल जिंदगी गुजार रही हैं।

अमृता भले ही फिल्मों से दूर हैं, लेकिन करीना कपूर खान से उनकी दोस्ती बहुत खास हैं, जो उन्हें शोबिज का हिस्सा बनाए रखती हैं। अमृता, करीना कपूर खान और मलाइका अरोड़ा की तिकड़ी हमेशा सोशल मीडिया पर छाई रहती है। इसके अलावा, अमृता फूड इंडस्ट्री के बिजनेस में भी उतर चुकी हैं। उन्होंने अपने पति शकील के साथ मिलकर गोवा के अंजुना बीच पर 'जो-लेन बाय द सी' नाम का आलीशान रेस्तरां खोला है, जो किसी फाइव स्टार होटल से कम नहीं है। रेस्तरां के मेनू से इंटीरियर तक सब कुछ अमृता ने ही संभाला है। वे सोशल मीडिया के जरिए भी आए दिन रेस्तरां का प्रमोशन करती रहती हैं।

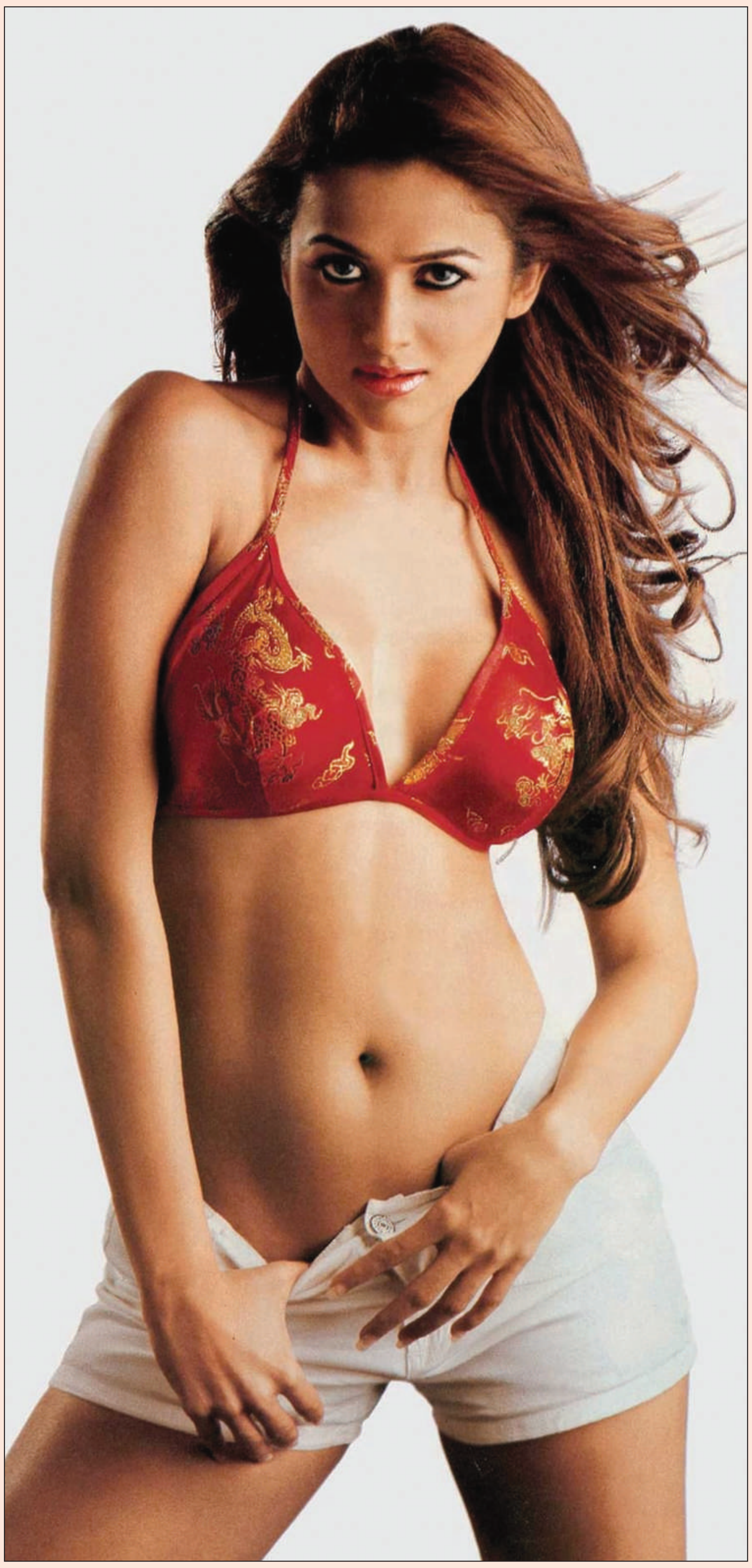

ग्लैमर के पीछे छिपा है अंधेरा सच... उपासना सिंह ने बताई इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई

दकपिल शर्मा शो में पिंकी बुआ के नाम से मशहूर अभिनेत्री उपासना सिंह ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की छिपी हुई कड़वी सच्चाई पर बात की। उन्होंने बताया कि ग्लैमर के पीछे इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई और संघर्ष छिपा हुआ है। आईएएनएस से खास बातचीत में उन्होंने बताया कि बाहर से ग्लैमरस दिखने वाली यह इंडस्ट्री अंदर से संघर्ष, गरीबी और अनिश्चितता से भरी हुई है। उपासना सिंह ने कहा, लोग सोचते हैं कि फिल्म इंडस्ट्री में सब कुछ आसान और ग्लैमरस है। एक्टर आराम से जी रहे हैं, लेकिन हकीकत बहुत अलग है। जब मैं सिनेमा, टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन की जनरल सेक्रेटरी बनी, तो मुझे असली हालात पता चले। उन्होंने बताया कि कई कलाकार साल में मुश्किल से 1,200 रुपए कमा पाते हैं। कुछ को साल में सिर्फ चार-पांच दिन काम मिलता है। उसमें भी कोऑर्डिनेटर 5,000 रुपए की दिहाड़ी में से 25 प्रतिशत कमीशन काट लेता है। पेमेंट भी 90 से 120 दिन बाद मिलती है। मुंबई जैसे महंगे शहर में किराया, बच्चों की स्कूल फीस और घर के खर्चे उठाना इनके लिए बहुत मुश्किल हो जाता है। उपासना ने आगे कहा, टीडीएस कटने के बाद, कोऑर्डिनेटर का कमीशन देने के बाद हाथ में कितना बचता है? कई बार इन कलाकारों के पास मेडिकल खर्च के लिए भी पैसे नहीं होते। वे डॉक्टर के पास नहीं जा पाते। अपनी सेहत का ध्यान रखना भी उनके लिए लग्जरी बन जाता है। उन्हें बस इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ता है। बातचीत के दौरान वह बेहद भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, मुझे बहुत दुख होता है। भगवान की कृपा से मुझे अच्छा काम मिला, मैंने लीड रोल किए, पॉपुलर किरदार निभाए और आशीर्वाद मिला। लेकिन, जब मैंने इन कलाकारों की हालत देखी, तो दिल टूट गया। अब हम एसोशिएसन के जरिए उनकी लगातार मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।

उपासना सिंह लंबे समय से इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। उन्होंने 'जुड़वा', 'हलचल', 'हंगामा', 'गोलमाल रिटर्न्स' और 'चक दे फट्टे' जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया है। टेलीविजन पर 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' और 'द कपिल शर्मा शो' में उनके कॉमिक रोल, खासकर पिंकी बुआ का किरदार, दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हुआ।

पंजाबी गीत 'कित्थे रह गया' पर आम्रपाली दुबे ने दिखाया मजेदार अंदाज

भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और पोस्ट के जरिए अपने फैंस के दिलों में खास मौजूदगी रखती हैं। सोमवार को उन्होंने एक मजेदार वीडियो शेयर किया। दरअसल, इन दिनों सोशल मीडिया पर पंजाबी सॉन्ग 'कित्थे रह गया' काफी ट्रेंड कर रहा है। कई सेलेब्स और सोशल मीडिया यूजर्स, सेलेब्रिटी वीडियो बनाकर ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। ट्रेंड को फॉलो करते हुए अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने भी शानदार वीडियो बनाया है। वे गाने के बोल पर शानदार एक्सप्रेशन दे रही हैं और कैमरे के सामने गाने की लय के साथ चेहरे के भाव बदल-बदलकर लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री का ये अंदाज काफी आकर्षक लग रहा है और उन्होंने वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर कर स्माइली इमोजी से प्रतिक्रिया दी।

फैंस को ये गाने काफी पसंद आ रहे हैं। गाने में आम्रपाली का अंदाज इतना नेचुरल लग रहा है कि वे इसे काफी एंजॉय कर रहे हैं।

गाना 'कित्थे रह गया' की बात करें तो इसे नीति मोहन ने अपनी मधुर आवाज में गाया, जबकि इसके लिरिक्स कुमार ने लिखे और संगीत अभिजीत वाघानी ने तैयार किया था।

आम्रपाली की लोकप्रियता भोजपुरी इंडस्ट्री में केवल फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी लोग उन्हें काफी पसंद करते हैं। वहीं, अभिनेत्री भी अपने प्रशंसकों के लिए अक्सर जिंदगी से जुड़े अपडेट शेयर करती हैं। आम्रपाली अभिनय के साथ-साथ संगीत में भी हाथ आजमाती रहती हैं। अभिनेत्री आम्रपाली अभी फिल्म 'माई से मिला द मैया वैष्णो देवी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। अब वे जल्द ही फिल्म 'सास बहू यमराज' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन संजय श्रीवास्तव ने किया है और इसके निर्माता रोशन सिंह हैं। फिल्म में आम्रपाली दुबे और विक्रांत सिंह के अलावा समर्थ चतुर्वेदी, अयाज खान, श्रद्धा नवल, विद्या सिंह, साहिल सिद्दीकी, रितु चौहान और अवधेश मुखिया सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

वैलेंटाइन वीक में री-रिलीज होगी ये दिल आशिकाना, 24 साल बाद दिखेंगे करण-पूजा

वैलेंटाइन वीक में रोमांस का पुराना जादू फिर से छाने वाला है, साल 2002 की हिट रोमांटिक ड्रामा 'ये दिल आशिकाना' बड़े पर्दे पर फिर से रिलीज होने जा रही है। करण और जिविधा की जोड़ी 24 साल बाद उसी पुराने अंदाज में दिखेगी। टू एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने घोषणा की है कि यह फिल्म 13 फरवरी को, वैलेंटाइन डे के मौके पर देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मूल रिलीज के 24 साल बाद यह फिल्म दर्शकों को फिर से थिएटर में देखने का मौका मिलेगा। कुकू कोहली निर्देशित 'ये दिल आशिकाना' साल 2002 में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। फिल्म में करण और पूजा (जिविधा शर्मा) की रोमांटिक केमिस्ट्री, एक्शन और यादगार संगीत (नदीम-श्रवण) ने दर्शकों का दिल जीता था। खास बात यह है कि फिल्म कभी किसी ओटीटी या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं हुई, इसलिए नई पीढ़ी के लिए यह थिएटर में पहली बार देखने का सुनहरा अवसर है।

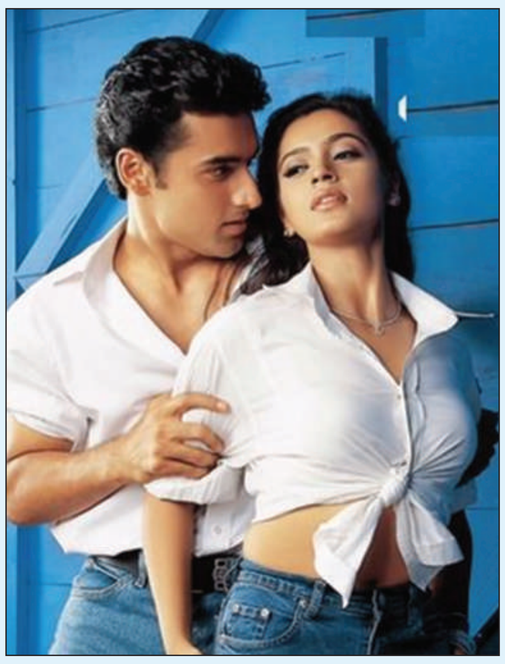

टू एंटरटेनमेंट ने फिल्म को आज के दर्शकों की भावनाओं के अनुरूप फिर से एडिट किया है और सेंसर बोर्ड से नया सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर लिया है। कंपनी के प्रमुख शैलेंद्र मांडोवारा ने बताया, हम मानते हैं कि कुछ फिल्में सिर्फ थिएटर के लिए बनी होती हैं। 'ये दिल आशिकाना' उनमें से एक है। इसे कभी सैटेलाइट या ओटीटी पर नहीं रिलीज किया गया। 'तुझे मेरी कसम' की री-रिलीज को मिले शानदार रिस्पॉन्स के बाद यह फैसला स्वाभाविक था। यह सिनेमा के जश्न का मौका है, जहां दर्शक बड़े पर्दे पर पुरानी यादें ताजा कर सकेंगे।

निर्देशक कुकू कोहली ने खुशी जताते हुए कहा, यह फिल्म बड़े पर्दे के लिए ही बनी, इसका स्केल, संगीत, इमोशंस सब थिएटर में अनुभव करने लायक हैं। मैं खुश हूं कि नई पीढ़ी इसे उसी तरह देख पाएगी जैसे 2002 में देखा गया था। आज रोमांटिक फिल्मों का बड़ा दर्शक वर्ग है और यह फिल्म युवाओं को खूब पसंद आएगी। सिनेमा की याददाश्त लंबी होती है, ऐसी कहानी हमेशा वापसी करती हैं।

कुकू कोहली ने 'फूल और कांटे' से अजय देवगन को लॉन्च किया था। 'ये दिल आशिकाना' से उन्होंने करण नाथ और जिविधा शर्मा को भी लॉन्च किया।

हिना खान ने इंस्टाग्राम पर शेयर की तुर्किए यात्रा की झलक, लिखा- खुशी छोटे पलों में है

हिना खान का मानना है कि खुशियां सबसे छोटे और साधारण पलों में छिपी होती हैं। अभिनेत्री ने अपनी इस्तांबुल यात्रा की एक शांत और खूबसूरत झलक साझा की, जिसमें वह नाश्ते के दौरान पक्षियों को खाना देती दिखीं। उनके पीछे खूबसूरत हागिया सोफिया और ब्लू मस्जिद का नजारा भी दिखाई दे रहा था। हिना खान ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की शेयर किया है, जिसमें शांत सुबह का नजारा दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि पक्षियों को खासकर चीज बहुत पसंद थी। ऐतिहासिक शहर की खूबसूरती का आनंद लेते हुए हिना इस पल की सादगी और शांति में खुश नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, खुशी है- हागिया सोफिया और ब्लू मस्जिद के खूबसूरत नजारे के साथ पक्षियों को खाना खिलाना। उन्हें चीज बहुत पसंद है।

24 जनवरी को हिना ने अपने पति रॉकी जैसवाल, मां और परिवार के साथ तुर्की की यात्रा की एक झलक साझा की थी। इस्तांबुल में उन्होंने तुर्की के स्वादिष्ट नाश्ते का आनंद लिया, जिसमें वहां के खास व्यंजन शामिल थे।उन्होंने लिखा, इस्तांबुल में हों तो तुर्की के नाश्ते वाली जगहों को मिस न करें। उनका नजारा, खाना, मेहमाननवाजी और गर्मजोशी बहुत खास और दिल को छू लेने वाली है। यह अनुभव अनमोल है, एक बार इसे अनुभव कर लिया तो यह यादगार बन जाता है। बहुत पसंद आया। अल्हम्दुलिल्लाह।इससे पहले हिना ने अपनी फ्लाइट की कुछ झलकियां शेयर करते हुए लिखा था, फिर से निकल पड़े (ईविल आई इमोजी) अतिरिक्त खास देखभाल और ध्यान के लिए धन्यवाद।हिना हाल ही में कपल्स रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आईं। इस शो में अलग-अलग थीम और गेम थे, जो कपल्स के रिश्ते की मजबूती को परखते थे। इसमें हल्की-फुल्की नोक-झोंक, रोमांटिक पल और हंसी-मजाक भरे सीन थे, जिससे दर्शकों को सेलिब्रिटी कपल्स के असल रिश्तों की झलक मिली।

हिना को टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा माहेश्वरी सिंघानिया के किरदार के लिए जाना जाता है।

कुंभ राशि में बुध का गोचर : मेष, मिथुन, तुला और कुंभ राशि वालों की सोच में आएगी क्लैरिटी!

बुध का कुंभ राशि में आना पुरानी और बोरिंग सोच को छोड़ने का समय है। अब वक्त है कुछ नया और भविष्य का सोचने का। कुंभ राशि के स्वामी शनि देव हैं, जो बुध की अक्ल को गहराई देते हैं। इस समय आपकी बातचीत बहुत ही सुलझी हुई और काम की होगी। नए आइडियाज शेयर करने और टीम बनाकर काम करने के लिए यह सबसे बेहतरीन समय है।

मेष राशि–मेष राशि वालों के लिए बुध का यह गोचर आपके ग्यारहवें भाव में होने जा रहा है, जिसे ज्योतिष में 'लाभ स्थान' कहा जाता है। यह समय आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि यहां बुध आपकी इच्छाओं की पूर्ति में मदद करेंगे। आपकी बातचीत करने की कला और सोशल नेटवर्किंग इस दौरान आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। अगर आप मार्केटिंग, सेल्स या किसी ऐसे पेशे में हैं जहां लोगों से जुड़ना पड़ता है, तो तैयार हो जाइए–आपको बड़े प्रोजेक्ट्स मिल सकते हैं। दोस्तों और सहकर्मियों के साथ शेयर किए गए आपके 'आउट–ऑफ–द–बॉक्स' आइडियाज न केवल सराहे जाएंगे, बल्कि उनसे आर्थिक मुनाफा भी होगा। बुध की दृष्टि आपके पांचवें भाव पर भी है, जिसका मतलब है कि आपकी क्रिएटिविटी और रिस्क लेने की क्षमता बहुत सटीक रहेगी। छात्रों के लिए यह समय कॉम्प्लेक्स विषयों को आसानी से समझने का है। कुल मिलाकर, समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा और नए प्रभावशाली लोगों से आपकी मुलाकात होगी जो भविष्य में आपके करियर को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

वृषभ राशि – वृषभ राशि वालों के लिए बुधदेव आपके दसवें भाव यानी 'कर्म भाव' में गोचर करेंगे। यह समय आपके प्रोफेशनल करियर के लिए बहुत ही निर्णायक साबित होने वाला है। ऑफिस में आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स इतनी प्रभावशाली होंगी कि आपके सीनियर और बॉस आपकी बातों को गंभीरता से सुनेंगे। अगर आप लंबे समय से किसी प्रमोशन या सैलरी हाइक का इंतजार कर रहे थे, तो इस दौरान की गई बातचीत आपके पक्ष में जा सकती है। व्यापारिक बैठकों, प्रेजेंटेशन और नई डील्स को फाइनल करने के लिए यह सबसे बेहतरीन पीरियड है। बुध की दृष्टि आपके चौथे भाव पर भी पड़ रही है, जो संकेत देती है कि करियर की भागदौड़ के बीच घर–परिवार में भी सुख–सुविधाओं और प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों पर चर्चा होगी।

मिथुन राशि–मिथुन राशि के स्वामी खुद बुधदेव हैं और वे आपके नौवें भाव (भाग्य स्थान) में गोचर कर रहे हैं। यह स्थिति आपके लिए बौद्धिक विकास का एक नया द्वार खोलेगी। आपकी रुचि धर्म, दर्शन और उच्च शिक्षा में बढ़ेगी। अगर आप विदेश जाकर पढ़ाई करने या करियर बनाने का सपना देख रहे हैं, तो यह गोचर उस दिशा में ठोस कदम उठाने में आपकी मदद करेगा। आपकी लंबी दूरी की यात्राएं न केवल सुखद होंगी बल्कि आपको जीवन का एक नया नजरिया भी देंगी। बुध की दृष्टि आपके तीसरे भाव पर होने से आपके साहस और संवाद करने की क्षमता में गजब का निखार आएगा। आप अपनी बातों को लिखने या बोलने में बहुत प्रभावशाली महसूस करेंगे। भाई–बहनों के साथ आपके रिश्ते सुधरेंगे और उनके माध्यम से आपको कोई बड़ा लाभ भी मिल सकता है। यह समय अपनी स्किल्स को अपग्रेड करने और दुनिया को यह दिखाने का है कि आप कितने काबिल हैं। आपके गुरु और शिक्षक इस दौरान आपके मार्गदर्शक बनेंगे।

कर्क राशि–कर्क राशि वालों के लिए बुध का गोचर आठवें भाव में होने जा रहा है। आठवां भाव गुप्त विद्याओं, शोध और अचानक होने वाले बदलावों का होता है। इस दौरान आपका दिमाग बहुत गहराई से काम करेगा। आप उन रहस्यों को सुलझाने में कामयाब होंगे जो लंबे समय से आपको परेशान कर रहे थे। अगर आप रिसर्च, जासूसी, ज्योतिष या फाइनेंस के क्षेत्र में हैं, तो यह समय आपके लिए बहुत ही फलदायी रहेगा। विरासत से जुड़े मामले या जॉइंट बैंक अकाउंट को लेकर कोई अच्छी खबर मिल सकती है। हालांकि, बुध की दृष्टि आपके दूसरे भाव (धन भाव) पर होने के कारण आपको अपनी वाणी पर बहुत कंट्रोल रखना होगा। आपकी कही हुई कोई कड़वी बात परिवार में विवाद खड़ा कर सकती है।

सिंह राशि –सिंह राशि वालों के लिए बुधदेव आपके सातवें भाव में गोचर करेंगे, जो पार्टनरशिप और विवाह का स्थान है। इस दौरान आपके जीवनसाथी और बिजनेस पार्टनर के साथ संवाद बहुत महत्वपूर्ण हो जाएगा। रिश्तों में अगर कोई गलतफहमी चल रही थी, तो उसे बातचीत के जरिए सुलझाने का यह सबसे अच्छा समय है। पब्लिक डीलिंग से जुड़े कामों में आपको गजब की सफलता मिलेगी और आपकी छवि एक समझदार व्यक्ति के रूप में उभरेगी। बुध की दृष्टि आपकी राशि यानी पहले भाव पर पड़ रही है, जिससे आपकी बुद्धिमत्ता और पर्सनैलिटी में एक अलग ही निखार देखने को मिलेगा। आप काफी लॉजिकल बातें करेंगे, लेकिन ध्यान रहे कि लॉजिक कहीं इल्लॉजिकल न बन जाए। दूसरों पर अपना अधिकार जमाने की कोशिश आपकी इमेज खराब कर सकती है। व्यापार में नए कॉन्ट्रैक्ट्स साइन करने के लिए यह समय बहुत शुभ है।

कन्या राशि –कन्या राशि के स्वामी बुधदेव आपके छठे भाव में गोचर करने जा रहे हैं। छठा भाव नौकरी, सेवा और चुनौतियों का होता है। यह गोचर आपके वर्क–लाइफ में आने वाली अड़चनों को दूर करने में आपकी मदद करेगा। आपकी समस्या सुलझाने की क्षमता इतनी बढ़ जाएगी कि आपके दुश्मन भी आपकी तारीफ करेंगे। जो लोग सरकारी नौकरी या किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए यह समय बहुत मेहनत और उसके अच्छे परिणाम दिलाने वाला है। बुध की दृष्टि बारहवें भाव पर होने से आपकी दिमागी सक्रियता बहुत बढ़ जाएगी। आप पर्दे के पीछे रहकर ऐसी प्लानिंग करेंगे जो भविष्य में आपको बड़ी जीत दिलाएगी। हालांकि, ज्यादा सोचने की वजह से आपकी नींद थोड़ी प्रभावित हो सकती है, इसलिए माइंडफुलनेस का सहारा लें। ऑफिस की राजनीति से दूर रहें और अपना पूरा फोकस अपने काम की क्वालिटी सुधारने पर लगाएं।

तुला राशि –तुला राशि वालों के लिए बुधदेव पांचवें भाव में गोचर कर रहे हैं। यह भाव बुद्धि, प्रेम और संतान का होता है। कुंभ राशि में बुध का आना आपके लिए बहुत ही सुखद रहने वाला है, क्योंकि आपकी क्रिएटिविटी आसमान छुएगी। जो लोग लिखने–पढ़ने, कला या डिजाइनिंग के क्षेत्र में हैं, वे इस दौरान कुछ ऐसा नया और यूनिक बनाएंगे जो सबको हैरान कर देगा। छात्रों के लिए यह समय किसी वरदान की तरह है; आपकी एकाग्रता बढ़ेगी और आप कठिन से कठिन विषय को भी आसानी से समझ पाएंगे। बुध की दृष्टि आपके ग्यारहवें भाव पर होने से आपकी बुद्धि ही आपकी कमाई का जरिया बनेगी। आपके आइडियाज आपको न केवल मान–सम्मान दिलाएंगे बल्कि बड़े आर्थिक लाभ के रास्ते भी खोलेंगे। प्रेम संबंधों में भी आप बहुत ही स्पष्ट और ईमानदार बातचीत करेंगे, जिससे आपसी समझ बढ़ेगी। अगर आप संतान प्राप्ति की योजना बना रहे हैं, तो यह समय अनुकूल है।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि वालों के लिए बुधदेव आपके चौथे भाव में गोचर करेंगे। यह भाव आपके सुख, माता और घर का होता है। इस दौरान घर के माहौल में काफी हलचल रहेगी। परिवार के साथ बैठकर प्रॉपर्टी, नए घर की खरीदारी या घर के रिनो–वेशन को लेकर लंबी चर्चाएं हो सकती हैं। आप अपनी माता के साथ काफी समय बिताएंगे और उनके माध्यम से आपको कोई अच्छी सलाह या लाभ मिल सकता है। बुध की दृष्टि आपके दसवें भाव (करियर) पर पड़ रही है, जो यह बताती है कि आपकी प्रोफेशनल लाइफ और पर्सनल लाइफ एक–दूसरे को काफी प्रभावित करेंगी। आप घर से ही किसी बड़े प्रोजेक्ट की प्लानिंग कर सकते हैं या ऑफिस के काम को आसान बनाने के लिए किसी नई टेक्नोलॉजी का सहारा ले सकते हैं। ध्यान रहे कि घर की बातें बाहर न करें और पारिवारिक चर्चाओं में धैर्य बनाए रखें।

धनु राशि –धनु राशि वालों के लिए बुधदेव आपके तीसरे भाव में गोचर करने जा रहे हैं। यह भाव आपके साहस, छोटे भाई–बहनों और संचार का होता है। यहां बुध आपको बहुत ही निडर और प्रभावशाली वक्ता बनाएंगे। आपकी बातों में एक अलग ही वजन होगा। मार्केटिंग, लेखन, पत्रकारिता और टीचिंग से जुड़े लोगों के लिए यह गोचर बहुत ही शानदार सफलता लेकर आएगा। आपकी छोटी यात्राएं काफी लाभकारी रहेंगी और आपको नए अनुभव प्रदान करेंगी। बुध की दृष्टि आपके नौवें भाव (भाग्य स्थान) पर होने से आपको अपने गुरुओं और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आप अपनी मेहनत और बुद्धि के दम पर अपना भाग्य खुद लिखते हुए नजर आएंगे। भाई–बहनों के साथ आपके रिश्ते और भी मजबूत होंगे और आप मिलकर किसी नए काम की शुरुआत भी कर सकते हैं। यह समय अपनी स्किल्स को पूरी दुनिया के सामने दिखाने का है। आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और आप एक साथ कई कामों को बहुत ही कुशलता से निपटाने में सक्षम होंगे।

मकर राशि –मकर राशि वालों के लिए बुधदेव दूसरे भाव में गोचर करेंगे, जिसे धन और वाणी का घर कहा जाता है। इस दौरान आपकी पूरी एकाग्रता अपने फाइनेंस और सेविंग्स को बढ़ाने पर होगी। आप बजट बनाने, टैक्स प्लानिंग करने और भविष्य के निवेश को लेकर बहुत गंभीर रहेंगे। परिवार के साथ बैठकर पैसों के मामलों को सुलझाने के लिए यह बेहतरीन समय है। आपकी लॉजिक से बात करेंगे, जिससे आप डील्स को अपने पक्ष में मोड़ने में कामयाब रहेंगे। बुध की दृष्टि आपके आठवें भाव पर पड़ रही है, जो संकेत देती है कि आपको अचानक से कहीं से रुका हुआ धन या कोई गुप्त लाभ मिल सकता है। सट्टेबाजी या शॉर्टकट के बजाय सही प्लानिंग से पैसा कमाना आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ आपके विचार काफी मैच करेंगे, जिससे घर का माहौल सुखद रहेगा। अपनी वाणी की मिठास और बुद्धिमत्ता से आप अपनी आर्थिक स्थिति को काफी मजबूत कर लेंगे।

कुंभ राशि –कुंभ राशि वालों के लिए बुध का यह गोचर आपकी ही राशि यानी आपके लग्न भाव (प्रथम भाव) में होने जा रहा है। यह आपके लिए किसी 'मेंटल रिबूट' की तरह है। आपकी बुद्धि बहुत ही शार्प, मौलिक और क्रांतिकारी हो जाएगी। आप पुरानी और घिसी–पिटी बातों को छोड़कर कुछ ऐसा नया सोचेंगे जो सबको हैरान कर देगा। आपकी पर्सनैलिटी में एक नई चमक आएगी और आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स बहुत ही प्रोफेशनल हो जाएंगी। लोग आपकी सलाह लेना पसंद करेंगे। बुध की दृष्टि आपके सातवें भाव (पार्टनरशिप) पर है, जिसका मतलब है कि आपके व्यापारिक संबंध और वैवाहिक जीवन में सुधार आएगा। आप अपने पार्टनर के साथ बहुत ही स्पष्ट और सुलझी हुई बातचीत करेंगे। अगर आप लीडरशिप की भूमिका में हैं, तो आपकी टीम आपसे काफी प्रभावित रहेगी। यह समय खुद को प्रजेंट करने और दुनिया को यह बताने का है कि आप भविष्य के बारे में कितनी गहरी सोच रखते हैं। आपके नए आइडियाज न केवल आपको पहचान दिलाएंगे बल्कि सफलता के नए रास्ते भी खोलेंगे।

मीन राशि – राशि वालों के लिए बुधदेव आपके बारहवें भाव में गोचर करेंगे। यह भाव व्यय, विदेश और आध्यात्मिकता का होता है। यह गोचर आपको थोडा अंतर्मुखी बना सकता है। आप लोगों की भीड़ के बजाय अकेले बैठकर आत्म–चिंतन करना और भविष्य की योजनाएं बनाना पसंद करेंगे। आध्यात्मिक विषयों और गुप्त ज्ञान की ओर आपकी रुचि बढ़ेगी। इस दौरान आपकी कल्पना शक्ति बहुत प्रबल होगी, जो लेखकों और रिसर्चर्स के लिए बहुत अच्छी है। बुध की दृष्टि आपके छठे भाव पर पड़ रही है, जो आपको अपनी रोजमर्रा की समस्याओं और ऑफिस की चुनौतियों को अपनी सूझबूझ से सुलझाने में मदद करेगी। हालांकि, विदेश यात्रा या पढ़ाई से जुड़े मामलों में आपके खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट का ध्यान रखें। बहुत ज्यादा सोचने की वजह से आप मानसिक रूप से थोड़ा थकान महसूस कर सकते हैं, इसलिए बीच–बीच में ब्रेक लेते रहें। पर्दे के पीछे रहकर काम करना इस दौरान आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा और आपकी गुप्त रणनीतियां भविष्य में बड़ी सफलता दिलाएंगी।

श्रद्धा, आस्था और रहस्य से भरा है बोरेश्वर महादेव मंदिर; रात में दर्शन के लिए आते हैं नंदी महाराज!

उज्जैन और काशी को बाबा महाकाल की धरती के रूप में पूजा जाता है, जहां हर मंदिर से कोई न कोई धार्मिक महत्व जरूर जुड़ा है। उज्जैन की धरती पर बाबा महाकाल के अलावा, भगवान शिव का एक अन्य अद्भुत रूप मौजूद है, जहां सिर्फ दर्शन मात्र से 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन का फल मिलता है। यही कारण है कि भक्त उज्जैन के रहस्यमयी मंदिर में भगवान के दर्शन करने के लिए आते हैं। उज्जैन जिले के दंगवाड़ा गांव में बोरेश्वर महादेव मंदिर स्थित है, जो बाकी शिव मंदिरों से काफी अलग है। हर मंदिर में जहां भोलेनाथ 'शिवलिंग' के रूप में विराजमान हैं, वहीं बोरेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव 'बोर' के आकार की आकृति में स्थापित हैं। ये देखने में बेलन की तरह लंबा और गोल लगता है। शिवलिंग जमीन के ऊपर की तरफ नहीं बल्कि नीचे की तरफ धंसे हुए हैं। यह मंदिर अत्यंत प्राचीन और रहस्यमयी धार्मिक धरोहर है, जिसकी जड़ें ताम्र पाषाण काल से लेकर गुप्त काल तक फैली हुई मानी जाती हैं।

मंदिर के गर्भगृह में मौजूद भगवान बोरेश्वर महादेव स्वयंभू हैं। मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता इसकी जलाधारी है, जिसमें कितना भी जल अर्पित किया जाए, उसका स्तर कभी न बढ़ता है और न ही घटता है। हमेशा समान बना रहता है। मान्यता है कि यहां 12 ज्योतिर्लिंगों का समावेश है। माना जाता है कि मंदिर में रात के समय चमत्कार होते हैं, जैसे रात्रि में नंदी महाराज मंदिर में दर्शन करने के लिए आते हैं और मंदिर की घंटियां भी खुद–ब–खुद बजने लगती हैं। यही कारण है कि भक्तों के लिए यह मंदिर श्रद्धा, आस्था और रहस्य का केंद्र है।

मंदिर के पास से चंबल नदी भी गुजरती है, जो शिवलिंग की आधी परिक्रमा करती है। नदी भी भगवान शिव के सोमसूत्र का पालन करती है और आधी परिक्रमा ही करती है। महाशिवरात्रि के दिन मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ आती है क्योंकि महाशिवरात्रि पर बोरेश्वर महादेव का विशेष शृंगार होता है और बाबा की सवारी भी निकलती है, जो नगर में चक्कर लगाकर वापस मंदिर में आती है। माना जाता है कि महादेव स्वयं भक्तों को नगर में आशीर्वाद देते हैं। वहीं सावन के महीने में हर सोमवार को बाबा की सवारी निकलती है। इस विशेष सवारी का हिस्सा बनने के लिए दूर–दूर से भक्त आते हैं।

फरवरी महीने के प्रमुख व्रत त्यौहार, महाशिवरात्रि के अलावा इन व्रत त्यौहारों से भी पाएंगे पुण्य लाभ

साल 2026 का दूसरा महीना शुरु हो चुका है। व्रत और त्यौहार के लिहाज से फरवरी का महीना बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। संकष्टी चतुर्थी, विजया एकादशी और महाशिवरात्रि जैसे प्रमुख त्योहार पड़ने वाले हैं। इसके साथ ही फरवरी के अंतिम सप्ताह से आठ दिन चलने वाले होलाष्टक की शुरुआत भी हो रही है।

संकष्टी चतुर्थी

संकष्टी चतुर्थी का व्रत 5 फरवरी गुरुवार के दिन पड़ रहा है। पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को इसे मनाया जाएगा। भगवान गणेश को समर्पित यह व्रत करने से व्यक्ति के जीवन से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

विजया एकादशी

विजया एकादशी का भगवान विष्णु को समर्पित व्रत है। पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष को यह त्योहार मनाया जाएगा। इस बार 13 फरवरी 2026, शुक्रवार को यह पड़ रहा है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान राम ने युद्ध पर जाने से पहले यह व्रत किया था।

महाशिवरात्रि

भगवान शिव को समर्पित महाशिवरात्रि का पर्व हिंदू धर्म के सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि मनाई जाएगी। ऐसे में इस बार 15 फरवरी, रविवार को यह पर्व पड़ रहा है।

फाल्गुन अमावस्या

फाल्गुन मास की अमावस्या का व्रत इस बार 17 फरवरी को रखा जाएगा। इस दिन को पितरो की शांति के लिए उत्तम दिन माना जाता है। बता दें कि साल भर में पड़ने वाली 12 अमावस्या तिथि में से फाल्गुन मास की अमावस्या अंतिम अमावस्या होती है।

आमलकी एकादशी

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को आमलकी एकादशी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ –साथ आंवले के पेड़ की भी पूजा होती है। इसे रंग भरी एकादशी भी कहा जाता है। इस बार 27 फरवरी 2026, शुक्रवार के दिन यह व्रत पड़ रहा है।

होलाष्टक प्रारंभ

होली के त्योहार से आठ दिन पहले होलाष्टक लग जाता है। इस अवधि के दौरान किसी भी तरह का शुभ कार्य नहीं किया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने क्रोध में आकर कामदेव को भस्म किया था। इस बार होलाष्टक की शुरुआत 24 फरवरी 2026, मंगलवार से हो रही है।

फाल्गुन मास प्रारंभ, जानें इसका धार्मिक महत्व और शुभ फल

हिंदू पंचांग के अनुसार 2 फरवरी 2026 से फाल्गुन मास की शुरुआत हो गई है। यह मास वर्ष का अंतिम महीना माना जाता है और आध्यात्मिक दृष्टि से इसे आत्मशुद्धि, पुराने कर्मों के परिमार्जन और नए संकल्पों का समय कहा गया है। ऋतु परिवर्तन के इस काल में प्रकृति के साथ–साथ मानव जीवन में भी सकारात्मक बदलाव की अनुभूति होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि फाल्गुन मास में किया गया धार्मिक आचरण मन, शरीर और आत्मा–तीनों को संतुलित करता है। फाल्गुन मास का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

फाल्गुन मास भगवान शिव और भगवान श्रीकृष्ण की आराधना को समर्पित माना जाता है। इसी महीने महाशिवरात्रि और होली जैसे प्रमुख पर्व आते हैं, जो तप, साधना और उल्लास–तीनों का संतुलन दर्शाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस समय ग्रहों की स्थिति ऐसी रहती है कि भक्ति, सेवा और संयम का फल शीघ्र प्राप्त होता है। फाल्गुन आत्मिक नकारात्मकता को त्यागकर जीवन में नई ऊर्जा और आशा का संचार करता है।

फाल्गुन मास में दान और सेवा का महत्व

फाल्गुन मास को दान–पुण्य के लिए विशेष रूप से श्रेष्ठ माना गया है। इस दौरान जरूरतमंदों की सहायता, अन्न–वस्त्र का दान और सेवा भाव से किए गए कार्य जीवन में संतुलन और स्थिरता लाते हैं। धर्मग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि इस महीने किया गया दान व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिस्थितियों का निर्माण करता है और मानसिक संतोष प्रदान करता है। सेवा और करुणा का भाव जीवन में सुख–शांति की नींव रखता है।

फाल्गुन मास में अपनाएं सात्विक जीवनशैली

इस महीने संयमित और सात्विक जीवन अपनाने पर विशेष बल दिया गया है। नियमित पूजा, ध्यान और जप से मानसिक एकाग्रता बढ़ती है और तनाव कम होता है। शिव और श्रीकृष्ण की उपासना से आत्मविश्वास और धैर्य में वृद्धि होती है। फाल्गुन आत्मचिंतन का समय है, जब व्यक्ति अपने व्यवहार, विचार और कर्मों को सकारात्मक दिशा दे सकता है।

फाल्गुन में किन बातों में रखें सावधानी

फाल्गुन मास में होलाष्टक की अवधि को विशेष रूप से संयम का समय माना जाता है। इस दौरान बड़े मांगलिक निर्णयों से बचने और भक्ति पर ध्यान केंद्रित करने की परंपरा रही है। नकारात्मक भावनाओं, अत्यधिक क्रोध और असंयमित दिनचर्या से दूरी बनाए रखना इस मास के मूल भाव के अनुरूप माना गया है। संयम और संतुलन ही फाल्गुन का वास्तविक संदेश है।

फाल्गुन मास से मिलने वाले विशेष लाभ

फाल्गुन मास आत्मशुद्धि, मानसिक शांति और जीवन में स्थायित्व प्रदान करने वाला माना गया है। इस दौरान अपनाया गया सात्विक आचरण और धार्मिक अनुशासन आने वाले समय के लिए मजबूत आधार तैयार करता है। होलिका दहन के साथ पुरानी नकारात्मकताओं को त्यागने और नए संकल्प लेने की भावना इस मास को विशेष बनाती है।

फाल्गुन मास हमें यह सिखाता है कि शुद्ध विचार, सेवा भाव और संतुलित जीवन से ही वास्तविक सुख और सकारात्मक परिवर्तन संभव है। इस पावन समय का सदुपयोग कर जीवन को नई दिशा दी जा सकती है।

कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि, जानें शुभ मुहूर्त और राहुकाल

हिंदू पंचांग प्राचीन भारतीय समय–गणना की एक महत्वपूर्ण प्रणाली है, जिसका उपयोग सदियों से धार्मिक, सांस्कृतिक और दैनिक कार्यों के लिए किया जाता रहा है। 'पंचांग' शब्द का अर्थ है 'पांच अंगों वाला'। इसमें शुभ–अशुभ समय को सही तरीके से समझने के लिए पंचांग के पांचों अंग वार, तिथि, नक्षत्र, योग और करण का विचार किया जाता है। ये पांचों मिलकर व्यक्ति को शुभ–अशुभ समय का सही आकलन करने में मदद करते हैं, ताकि नया कार्य, विवाह, गृह प्रवेश, यात्रा या पूजा जैसे महत्वपूर्ण कार्य शुभ मुहूर्त में किए जा सकें। दृक पंचांग के अनुसार, 3 फरवरी को मंगलवार है। मंगलवार का दिन भगवान हनुमान और मां दुर्गा की आराधना के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ या हनुमान की पूजा–पाठ से मानसिक शांति और सफलता प्राप्त होती है। वहीं, शक्ति की आराधना से सुख–समृद्धि का वरदान मिलता है।

पंचांग के अनुसार, सूर्योदय 7 बजकर 8 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 2 मिनट पर होगा। तिथि कृष्ण पक्ष की द्वितीया 4 फरवरी की रात 12 बजकर 40 मिनट तक, उसके बाद तृतीया शुरू होगी। मघा नक्षत्र रात 10 बजकर 10 मिनट तक, फिर पूर्वाफाल्गुनी शुरू होगा। शोभन योग 4 फरवरी की सुबह 2 बजकर 39 मिनट तक है। वहीं, करण तैतिल दोपहर 1 बजकर 11 मिनट तक रहेगा।

शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 23 मिनट से 6 बजकर 16 मिनट तक है। अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 12 बजकर 57 मिनट तक है,

जो सभी कार्यों के लिए शुभ माना जाता है। विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 24 मिनट से 3 बजकर 8 मिनट तक है। अमृत काल शाम 7 बजकर 50 मिनट से रात 9 बजकर 24 मिनट तक है।

3 फरवरी के अशुभ समय पर नजर डालें तो राहुकाल दोपहर 3 बजकर 18 मिनट से 4 बजकर 40 मिनट तक, यमगण्ड सुबह 9 बजकर 52 मिनट से 11 बजकर 13 मिनट तक है। गुलिक काल दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से 1 बजकर 57 मिनट तक है। इस समय शुभ या नया कार्य वर्जित होता है।

आज मघा नक्षत्र होने के कारण कुछ समय गण्ड मूल और आडल योग भी प्रभावी है, इसलिए सावधानी बरतें। वहीं, शुभ मुहूर्त में पूजा–पाठ, दान या महत्वपूर्ण निर्णय लेना फलदायी होता है, जबकि अशुभ काल में नए कार्य शुरू करने से बचना चाहिए।

संपादकीय

बजट के वक्त कुछ सवाल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निरंतर नौवां बजट लोकसभा में पेश किया है। देश की महिला वित्त मंत्री और यह निरंतरता...वाकई एक कीर्तिमान है। 2026-27 के बजट में क्या प्रावधान किए गए हैं, किसके हिस्से, कितनी राशि आवंटित की गई है, विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के क्या अंतर्विरोध और खामियां हैं, करीब 378 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था में आम आदमी कितना सम्पन्न है, उसकी जेब में कितना पैसा है, इनमें से कुछ विसंगतियों का विश्लेषण आज कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल का तीसरा बजट देश के सामने है, लेकिन हम पहले कुछ बुनियादी सवाल उठा रहे हैं। बेशक हम चौथी आर्थिक महाशक्ति हैं, लेकिन भारत में आज भी प्रति व्यक्ति आय 2.34 लाख रुपए सालाना क्यों है? और देश विश्व में 140वें स्थान पर क्यों है? बीते पांच साल में हमारा निर्यात क्यों नहीं बढ़ रहा है और आयात का बोझ बढ़ता जा रहा है? नतीजतन 2024-25 में व्यापार घाटा 24 लाख करोड़ रुपए है। बीते 10 सालों के दौरान विदेशी निवेश में गिरावट क्यों जारी है? ताजा आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर 2025 में विदेशी निवेश 9730 करोड़ रुपए था, जो 63 फीसदी कम हुआ है। घरेलू बड़ी कंपनियां भी अपने देश में निवेश बहुत कम कर रही हैं, जबकि विदेशों में उनका निवेश 14 अरब डॉलर से बढ़ कर 24 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। कारपोरेट का यह नकारात्मक रुख क्यों है? 'आर्थिक सर्वेक्षण' में हमारी जीडीपी की विकास दर 6.8 फीसदी से 7.2 फीसदी का अनुमान दिया गया है, लेकिन डॉलर की तुलना में हमारी मुद्रा 'रुपए' का अवमूल्यन देखें, तो यह विकास दर मात्र 1.5 फीसदी बनती है। क्या इसी आधार पर भारत 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बन सकता है? हमारे 11 बड़े राज्यों पर अभूतपूर्व कर्ज है और देश पर भी कर्ज का बोझ करीब 225 फीसदी बढ़ गया है, नतीजतन प्रत्येक भारतीय पर औसतन 4.8 लाख रुपए का कर्ज है। अर्थव्यवस्था की कौन-सी गुलाबी तस्वीर पेश की जा रही है? कुछ और तथ्य गौरतलब हैं। एक साल में देश की आईटी की 5 प्रमुख कंपनियों में मात्र 17 नौकरियां दी गई हैं। बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी की जो दरें हमारे सामने आती हैं, वे सरकारी और अद्र्धसत्य हैं। देश में करीब 1.20 करोड़ गिग वर्कर्स कार्यरत हैं। उनमें से 40 फीसदी औसतन 15,000 रुपए माहवार ही कमा पाते हैं। यानी 500 रुपए प्रतिदिन...न्यूनतम दिहाड़ी से भी कम...! बीमा क्षेत्र दुनिया में सबसे निचले स्तर पर है, क्योंकि लोग बीमे को लेकर जागरूक ही नहीं हैं और देश में बीमा बहुत महंगा है। बहरहाल वित्त मंत्री ने बजट में कुछ अहं घोषणाओं, योजनाओं, कारिडोर, पार्क संबंधी प्रस्ताव रखे हैं। उनमें विकास पर सरकारी पूंजीगत व्यय के लिए 12.2 लाख करोड़ रुपए का रिकार्ड आबंटन किया गया है। सरकार ने ग्लोबल बायो फार्मा हब और सेमीकंडक्टर मिशन के लिए क्रमशः 10,000 और 40,000 करोड़ रुपए तय किए हैं। ये मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के लिए महत्त्वपूर्ण है। हालांकि जीडीपी में इस क्षेत्र का योगदान घटकर 12-13 फीसदी तक आ गया है, लेकिन बजट में 'चैम्पियन एमएसएमई' के निर्माण की बात कही गई है। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों के बढ़ावे और विस्तार के लिए 10,000 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है। 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए 2000 करोड़ रुपए का टॉप अप भी घोषित किया गया है। बजट में दुर्लभ अर्थ खनिजों, 7 हाईस्पीड रेल के कॉरिडोर और 20 नए जलमार्गों के जरिए बुनियादी ढांचे को संबोधित किया गया है। मेगा टेक्सटाइल पार्क, राष्ट्रीय फाइबर योजना, केमिकल पार्क से लेकर हर शहर पर 5000 करोड़ रुपए खर्च करने तक की घोषणाएं की गई हैं। चिकित्सा और धार्मिक पर्यटन की भी योजनाएं हैं। हर जिले में अस्पताल और महिला छात्रावास होगा। 2026-27 के दौरान वित्तीय घाटा जीडीपी के 4.3 फीसदी तक रह सकता है। बजट में दावा किया गया है कि 10 सालों के दौरान 25 करोड़ लोग 'गरीबी से बाहर' निकाले गए हैं। फिर भी 81 करोड़ से अधिक लोगों को प्रति माह 'मुफ्त अनाज' बांटा जा रहा है। इस तरह कई विरोधाभास और सवाल बजट के वक्त उभरे हैं, जिनका जवाब प्रधानमंत्री ही दे सकते हैं। हम उम्मीद करें कि आने वाले समय में इस बजट से आम नागरिक को कितनी राहत मिलती है और मध्यम वर्ग के लिए जीवनयापन करना कितना संभव होता है। बहरहाल सरकार अपने वादे पर कितनी खरी उतरती है, यह देखना होगा।

देश की महिला वित्त मंत्री और यह निरंतरता...वाकई एक कीर्तिमान है। 2026-27 के बजट में क्या प्रावधान किए गए हैं, किसके हिस्से, कितनी राशि आवंटित की गई है, विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के क्या अंतर्विरोध और खामियां हैं, करीब 378 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था में आम आदमी कितना सम्पन्न है, उसकी जेब में कितना पैसा है, इनमें से कुछ विसंगतियों का विश्लेषण आज कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल का तीसरा बजट देश के सामने है, लेकिन हम पहले कुछ बुनियादी सवाल उठा रहे हैं। बेशक हम चौथी आर्थिक महाशक्ति हैं, लेकिन भारत में आज भी प्रति व्यक्ति आय 2.34 लाख रुपए सालाना क्यों है? और देश विश्व में 140वें स्थान पर क्यों है? बीते पांच साल में हमारा निर्यात क्यों नहीं बढ़ रहा है और आयात का बोझ बढ़ता जा रहा है? नतीजतन 2024-25 में व्यापार घाटा 24 लाख करोड़ रुपए है। बीते 10 सालों के दौरान विदेशी निवेश में गिरावट क्यों जारी है? ताजा आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर 2025 में विदेशी निवेश 9730 करोड़ रुपए था, जो 63 फीसदी कम हुआ है। घरेलू बड़ी कंपनियां भी अपने देश में निवेश बहुत कम कर रही हैं, जबकि विदेशों में उनका निवेश 14 अरब डॉलर से बढ़ कर 24 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। कारपोरेट का यह नकारात्मक रुख क्यों है? 'आर्थिक सर्वेक्षण' में हमारी जीडीपी की विकास दर 6.8 फीसदी से 7.2 फीसदी का अनुमान दिया गया है, लेकिन डॉलर की तुलना में हमारी मुद्रा 'रुपए' का अवमूल्यन देखें, तो यह विकास दर मात्र 1.5 फीसदी बनती है।

कुछ अलग

चाय बेचता ज्योतिषी

तलब इनसान को कहीं भी पहुंचा सकती है। हम कई बार तलब के कारण ही चूल्हे तक पहुंच जाते हैं या रेहड़ी-फड़ी से भी उठा लेते हैं। पहली बार सुनकर हैरान हुआ, 'सनातनी चाय-गर्मागर्म ले लो।' सोचा 'कैसी हो सकती है आम के मुकाबले में सनातनी चाय।' वहां एक ज्योतिषी की दुकान थी, लेकिन वह चाय बेच रहा था। वाकई वह बना रहा था। वह उबाल रहा था और रंग से महक तक अपने गुणगान कर रहा था। हमने पूछा, 'चाय को पेशा मानते हो या चाय के पेशे में खुद को मानते हो।' वह हमारे सवालों से कहीं आगे निकल चुका था। वह ग्राहक बटोरते हुए इतना बतिया रहा था कि महसूस होने लगा, 'वह चाय वाला है ही नहीं, बल्कि चाय का प्रचार करने वाला है। वह तो सिर्फ चाय के प्रचार को मैनेज कर रहा है।' वहां केवल सोचने वाले ही हैरान थे कि उसकी चाय ज्योतिष बेच रही है या ज्योतिष के कारण चाय बिक रही है। वह चाय को अपनी बहस से सनातनी बना देता और ज्योतिष से सारे हल बता देता।

बजट आम आदमी के लिए राहत और विकसित भारत के लिए साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक बजट है

विकसित भारत के लिए सुधारों का बजट

डा. जयंती लाल भंडारी

बजट के तहत इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन एक अप्रैल 2026 से नया आयकर अधिनियम लागू किया जाना सुनिश्चित करके आयकर संबंधी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और आयकर भरना आसान किया गया है। बजट के नए प्रावधानों से बुनियादी ढांचा, छोटे शहर, एमएसएमई, शिक्षा, पर्यटन और सर्विस सेक्टर जैसे क्षेत्रों में नई पीढ़ी के लिए रोजगार के व्यापक मौके बढ़ेंगे। खास बात यह भी है कि आगामी वर्ष के बजट के तहत वित्त मंत्री राहत और विकास के बीच सूझबूझ पूर्ण संतुलन बनाते हुए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 फीसदी के स्तर पर सीमित रखने और सात फीसदी से अधिक विकास दर पाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ते हुए दिखाई दी हैं।

यकीनन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत वित्त वर्ष 2026-27 के बजट की तस्वीर में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि यह बजट आम आदमी के लिए राहत और विकसित भारत के लिए साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक बजट है। इस बजट में वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा प्रस्तुत सुधारों की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए तीन कत्र्तव्यों पर बजट को आधारित किया है। इनमें उत्पादकता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढना, लोगों की आशंकाओं को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण और सबका साथ, सबके विकास के मद्देनजर ढांचागत सुधार के साथ प्रगति करना शामिल है। इस बजट में रिकार्ड पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपए सुनिश्चित किए गए हैं। यद्यपि बजट के तहत इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन एक अप्रैल 2026 से नया आयकर अधिनियम लागू किया जाना सुनिश्चित करके आयकर संबंधी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और आयकर भरना आसान किया गया है। बजट के नए प्रावधानों से बुनियादी ढांचा, छोटे शहर, एमएसएमई, शिक्षा, पर्यटन और सर्विस सेक्टर जैसे क्षेत्रों में नई पीढ़ी के लिए रोजगार के व्यापक मौके बढ़ेंगे। खास बात यह भी है कि आगामी वर्ष के बजट के तहत वित्त मंत्री राहत और विकास के बीच सूझबूझ पूर्ण संतुलन बनाते हुए राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 फीसदी के स्तर पर सीमित रखने और सात फीसदी से अधिक विकास दर पाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ते हुए दिखाई दी हैं। गौरतलब है कि नए बजट के तहत वित्त मंत्री ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चिता, भू राजनीतिक तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में धीमेपन के बीच अगली पीढ़ी के सुधार, नीतिगत स्थिरता व दीर्घकालीन विकास की रणनीति के साथ घरेलू मांग की मजबूती पर्यावरण नवाचार, उद्यमिता बुनियादी ढांचा, कृषि विकास, गरीब, युवा, महिला और किसान वर्ग के लिए राहत के प्रभावी प्रावधानों के साथ मैन्युफैक्चरिंग, सेवा क्षेत्र रक्षा, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग (एमएसएमई) स्वदेशी प्रोत्साहन और हरित ऊर्जा पर बड़े ऐलान किए हैं। इनके साथ-साथ भारत को वैश्विक बायो फॉर्मा केंद्र बनाने, शहरी आर्थिक क्षेत्रों के निर्माण, नए राष्ट्रीय जल मार्ग, सात हाई स्पीड कोरिडोर, व्यापार सुंगमता, कंटेनर निर्माण, बुजुर्गों के लिए मजबूत इकोसिस्टम, टीयर-2 और टीयर-3 शहरों के विकास के लिए प्रभावी प्रावधान किए गए हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि वित्त मंत्री सीतारमण के समक्ष वर्ष 2026-27 का बजट तैयार करते समय चुनौतियों की श्रृंखला सामने रही है। इन चुनौतियों में रुपए में लगातार गिरावट, अमरीका का ऊंचा टैरिफ, मैन्युफैक्चरिंग व कृषि की धीमी रफ्तार शामिल हैं। इन चुनौतियों के बीच वित्त मंत्री सीतारमण की मु_ियों में विभिन्न वर्गों को राहत देने और विकास की विभिन्न योजनाओं के लिए प्रभावी आबंटन हेतु कर संग्रहण संबंधी मजबूत परिदृश्य मौजूद

रहा। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के तहत 7.4 फीसदी विकास दर प्राप्ति की संभावनाएं और चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से दिसंबर 2025 तक आयकर सहित प्रत्यक्ष कर संग्रहण और वस्तु और सेवाकर के 17-17 लाख करोड़ रुपए से अधिक की प्राप्ति के साथ वित्त वर्ष में लक्ष्य से अधिक कर संग्रहण वित्त मंत्री की आर्थिक शक्ति रहा है। निसंदेह वित्त मंत्री बजट के तहत गरीब, युवा, महिलाएं, किसानों के कल्याण के नए उपायों के साथ विकास योजनाओं पर भी अपने आबंटन को बढ़ाते हुए दिखाई दी हैं। बजट में वित्त मंत्री रोजगार, कृषि उत्पादकता बढ़ाने, ग्रामीण विकास, सिंचाई तथा वेयरहाउसिंग संबंधी प्रोत्साहन, रियल एस्टेट सेक्टर और आवास सेक्टर को प्रोत्साहन, डिजिटल क्रांति को आगे बढ़ाने तथा स्वच्छ ऊर्जा के लिए अधिक आबंटन करते हुए दिखाई दी हैं। यह बात महत्त्वपूर्ण है कि इस बजट में सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश, रेलवे, शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार और क्षमता संवर्धन के साथ दीर्घावधि वृद्धि, वैश्विक क्षमता निर्माण और एकीकरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में मिशन मोड के सुधार उभरकर दिखाई दे रहे हैं। साथ ही बजट के माध्यम से वित्त मंत्री सीतारमण ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, उद्योग जगत की लाजिस्टिक्स लागत घटाने, रोजगार सृजित करने वाले मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर फोकस करने संबंधी रणनीतियां भी प्रस्तुत करते हुए दिखाई दी हैं। निश्चित रूप से वित्तमंत्री इस बजट के माध्यम से युवाओं के रोजगार बढ़ाने, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोजगार बाजार की उभरती जरूरतों के अनुरूप ढालने, प्रधानमंत्री कौशल मुद्रा योजना, ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ाने के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण, निजी निवेश को प्रोत्साहित करने, वित्तीय समावेशन को बेहतर करने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने संबंधी प्रभावी प्रावधानों के साथ आगे बढ़ी हैं। वित्त मंत्री सीतारमण बजट में खाद्य महंगाई पर काबू पाने के लिए भी आपूर्ति संबंधी नए कदमों के साथ आगे बढ़ी हैं। बजट में वित्त मंत्री ने रोजगारोन्मुखी निर्यात क्षेत्रों से निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य रख कर नए रोजगार अवसरों को निर्मित करने की रणनीति भी अपनाई है। विकसित भारत के लक्ष्य के मद्देनजर डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए प्रोत्साहन के प्रावधान भी बजट में दिखाई दे रहे हैं। नए बजट में हर क्षेत्र में आर्टिफिशल इटेंलिजेंस को अहमियत हेतु प्रावधान किए गए है, ताकि भारत एआई का वैश्विक हब बन सके। चूंकि इस समय चीन, पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश से भी देश की बाहरी सुरक्षा के खतरे बढ़े हैं, ऐसे में सुरक्षा क्षमता बढ़ाने के लिए बजट में अधिक धन का आबंटन किया गया है। वित्त मंत्री ने इस बजट में भारत को दुनिया के बाजार और अधिक प्रभावी रूप से जुडने और भारत को निर्यात का नया हब बनाने के लिए नई रणनीति प्रस्तुत की है। भारत को यूरोपीय संघ समेत विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के बाद दुनिया के बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बूस्ट करने के प्रोत्साहनमूलक प्रावधानों के साथ आगे बढ़ी हैं। इतना ही नहीं अमरीका के द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से प्रभावित निर्यात क्षेत्रों को भी राहत देने के मद्देनजर वित्त मंत्री नए निर्यात प्रोत्साहनों की डगर पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दी हैं। निश्चित रूप से वित्त मंत्री ने इस बजट में सीमा शुल्क के लिए जहां राहत दी है, वहीं सीमा शुल्क में सुधार भी किए है। यह बजट इसलिए भी खास रहा है, क्योंकि यह बजट पुराने टैक्स युग से नए टैक्स युग की दहलीज पर खड़ा बजट है। सरकार ने 1 अप्रैल 2026 से करीब 60 साल पुराने टैक्स कानून की जगह नया इनकम टैक्स कानून लागू किया है। इससे देश के करोड़ों आयकरदाता लाभान्वित होंगे। साथ ही नई श्रम संहिताएं भी आगामी वित्तीय वर्ष में लागू होने से श्रम उत्पादकता बढ़ेगी और औद्योगिक विकास का नया अध्याय दिखाई देगा। निश्चित रूप से वित्त मंत्री सीतारमण के द्वारा एक फरवरी को प्रस्तुत आगामी वित्त वर्ष 2026-27 का प्रस्तुत बजट कोई साधारण वार्षिक बजट नहीं है, बल्कि यह बजट देश के आर्थिक परिदृश्य को ऐतिहासिक मोड़ देने वाला बजट है। उम्मीद करें कि इस बजट से जहां देश में साहसिक सुधारों का नया युग शुरू होगा, वहीं आम आदमी के लिए अधिक राहत और देश के लिए तेज विकास का नया परिदृश्य निर्मित होगा। उम्मीद करें कि एक ओर वित्त मंत्री वर्ष 2026-27 के बजट के बजट के लक्ष्य के तहत राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.3 फीसदी तक रखने में कामयाब होगी। उम्मीद करें कि इस अभूतपूर्व बजट से देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ेगी और यह बजट देश को वर्ष 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने वाला और 2047 तक विकसित भारत बनाने की नींव रखने वाला बजट सिद्ध होगा।

देश दुनिया से

रिश्ते, शर्तें और डर से घिरी एक पीढ़ी

आज के समय में यदि कोई सबसे जोखिम भरा सामाजिक कार्य है, तो वह है—किसी को रिश्ते की बात कहना। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं, बल्कि हमारे बदलते सामाजिक मानस की सच्चाई है। जिस विषय को कभी परिवार, भरोसे और सामूहिक निर्णय का आधार माना जाता था, वह आज शर्तों, अपेक्षाओं और भय की प्रयोगशाला बन चुका है। परिणाम यह है कि अच्छे-खासे घरों में पढ़े-लिखे, सक्षम युवा कुंवारे बैठे-बैठे अधेड़ हो रहे हैं, लेकिन समझौते को कमजोरी मानकर ठुकराया जा रहा है। आज रिश्ते भावनात्मक समझ से अधिक तकनीकी परियोजना की तरह देखे जा रहे हैं। हर प्रस्ताव एक लंबी "चेकलिस्ट" के साथ आता है—हाइट कितनी है, रंग कैसा है, पैकेज कितना है, घर कितना बड़ा है, ज़मीन कितनी है, माता-पिता कितने हस्तक्षेप करते हैं, भविष्य में कौन कितना "एडजस्ट" करेगा। इस गणित में मनुष्य ग़ायब है, आंकड़े उपस्थित हैं। यही वजह है कि रिश्ता तय करने में महीनों लगते हैं, पर टूटने में कुछ हफ्ते भी पर्याप्त हो जाते हैं। यह पीढ़ी सुविधाओं की भाषा में रिश्ते तलाश रही है। लड़कियों को ऐसा घर चाहिए जहाँ घरेलू श्रम की कोई अपेक्षा न हो, जहाँ जिम्मेदारी का बोझ "पुरानी सोच" मान लिया जाए। वहीं लड़कों को ऐसी बहू चाहिए जो आधुनिक भी हो और परंपरागत अपेक्षाओं का निर्वाह भी बिना सवाल किए करे। दोनों पक्ष चाहते हैं कि सामने वाला "समझौता" करे, पर स्वयं झुकने को कोई तैयार नहीं। रिश्ते साझेदारी नहीं, सेवाओं की सूची बनते जा रहे हैं। हनीमून पेरिस में मनाने का सपना है, लेकिन अपने ही देश और अपने परिवेश की जिम्मेदारियों से बचने में पसीना छूट जाता है। यह विरोधाभास केवल भौगोलिक नहीं, मानसिक है। वैश्विक आकांक्षाएँ हैं, पर स्थानीय दायित्वों से परहेज़। आधुनिकता का अर्थ सुविधाओं का उपभोग समझ लिया गया है, दायित्वों को स्वीकार करना नहीं। खेती किसी को करनी नहीं, पर ज़मीन—क़िल्ले—ज़रूर होने चाहिए। मेहनत का सम्मान घटा है, संपत्ति का आकर्षण बढ़ा है। जिस समाज की जड़ें श्रम में थीं, वहाँ अब श्रम से दूरी और संपत्ति से निकटता प्रतिष्ठा का मानक बन गई है। रिश्ता तय करते समय परिश्रम, धैर्य, संघर्ष और जीवन-कौशल की जगह संपत्ति, पद और प्रोफ़ाइल ने ले ली है। इंसान का मूल्यांकन उसके चरित्र से नहीं, उसके संसाधनों से किया जा रहा है।

आज एक-एक इंच हाइट नापी जाती है; रंग, जाति, सैलरी, कार और सोशल मीडिया की मौजूदगी तक गिनी जाती है। विवाह-पूर्व जाँच एजेंसियों की तरह रिश्तों की पड़ताल होती है। लेकिन तमाम जाँच-पड़ताल के बावजूद छह महीने बाद वही लोग कोर्ट के बाहर खड़े मिल जाते हैं। सवाल यह नहीं कि तलाक क्यों बढ़ रहे हैं; सवाल यह है कि इतनी सावधानी के बाद भी रिश्ते टिक क्यों नहीं रहे? क्योंकि हमने मानवीय गुणों को मापना छोड़ दिया है—संवाद, सहनशीलता, धैर्य, असहमति में सम्मान और संकट में साथ निभाने की क्षमता। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे त्रासद स्थिति माँ-बाप की है। वे बच्चों से डरते हैं—कि कहीं कुछ कह न दें, कहीं दबाव न डाल दें, कहीं "इमोशनल ब्लैकमेल" का आरोप न लग जाए। दूसरी ओर बच्चे शादी से डरते हैं—जिम्मेदारी, स्थायित्व और समझौते से। रिश्ता दोनों के बीच पिस रहा है। यह डर का ऐसा चक्र है जिसमें कोई नेतृत्व नहीं चाहता, सब दर्शक बने रहना चाहते हैं। माता-पिता आज निर्णयकर्ता नहीं, केवल वित्तीय और भावनात्मक सहायक बनकर रह गए हैं। वे न रिश्ता सुझा सकते हैं, न आपत्ति जता सकते हैं। वहीं युवा पीढ़ी स्वतंत्रता चाहती है, लेकिन निर्णयों की जवाबदेही से बचना चाहती है। यह असंतुलन रिश्तों को खोखला कर रहा है। स्वतंत्रता का अर्थ जिम्मेदारी से मुक्ति नहीं, बल्कि जिम्मेदारी उठाने की क्षमता होना चाहिए—यह बुनियादी समझ कहीं खो गई है। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि हमारे माँ-बाप का समय अलग था। यह सच है कि तब दुनिया सरल थी, विकल्प कम थे। लेकिन उससे भी बड़ा सच यह है कि तब भरोसा था। उन्होंने न काला देखा, न गोरा; न लंबी सूची बनाई, न परफेक्ट प्रोफ़ाइल ढूँढी। बुजुर्गों पर भरोसा किया, परिवार की सामूहिक बुद्धि पर विश्वास रखा और उसी भरोसे के सहारे जीवन जिया। यह नहीं कि तब समस्याएँ नहीं थीं, पर समस्याओं से भागने की प्रवृत्ति नहीं थी। आज समस्याएँ कम नहीं हुईं, बल्कि समाधान से भागने की आदत बढ़ी है। छोटी-छोटी असहमति को "टॉक्सिक" करार देकर रिश्ता तोड़ देना साहस नहीं, पलायन है। विवाह को आज़ादी का अंत समझा जाने लगा है, जबकि सच यह है कि सही साझेदारी ही व्यक्ति को मानसिक और भावनात्मक स्वतंत्रता देती है। अकेले रहने का विकल्प सबके लिए संभव नहीं, और सबके लिए समाधान भी नहीं। सोशल मीडिया और मैट्रिमोनियल ऐप्स ने अपेक्षाओं को बाज़ार बना दिया है। हर प्रोफ़ाइल तुलना का विषय है, हर विकल्प अस्थायी। "बेहतर" की खोज अंतहीन है, इसलिए "पर्याप्त" कभी मिलता ही नहीं। यह उपभोक्तावादी दृष्टि रिश्तों को भी उपभोग की वस्तु में बदल रही है—पसंद न आए तो बदल दो। लेकिन विवाह मोबाइल फ़ोन नहीं, जिसे हर साल अपग्रेड किया जाए; यह एक दीर्घकालिक सामाजिक अनुबंध है, जिसे निभाने की मानसिकता चाहिए। आज शादी से ज़्यादा डर "फँस जाने" का है। यह डर बताता है कि हमने रिश्ते को सुरक्षा नहीं, बंधन के रूप में देखना शुरू कर दिया है। जबकि सच यह है कि रिश्ता बंधन नहीं, साझी ज़िम्मेदारी है—जहाँ दोनों को देना भी होता है और लेना भी। जहाँ बराबरी का अर्थ समानता नहीं, बल्कि न्याय और सम्मान होता है।

समाधान क्या है?

पहला—अपेक्षाओं की ईमानदार समीक्षा। क्या हम जो चाहते हैं, वह हम स्वयं देने में सक्षम हैं?

दूसरा—संवाद की बहाली। संवाद केवल बोलना नहीं, सुनना भी है। शादी से पहले ही नहीं, बाद में भी संवाद रिश्ते की रीढ़ है।

तीसरा—परिवार की भूमिका का पुनर्मूल्यांकन। माता-पिता को "दखल" के खांचे से बाहर निकालकर "मार्गदर्शक" के रूप में स्वीकार करना होगा।

चौथा—स्थानीय जीवन के सम्मान की वापसी। पेरिस का सपना बुरा नहीं, लेकिन अपने शहर, अपने काम और अपनी मिट्टी से शर्मिंदा होना आत्मघाती है।

यह पीढ़ी प्रतिभाशाली है, शिक्षित है, संभावनाओं से भरी है। इसमें दुनिया बदलने की क्षमता है। पर यदि रिश्तों में साहस नहीं होगा—समझौता करने का साहस, टिके रहने का साहस, साथ सीखने का साहस—तो भविष्य अनिश्चित रहेगा। शादी कोई परीक्षा नहीं, जिसमें शत-प्रतिशत अंक चाहिए हों; यह एक यात्रा है, जिसमें गिरते-पड़ते, सीखते हुए आगे बढ़ना होता है।

आज सवाल सिर्फ़ बुज़ुर्ग नहीं पूछ रहे—वक्त भी पूछ रहा है:

क्या हम रिश्तों को शर्तों से आज़ाद कर पाएँगे?

क्या हम डर से बाहर निकलकर भरोसे की ओर लौटेंगे?

यदि उत्तर "हाँ" है, तो यह पीढ़ी भी बेहतर ज़िंदगी जी सकेगी।

आप का नज़रिया

बजट के टापू पर हिमाचल

केंद्रीय बजट के पैमाने कुछ इस कद्र प्रचार की सामग्री बन गए कि अब भाजपा ने पूरे देश को समझाने की जिद्द पकड़ ली। एक ओर केंद्रीय वित्त मंत्री सीता रमण के बजटीय खाके ठेठ वित्त प्रबंधन की आजमाइश में योजनाओं और परियोजनाओं के बड़े आकार की कसम खाते हैं, तो दूसरी ओर आम नागरिक की अपेक्षाओं का सागर अपनी हिफाजत की किश्तियां देख रहा है। देश अधोसंरचना निर्माण की कसौटियों को नए संदर्भों में देख रहा है, तो पर्वतीय प्रदेश के झंझावात जिस मरुस्थल पर बह रहे हैं, वहां बजट की तश्तरी में प्रथम दृष्टि अस्पष्टता नजर आती है। अलबत्ता पर्वतीय टिकाऊ मार्गों की व्याख्या अगर सत्य से निरुपित हो जाए, तो हिमाचल में कई पर्यटन मार्ग निकल आएंगे। पर्वतीय राज्यों को देखने की एक कोशिश जरूर दिखाई देती है, लेकिन यहां अभी डबल इंजन व कांग्रेसी राज्यों के बीस सियासी तरफदारियों का आबंटन देखना होगा। यह दीगर है कि बागबानी के नाम पर बजट ने अखरोट और बादाम बांटे हैं। ऐसे में हिमाचल कितने उगा पाएगा, यह देखना होगा। फिलहाल बागबानी विश्वविद्यालय के ही कई पद खाली हैं, तो ज्ञान की हकीकत अखरोट तोडऩे जैसी ही है। हिमाचल के लिए बजट की सारी सुर्खियां पढ़ पाना मुश्किल है, फिर भी स्थानीय भाजपा नेताओं ने बड़े ही आत्मविश्वास से कहा है कि अब 'सब चंगा होगा।' आशाएं सियासी हैं, तो क्यों न इसे प्रचार का बजट कहें। बहरहाल कुछ टापू दिखाए जा रहे हैं, तो क्या मान लें कि भाजपा की शक्ति हिमाचल के पपरोला स्थित आयुर्वेद अस्पताल को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का दर्जा दिला पाएगी या हम आशा करें कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटेलिटी हमारे प्रदेश के टूरिज्म को शक्ति देगा। यह दीगर है कि कुछ उम्मीदें व आश्वासन हम बटोर सकते हैं। उदाहरण के लिए दवा उद्योग में क्रांतिकारी प्रोत्साहन के इरादों के बीच हिमाचल की हस्ती को अगर कुछ मिलता है, तो ड्रग बल्क पार्क के नक्शे से हमारी आर्थिक बुनियाद का पता चल जाएगा। एक बड़ी आशा माउंटेन ट्रेल्स से निकल रही है। पर्यावरणीय दृष्टि से पर्वतीय राज्यों की सडक़ें, ट्रैक, जंगल मार्ग तथा बस्तियों तक पहुंचने के विकल्प अगर तराशे जाते हैं, तो विकास का एक सुरक्षित रास्ता सामने आएगा। इसी के साथ कुछ वर्ष पहले आई ऐसी ही महत्त्वाकांक्षी योजना पर्वतमाला परियोजना के छोर अभी नहीं मिले हैं। परवाणू-शिमला की चालीस किलोमीटर तथा शिमला की 13.79 किलोमीटर शहरी रोप वे परियोजनाओं समेत अन्य ऐसे प्रोजेक्टों पर ही धुंध छाई है, तो नए संकल्पों के पांव कैसे चलेंगे। देश में हाई स्पीड ट्रेन कोरिडोर बन रहे हैं, तो अंब-अंदौरा से आगे हिमाचल के हिस्से कितनी पटरी आएगी। जिस कांगड़ा घाटी रेल को सांसद राजीव भारद्वाज ब्रॉडगेज की आंखों से देख रहे थे, उसे बजट नहीं देख पाया। बेशक हर जिला को मिलने वाले गल्र्स हॉस्टल में, हिमाचल के इस वर्ग को कुछ मिल जाए, लेकिन 2047 के सफर से अलग पहाड़ अपनी आत्मनिर्भरता के प्रश्न पर नदियों से बहते पानी, पिघलती बर्फ और जंगलों से गायब होते वन्य प्राणियों को चुपचाप देख रहा है। यह दीगर है कि मनरेगा की दिहाड़ी जब 'जी राम जी' के नाम पर होगी, तो बढ़े हुए बजट आबंटन में हम कुछ दिहाडियां बढ़ते हुए देख सकते हैं। खेलो इंडिया के तहत बढ़ते बजट से क्या हिमाचल का हाई आल्टीट्यूट स्पोट्र्स सेंटर का ख्वाब पूरा हो जाएगा या हिमाचली युवा सांसद अनुराग ठाकुर के आह्वान पर 'युवा चेंजमेकर्स' का सुरमा डाल कर, राजनीतिक बजट में यही देखता रहेगा कि कौन 'डाल-डाल और कौन पात-पात रहेगा।'

देश अधोसंरचना निर्माण की कसौटियों को नए संदर्भों में देख रहा है, तो पर्वतीय प्रदेश के झंझावात जिस मरुस्थल पर बह रहे हैं, वहां बजट की तश्तरी में प्रथम दृष्टि अस्पष्टता नजर आती है। अलबत्ता पर्वतीय टिकाऊ मार्गों की व्याख्या अगर सत्य से निरुपित हो जाए, तो हिमाचल में कई पर्यटन मार्ग निकल आएंगे। पर्वतीय राज्यों को देखने की एक कोशिश जरूर दिखाई देती है, लेकिन यहां अभी डबल इंजन व कांग्रेसी राज्यों के बीस सियासी तरफदारियों का आबंटन देखना होगा। यह दीगर है कि बागबानी के नाम पर बजट ने अखरोट और बादाम बांटे हैं। ऐसे में हिमाचल कितने उगा पाएगा, यह देखना होगा। फिलहाल बागबानी विश्वविद्यालय के ही कई पद खाली हैं, तो ज्ञान की हकीकत अखरोट तोडऩे जैसी ही है। हिमाचल के लिए बजट की सारी सुर्खियां पढ़ पाना मुश्किल है, फिर भी स्थानीय भाजपा नेताओं ने बड़े ही आत्मविश्वास से कहा है कि अब 'सब चंगा होगा।' आशाएं सियासी हैं, तो क्यों न इसे प्रचार का बजट कहें। बहरहाल कुछ टापू दिखाए जा रहे हैं, तो क्या मान लें कि भाजपा की शक्ति हिमाचल के पपरोला स्थित आयुर्वेद अस्पताल को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का दर्जा दिला पाएगी या हम आशा करें कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटेलिटी हमारे प्रदेश के टूरिज्म को शक्ति देगा। यह दीगर है कि कुछ उम्मीदें व आश्वासन हम बटोर सकते हैं। उदाहरण के लिए दवा उद्योग में क्रांतिकारी प्रोत्साहन के इरादों के बीच हिमाचल की हस्ती को अगर कुछ मिलता है, तो ड्रग बल्क पार्क के नक्शे से हमारी आर्थिक बुनियाद का पता चल जाएगा। एक बड़ी आशा माउंटेन ट्रेल्स से निकल रही है।

दृष्टि कोण

जिस समाज में बच्चे भी दरिंदे बनें, वह समाज कटघरे में है

रात की खामोशी में दबा दी गई एक नन्ही बच्ची की चीख अब पूरे देश की अंतरात्मा को हिला रही है। 18 जनवरी 2026 की वह रात केवल दिल्ली के भजनपुरा (उत्तर-पूर्वी दिल्ली) इलाके की त्रासदी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक पराजय का प्रतीक बन चुकी है। 6 वर्ष की एक मासूम बच्ची को 3 नाबालिग लड़कों, जिनकी उम्र 10, 13 और 14-15 वर्ष थी, ने बहला-फुसलाकर एक सुनसान इमारत में ले जाकर अमानवीय हिंसा का शिकार बनाया। खाने-पीने या छोटे लालच में फंसाई गई बच्ची जब घर लौटी, तो उसका शरीर जख्मों से भरा था, उसकी आवाज थम चुकी थी और उसके कदम साथ छोड़ चुके थे। यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता का भयावह प्रमाण है। यह घटना उस झूठे विश्वास को तोड़ देती है कि अपराध केवल वयस्कों द्वारा ही किए जाते हैं। सच्चाई यह है कि अपराध उम्र से नहीं, वातावरण और सोच से जन्म लेता है। प्रश्न केवल यह नहीं कि अपराध किसने किया, बल्कि यह है कि ऐसी मानसिकता को पनपने का अवसर किसने दिया। जब इतनी कम उम्र में करुणा, सहानुभूति और भय समाप्त हो जाए, तो यह पूरे सामाजिक ढांचे पर गंभीर आरोप है। यदि आज इस सच्चाई को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाला कल हर घर के लिए असुरक्षा का संदेश होगा। इस अमानवीय घटना के बाद अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की प्रतिक्रिया एक साधारण सामाजिक पोस्ट तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह पूरे समाज के लिए चेतावनी बनकर सामने आई। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा, "वेक अप इंडिया! यह बच्ची हमारी सड़कों पर सुरक्षित नहीं है।₹ उन्होंने अपराधियों को 'मॉन्स्टर्स' कहते हुए उस सोच पर प्रहार किया, जो अपराध के बाद बच निकलने का भ्रम पालती है। उनकी आवाज अकेली नहीं थी। पीड़िता के परिजन सड़कों पर उतरे, न्याय की मांग के साथ प्रदर्शन हुए और प्रशासन से जवाबदेही मांगी गई। मां ने बताया कि बच्ची घर पर है, लेकिन गहरे मानसिक आघात से जूझ रही है। यह आक्रोश तभी अर्थ पाएगा, जब समाज इसे क्षणिक संवेदना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक जिम्मेदारी में बदले। नाबालिग अपराधी—यह शब्द अब केवल कानूनी शब्दावली नहीं रहा, बल्कि सामाजिक भय का पर्याय बन चुका है। 10 वर्ष की उम्र, जिसमें खेल, कल्पनाएं और सपने होने चाहिए, वहां हिंसा की विकृत छाया दिखाई दी। पुलिस जांच में सामने आया कि बच्ची को लालच देकर ले जाया गया और क्रूरता की सारी सीमाएं पार की गईं। इसके पीछे एक कड़वी सच्चाई छिपी है—अनियंत्रित डिजिटल प्रभाव। अश्लील सामग्री तक सहज पहुंच, माता-पिता की निगरानी का अभाव और विद्यालयों में यौन शिक्षा की कमी बच्चों की सोच को विकृत कर रही है। ये बच्चे भी सामाजिक उपेक्षा और गलत दिशा के शिकार हैं। प्रश्न यह है कि क्या समाज केवल सजा देकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाएगा। कानून की भूमिका पर अब मौन घातक है। पॉस्को कानून और भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया, लेकिन जुवेनाइल कानून की सीमाएं बार-बार सामने आती हैं। 16 वर्ष से कम उम्र के अपराधियों पर वयस्कों जैसा मुकदमा नहीं चलता, चाहे अपराध कितना भी जघन्य क्यों न हो। पीड़िता का परिवार कठोरतम दंड की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, एक दृष्टिकोण यह भी है कि दंड के साथ पुनर्वास और मनोवैज्ञानिक उपचार आवश्यक है। न्याय केवल प्रतिशोध नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा भी है। यदि कानून अपराध को रोकने में असमर्थ है, तो उसमें परिवर्तन अपरिहार्य है। इस क्रूर घटना की जड़ें केवल कानून की खामियों में नहीं, बल्कि समाज की बनावट में गहराई तक फैली हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगें

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। ख़राब दौर हमें बहुत–कुछ देता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में सूखे–सर्दीले दौर के बाद आपको धूप नसीब हो सकती है। सोशल मीडिया पर ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त गुज़ारना न केवल समय की बर्बादी है, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी अच्छा नहीं है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। यात्राओं से तुरंत लाभ तो नहीं होगा, लेकिन इसके चलते अच्छे भविष्य की नींव रखी जाएगी। रात को आज आप अपने किसी करीबी के साथ घूमने जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दु:ख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। यह बात आज आपके जुबान पर आ सकती है क्योंकि आप के घर में आज स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। अपने बच्चों को आज समय का सद–प्रयोग करने की सलाह दे सकते हैं। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। संभव है कि आज आप लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है। इसलिए वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें। सोच–समझकर फ़ैसला करें कि आप किसके साथ बाहर जाने वाले हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। छोटे बच्चे आपको व्यस्त रखेंगे और दिली सुकून देंगे। अपने प्रिय के साथ आज अच्छी तरह बर्ताव करें। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 03 फरवरी 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 12:33 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 10:11 तक
योग : शोभन रात्रि 02:38 तक
करण : तैतिल दोपहर 01:14 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 06:12 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45, सूर्यास्त 06:12 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:39 , सूर्यास्त 06:13 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 06:04 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 10:11 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

वीबी जी राम जी से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाएं होंगी मजबूत : भजनलाल

जयपुर, 02 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरपंच गांवों की लोकतांत्रिक शक्ति के प्रतीक हैं। वे विकास की धुरी हैं, जिनके समर्पण भाव से किए गए कार्यों से ग्रामीण परिवारों के जीवन में खुशहाली आती है। उन्होंने कहा कि सरकारें नीतियां और योजनाएं बनाती हैं लेकिन उन्हें ग्राम स्तर तक क्रियान्वित करने का सशक्त माध्यम सरपंच ही होते हैं।

शर्मा सोमवार को कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा में सरपंच संघ द्वारा आयोजित निवर्तमान सरपंच (प्रशासक) प्रदेश अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र को ग्रामीण परिवेश में सरपंच धरातल पर उतारते हैं। सरपंच के दायित्व में जन अपेक्षाओं की पूर्ति और समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण कार्य होता है, जिसे वे पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण भाव से करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा लाया गया वीबी जी राम जी कानून ग्रामीण विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इसके माध्यम से मनरेगा की अनियमितताओं को दूर किया गया है। इसके अंतर्गत स्थाई परिसंपत्तियों का निर्माण हो सकेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचनाओं को मजबूती मिलेगी। कानून में रोजगार की गारंटी को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने केन्द्रीय बजट में वीबी जी राम जी योजना में 95 हजार 692 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश की 8 करोड़ जनता के कल्याण और सभी विधानसभा क्षेत्रों के विकास का रोडमैप बनाया है। पानी जैसी बुनियादी सुविधा को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, देवास परियोजना, यमुना जल समझौता, आईजीएनपी, गंगनहर, माही सहित परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आज 22 जिलों में दिन में बिजली दी जा रही है, जो 2027 तक पूरे जिलों में कर दी जाएगी। इसके साथ ही सोलर, बैट्री एवं पंप स्टोरेज परियोजनाओं में प्रदेश में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर भी चुके हैं। राजस्थान निवेश के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को सरकारी सेवा में निरंतर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रही है। अब तक 1 लाख से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। 1 लाख 44 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, 1 लाख पदों की भर्ती परीक्षाओं का कैलेण्डर जारी किया है। गत दो साल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ तथा सभी परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हुई हैं। राजस्थान पेप–रलीक से मुक्त हो गया है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नवीन युवा नीति के आकर्षक प्रावधानों का लाभ उठाएं और रोजगार प्रदाता बनें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंचायतीराज को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठा रही हैं। इसी क्रम में 8 नई जिला परिषदों का गठन किया गया है। इसी प्रकार 94 नई पंचायत समितियां एवं 3 हजार 467 नई ग्राम पंचायतें भी बनाई गई हैं। वहीं, पंचायत के जनप्रतिनिधियों के मानदेय में वर्ष 2024–25 में 10 प्रतिशत और वर्ष 2025–26 में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि 475 ग्राम पंचायत भवनों एवं 117 अंबेडकर भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 2 वर्षों के कार्यकाल में पूर्ववर्ती सरकार के 5 वर्षों से ज्यादा काम किया है। फार्म पौंड, डिग्गी निर्माण, तारबंदी, स्वामित्व कार्ड वितरण, पशु चिकित्सालयों का क्रमोन्नयन, पाइपलाइन और गौशाला अनुदान, अल्पकालीन फसल ऋण वितरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में 2 साल में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में विकास तभी संभव होता है जब सरकार और जनप्रतिनिधि एक साथ कार्य करें।

बजट 2026 युवा भारत के भविष्य का ब्लूप्रिंट विकसित भारत की मजबूत नींव : राठौड़

दौसा, 02 फरवरी (एजेंसियां)। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ सोमवार को करौली और दौसा के एक दिवसीय प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने दौसा कलेक्ट्रेट में मीडिया प्रतिनिधियों से बजट 2026 पर विस्तार से चर्चा की। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा है कि केंद्रीय बजट 2026 केवल आय–व्यय का दस्तावेज नहीं है बल्कि यह आने वाली पीढ़ी के लिए विकसित भारत का स्पष्ट रोडमैप है। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से लगातार पेश किए गए बजटों से देश में जो परिवर्तन आया है, वह आज दिख भी रहा है और महसूस भी किया जा सकता है। बजट 2026 उसी निरंतरता की अगली कड़ी है, जो युवा भारत को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि यह बजट पहली बार कर्तव्य भवन में तैयार किया गया है और इसमें भारत के भविष्य की पूरी रूपरेखा मौजूद है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है इसलिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि टेक्नोलॉजी भी भारत में ही विकसित हो। आज जिन वस्तुओं का हम उपयोग कर रहे हैं चाहे वह मोबाइल होए कंप्यूटर, कार, कैमरा या एसी इन सभी के मूल में सेमीकंडक्टर हैं और अब समय आ गया है कि ये सेमीकंडक्टर भारत में ही बनाए जाएं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि बजट 2026 में सेमीकंडक्टर 2.0 लॉन्च किया गया है जिसके तहत चिप निर्माण से लेकर कच्चे माल, प्रोसेस, आईपी डिजाइन और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी तक सब कुछ भारत में ही विकसित किया जाएगा। इससे न केवल तकनीकी आत्मनिर्भरता बढ़ेगी बल्कि दूसरे देशों पर निर्भरता भी कम होगी। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी तभी आगे बढ़ती है जब उसके लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर मौजूद हो और सरकार ने इस बजट में इसके लिए बड़े पैमाने पर प्रावधान किया है।

नीति आयोग द्वारा निर्धारित सभी सूचकांकों पर शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करना उद्देश्य : जिला कलक्टर

धौलपुर, 02 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार के नीति आयोग के निर्देशानुसार संपूर्णता अभियान 2.0 का उद्घाटन कार्यक्रम सोमवार को नगर परिषद सभागार में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने कहा कि संपूर्णता अभियान 2.0 का उद्देश्य विकास के छः संकेतकों के अंतर्गत संचालित गतिविधियों में पूर्णता प्राप्त करना है, इनमें से तीन संकेतकों में जिला पहले से शत प्रतिशत प्रगति हासिल कर चुका है। शेष लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हम सबको मिलकर के सम्मिलित रूप से संयुक्त प्रयास करना है। 14 अप्रैल तक चलने वाले इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से हमारी जिम्मेदारी बनेगी कि इस कार्यक्रम के तहत सभी संकेतकों पर शत–प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त किया जाए। इसलिए इस कार्यक्रम का नाम संपूर्णता कार्यक्रम है। जिला कलक्टर ने कहा कि इन सभी संकेतकों पर संपूर्णता हासिल करने के लिए आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं जैसे फ्रंटलाइन वर्कर्स की भूमिका यौद्धा जैसी है। उन्होंने कहा कि हमारे शीर्ष अधिकारी से लेकर जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले फ्रंटलाइन वर्कर्स अगले तीन माह अच्छे से अच्छा प्रदर्शन करेंगे, मेहनत करेंगे, ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभान्वित करेंगे।

भाजपा नेत्री नीरजा शर्मा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री का यही उद्देश्य है कि देश में कोई भी जिला अथवा ब्लॉक पीछे न रहे और वो संपूर्णता को हासिल करे। अविकसित वर्गो के व्यक्तियों को विकास की धारा में जोड़ा जाए। महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागृति लाई जाए। बच्चों को समय पर पूर्ण टीकाकरण किया जाए। इसके साथ ही सभी विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण करा कर उन्हें उपयोग में लिया जाएं।

मनरेगा बचाओ संग्राम का आगाज, भाजपा सरकार पर कांग्रेस का तीखा हमला

रेवाड़ी, 02 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के कोसली विधानसभा क्षेत्र के गांव नांगल भगवानपुर में हरियाणा युवा कांग्रेस द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा के समानांतर नई रोजगार गारंटी योजना विकसित भारत–जी राम जी (वीबी–जी राम जी) लागू किए जाने के विरोध में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया ने की, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत हरियाणा युवा कांग्रेस जिला और ब्लॉक स्तर पर आंदोलन तेज करेगी। गांव–गांव जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा और भाजपा सरकार के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए निशित कटारिया ने कहा कि भाजपा सरकार की मंशा अब पूरी तरह उजागर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जहां पिछले वर्ष मनरेगा के लिए 86 हजार करोड़ रुपये का बजट रखा गया था, वहीं नई योजना विकसित भारत–जी राम जी (वीबी–जी राम जी) के लिए सरकार ने 95,692 करोड़ रुपये और मनरेगा के लिए सिर्फ 30,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

हरविन्द्र कल्याण ने ऑस्ट्रेलिया की मर्डोक यूनिवर्सिटी पहुंच ली अनुसंधान कार्यों की जानकारी

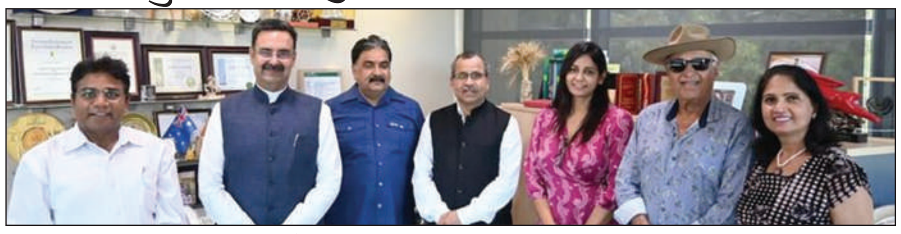

चंडीगढ़, 02 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अपने सात दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान सोमवार को पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया स्थित मर्डोक यूनिवर्सिटी में आयोजित एक विशेष शैक्षणिक एवं शोध कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर कृषि, खाद्य नवाचार और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे अत्याधुनिक अनुसंधानों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरे के दौरान मर्डोक यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस चांसलर प्रो. पीटर डेविस की उपस्थिति में एक राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस कॉन्फ्रेंस में कृषि नवाचार, फूड सिक्योरिटी, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और जैव प्रौद्योगिकी के माध्यम से टिकाऊ कृषि समाधान जैसे विषयों पर गहन विचार–विमर्श हुआ।

इस मौके पर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मर्डोक यूनिवर्सिटी के फसल और खाद्य नवाचार केंद्र (सीसीएफआई) के निदेशक प्रो. राजीव वार्ष्णेय व वरिष्ठ विज्ञान प्रबंधक अनु चिटकिनेनी से अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) मॉडल और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की जानकारी ली।

बीजेपी फूट डालकर राज करने वाली, कांग्रेस और इनेलो डूबी हुई नाव : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, 02 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि भाजपा सरकार भेदभाव और क्षेत्रवाद की राजनीति को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि इस बार प्रदेश में भारी बरसात और जलभराव के कारण हुए फसल खराबे के लिए न केवल मुआ–वजा देने में सरकार ने देरी की बल्कि किसानों के साथ भेदभाव भी किया गया। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अपने क्षेत्र नारायणगढ़ और लाडवा में बिना वेरिफिकेशन के ही 15–20 करोड़ रुपए तक का मुआवजा जारी करवाया जबकि अन्य प्रभावित क्षेत्रों में दो–तीन बार सत्यापन की प्रक्रिया के बाद भी मुआवजा बहुत कम दिया गया। वे सोमवार को रेवाड़ी जिले में जेजेपी द्वारा आयोजित युवा योद्धा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार की भेदभाव वाली नीति के खिलाफ हम सबको मिलकर आवाज उठानी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि आज भाजपा का घमंड सातवें आसमान पर है और बीजेपी नेताओं की सोच लोगों को भ्रमित करके बांटने वाली है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज बिना वजह बुजुर्गों और विधवाओं की पेंशन काटी जा रही है।

पिछले डेढ़ साल में प्रदेश में न सड़कों की मरम्मत करवाई गई और न ही गांवों में नई लाइब्रेरी, सामुदायिक केंद्र बने। उन्होंने कहा कि भाजपा ने गांवों के विकास पर ब्रेक लगा दिया है और केंद्र के बजट में भी ग्रामीण विकास के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया।

कांग्रेस नेताओं को बजट समझने के लिए काउंसलिंग लेनी चाहिए : सैनी

हरियाणा, 02 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह बजट विकास, युवाओं के लिए नए अवसर, महिला सशक्तीकरण और गरीबों के कल्याण को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। उनके अनुसार, यह बजट हरियाणा के लिए भी कई नई संभावनाएं और लाभ लेकर आया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा आदमपुर एयरपोर्ट का नाम बदलकर श्री गुरु रविदास महाराज जी एयरपोर्ट किए जाने पर भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला देशभर के अनगिनत लोगों के लिए गर्व का विषय है और इससे महान संत गुरु रविदास महाराज के विचारों और योगदान को सम्मान मिलेगा। नायब सिंह सैनी ने आगे कहा कि हाल ही में अयोध्या धाम, जो भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है, वहां बने एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि पर रखा गया है। इसके साथ ही हरियाणा के हिसार में बने एयरपोर्ट को महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों से आने वाली पीढ़ियों को इन महान व्यक्तित्वों की शिक्षाओं और विरासत से परिचित होने का अवसर मिलेगा।

बजट को लेकर कांग्रेस पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा को जो इस बार दिया है, वह कांग्रेस के लिए सपने से भी परे है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 55 साल तक सत्ता में रही, लेकिन आज जो काम मोदी सरकार कर रही है, उसकी तुलना करना भी आसान नहीं है। उनके अनुसार, प्रधानमंत्री हरियाणा के लोगों से विशेष प्रेम रखते हैं और उनके नेतृत्व में ही हरियाणा एक विकसित राज्य बनेगा।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस बजट का सबसे ज्यादा फायदा हरियाणा के किसानों और युवाओं को मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यह बजट समझ में ही नहीं आया है और तंज कसते हुए सुझाव दिया कि कांग्रेस नेताओं को बजट समझने के लिए 'काउंसलिंग' लेनी चाहिए और पूरी तरह समझने के बाद ही प्रतिक्रिया देनी चाहिए। नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पार्टी अंदरूनी गुटों में बंटी हुई है। उन्होंने कहा कि कई नेत–ाओं ने तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पूरे बजट भाषण खत्म होने से पहले ही सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया पोस्ट कर दी।

किनवट वकील संघ ने नवनियुक्त नगराध्यक्षा से की मुलाकात

निर्माणाधीन जिला एवं सत्र न्यायालय भवन में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

किनवट, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। किनवट वकील संघ ने निर्माणाधीन जिला एवं सत्र न्यायालय भवन में तत्काल आवश्यक बुनियादी एवं नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की है। इसी क्रम में किनवट वकील संघ के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त नगराध्यक्षा सुजाता विनोद एड्डलवार का सम्मान करते हुए नगर परिषद कार्यालय में उनसे भेंट कर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान वकील संघ की ओर से कहा गया कि जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के आसपास न्यायिक कार्यों के सुचारू संचालन के लिए सड़क, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था, जल निकासी, पार्किंग सहित अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है।

वकील संघ ने यह भी अपेक्षा जताई कि नगर परिषद एवं प्रशासन आपसी समन्वय से कार्य करेंगे, ताकि न्यायालय प्रारंभ होने के बाद न्यायाधीशों, वकीलों, कर्मचारियों एवं न्याय के लिए आने वाले आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नगराध्यक्षा सुजाता एड्डलवार ने वकील संघ के सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि जिला एवं सत्र न्यायालय किनवट शहर के लिए एक महत्वपूर्ण सरकारी केंद्र होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर परिषद न्यायालय परिसर में सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु अपने स्तर पर पूर्ण सहयोग करेगी तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाएगा।

इस अवसर पर युवा नेता करण एड्डलवार, पार्षद अभय महाजन, नगर प्रमुख प्रशांत कोर्डे, किनवट लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट किशोर मुनेश्वर, उपाध्यक्ष एडवोकेट टेक्सिंग चव्हाण सहित एडवोकेट अरविंद चव्हाण, उदय चव्हाण, आकाश कोमरवार, पंकज गावंडे, येउतकर, सम्राट सरपे, मिलिंद सरपे, दिव्या पाटिल, दीपा सोनकांबले, विपिन पवार, मुसाले, वी. बी. कनिंदे, सचिन दरवांडे, हरि दर्शनवाड तथा बड़ी संख्या में वकील उपस्थित थे।

बैठक सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में संपन्न हुई। उपस्थित सभी लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि नगर परिषद और वकील संघ के इस सहयोग से भविष्य में न्यायिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ किनवट शहर के समग्र विकास को भी गति मिलेगी।

मंचेरियाल में नव नियुक्त प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

मंचेरियाल, 02 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल स्थित जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग कार्यालय में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. अनीता की देखरेख में नव नियुक्त 71 प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान तकनीशियनों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (झक्ळ) एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (उक्ळ) में प्रयोगशाला तकनीशियनों द्वारा निभाए जाने वाले कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही समय की पाबंदी, सही समय पर रक्त के नमूने लेना, निर्धारित मात्रा में नमूने संग्रहित करना तथा उन्हें सुरक्षित एवं समयबद्ध तरीके से संबंधित प्रयोगशालाओं में भेजने के महत्व पर विशेष रूप से मार्गदर्शन किया गया।

डॉ. एस. अनीता ने अपने संबोधन में कहा कि प्रयोगशाला तकनीशियन स्वास्थ्य सेवाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनकी कार्यकुशलता से ही मरीजों को समय पर सही उपचार मिल पाता है। उन्होंने सभी नव नियुक्त तकनीशियनों से ईमानदारी, जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य नव नियुक्त प्रयोगशाला तकनीशियनों को उनके दायित्वों के प्रति जागरूक करना तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा।

डॉ. प्रवीणभाई तोगड़िया कल बेंगलूरु प्रवास पर

बैंगलोर, 2 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख नायक, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद (AHP) के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ. प्रवीणभाई तोगड़िया आगामी 4 और 5 फरवरी को दो दिवसीय प्रवास पर बैंगलोर आ रहे हैं। उनके इस प्रवास को लेकर स्थानीय समाजजनों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

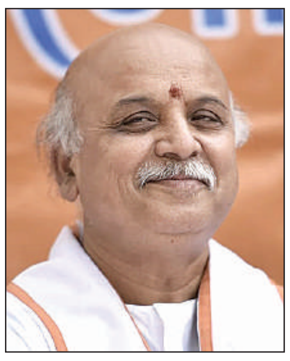

मीडिया प्रभारी दलपतसिंह भायल ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ. तोगड़िया 4 फरवरी को प्रातः 10 बजे बैंगलोर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। उनके आगमन पर गौभक्त राकेश एम. देसरला एवं समाजसेवी जालमसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में कोर कमेटी व आयोजन समिति के सदस्यों सहित सैकड़ों राजस्थानी प्रवासियों द्वारा उनका भव्य एवं गरिमामय स्वागत किया जाएगा।

कार्यक्रम प्रभारी पुनाराम चौधरी के अनुसार एयरपोर्ट से डॉ. तोगड़िया का काफिला क्रमशः राजूभाई चौधरी, रितेश पामेचा एवं रणजीत शाह के आवासों पर आयोजित स्वागत कार्यक्रमों में सम्मिलित होगा। इसके बाद जितेंद्र राजगुरु के यहां भोजन एवं विश्राम उपरांत वे भोपालचंद के आवास पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में भाग लेंगे।

5 फरवरी को विराट हनुमान चालीसा पाठ

अपने प्रवास के दूसरे दिन 5 फरवरी को सायं 4 बजे, डॉ. तोगड़िया बैंगलोर स्थित श्री खेतेश्वर भवन में आयोजित विराट हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम के उपरांत वे राकेश एम. देसरला के आवास पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा तत्पश्चात समाजसेवी जालमसिंह राजपुरोहित के आवास पर रात्रि विश्राम करेंगे।

आयोजन समिति के सदस्य प्रकाश पुरोहित ने बताया कि डॉ. तोगड़िया के इस दो दिवसीय दौरे को लेकर कोर कमेटी एवं आयोजन समिति के लगभग 50 सदस्य सक्रिय रूप से तैयारियों में जुटे हुए हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि दौरे की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने हेतु 3 फरवरी को जालमसिंह राजपुरोहित के आवास पर राष्ट्रीय बजरंग दल के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री इंद्रजीतसिंह राजगुरु के सानिध्य में कोर कमेटी एवं आयोजन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

डॉ. प्रवीणभाई तोगड़िया के इस प्रवास को सामाजिक एवं धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की सहभागिता अपेक्षित है।

फोन टैपिंग मामले को लेकर संयुक्त आदिलाबाद जिले में आक्रोश

बीआरएस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस सरकार व मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के पुतले जलाए

मंचेरियाल, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। फोन टैपिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से एसआईटी द्वारा की जा रही पूछताछ के विरोध में रविवार को संयुक्त आदिलाबाद जिले भर में बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। मंचेरियाल, आदिलाबाद, निर्मल और आसिफाबाद सहित गांवों, कस्बों और शहरी क्षेत्रों में रैलियां, धरने और विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस सरकार पर राजनीतिक साजिश रचने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी व एसआईटी के पुतले जलाए।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव (केटीआर) के आह्वान पर कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर काले झंडे लहराए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद कई स्थानों पर पुलिस द्वारा रोक-टोक और गिरफ्तारियों के प्रयास किए गए, जिसका बीआरएस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने कड़ा विरोध किया। कुछ जगहों पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया, जिससे तनावपूर्ण स्थिति भी बनी, जबकि अन्य स्थानों पर रैलियां और धरने शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। काले कपड़े पहने प्रदर्शनकारियों ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमाओं पर ज्ञापन भी सौंपे।

बीआरएस नेताओं ने फोन टैपिंग जांच के नाम पर जारी किए गए नोटिसों को अवैध, असंवैधानिक और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए तीखी निंदा की। उनका आरोप था कि कोयला खदान घोटाले और मंत्रियों के बीच शेयरधारिता योजना उजागर होने के बाद कांग्रेस सरकार दबाव में है और इन मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए एसआईटी जांच का नाटक किया जा रहा है। नेताओं ने कहा कि सरकार बीआरएस नेताओं को डराने का प्रयास कर रही है, लेकिन गबन के मामलों में कोई ठोस कार्रवाई करने में असमर्थ दिख रही है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि केसीआर को अपमानित किया गया या परेशान किया गया तो इससे पूरे तेलंगाना राज्य को शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी और बीआरएस कार्यकर्ता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। नगर निगम चुनावों के नाम पर लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद कार्यकर्ता पीछे नहीं हटे और पूरे जिले में विरोध प्रदर्शन जारी रहे।

मंचेरियाल जिला केंद्र में आयोजित मुख्य प्रदर्शन में बीआरएस जिला अध्यक्ष बल्का सुमन और पूर्व विधायक दिवाकर राव शामिल हुए। यहां आईबी चौक से वेंकटेश्वर टॉकीज, अर्चना टेक्स चौक, पुलिस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, मुकरम चौक होते हुए मंचेरियाल फ्लाईओवर पुल तक भव्य बाइक रैली निकाली गई।

इसके अलावा मंचेरियाल के साथ-साथ चेन्नूर और बेल्लमपल्ली विधानसभा क्षेत्रों में भी विरोध प्रदर्शन, धरने, रैलियां और सड़क अवरोध किए गए। बेल्लमपल्ली विधानसभा क्षेत्र मुख्यालय में बीआरएस के तत्वावधान में निकाली गई बाइक रैली में बीआरएस के चुनाव राज्य पर्यवेक्षक रविंदर रेड्डी ने भी भाग लिया।

कुल मिलाकर, संयुक्त आदिलाबाद जिले में बीआरएस का यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस सरकार के खिलाफ राजनीतिक तापमान बढ़ाने वाला साबित हुआ, जिससे आने वाले दिनों में राज्य की राजनीति और अधिक गरमाने के संकेत मिल रहे हैं।

गायब हो रहा मंचेरियाल पेद्दनापल्ली वागु

अतिक्रमणकारियों पर कोई रोक नहीं, अधिकारियों की निष्क्रियता पर सवाल

मंचेरियाल, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले में बेल्लमपल्ली और सोमागुडेम राष्ट्रीय राजमार्गों के बीच स्थित कासीपेटा मंडल के पेद्दनापल्ली गांव के बाहरी इलाके में बहने वाला पेद्दनापल्ली वागु (नाला) इन दिनों अतिक्रमण की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। घाटी क्षेत्र में खुलेआम अतिक्रमण किए जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे, जिससे स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।यह नाला पेद्दनापल्ली के बाहरी इलाके से होकर बड़ी मात्रा में बाढ़ का पानी वहन करता है। आरोप है कि अतिक्रमणकारी नाले के दोनों किनारों पर मिट्टी के बांध बनाकर तथा इसकी चौड़ाई कम करके इसे एक छोटी नहर में तब्दील करने का प्रयास कर रहे हैं। वर्षों से बह रहा यह बड़ा नाला अब धीरे-धीरे मिट्टी से भरकर छिपाया जा रहा है।चूंकि यह क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा हुआ है, इसलिए सड़क चौड़ीकरण के दौरान यहां एक बड़ा पुल भी बनाया गया है। मुख्य राजमार्ग होने के कारण सड़क किनारे की जमीन की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। इसी के चलते कुछ अतिक्रमणकारियों की नजर नाले की जमीन पर पड़ गई है और वे योजनाबद्ध तरीके से नाले की चौड़ाई कम कर पूरे प्रवाह क्षेत्र पर कब्जा करने में लगे हुए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले के किनारे बांध बनाकर उसे छिपाने की साजिश रची जा रही है। नदी के आसपास का पूरा इलाका मिट्टी से भर दिया गया है, ताकि पानी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित हो जाए। अब नाले को पूरी तरह से मिट्टी से भरने का प्रयास किया जा रहा है। क्षेत्र में तेज बहाव होने के कारण लोगों को आशंका है कि यदि नाला बंद कर दिया गया तो आने वाले दिनों में ऊपरी इलाकों में बसे गांवों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। नाला अवरुद्ध होने पर बाढ़ का पानी सड़कों पर फैलने का खतरा भी बना हुआ है, क्योंकि पानी के निकास का कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं है।स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अतिक्रमणकारियों के खिलाफ तत्काल जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए तथा पेद्दनापल्ली वागु की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में जब सिंचाई विभाग के निदेशक नरेंद्र कुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया तो उन्होंने बताया कि अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक उनका कोई जवाब नहीं मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही वे स्वयं मौके का निरीक्षण करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस में मामला दर्ज कराने सहित अन्य सख्त कदम उठाए जाएंगे।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने ठोस कार्रवाई नहीं की तो इसका खामियाजा पूरे क्षेत्र को बाढ़ और जलभराव की समस्या के रूप में भुगतना पड़ सकता है।

चुनाव से पहले उम्मीदवारों ने चुकाया बकाया

मंचेरियाल जिले की नगरपालिकाओं को 75 लाख रुपये की आय

मंचेरियाल , 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर निगम चुनावों ने मंचेरियाल जिले के पांच नगर निकायों को संपत्ति कर और नल कनेक्शन बिलों के बकाया की वसूली में बड़ी मदद की है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करते समय नगर निगम अधिकारियों द्वारा जारी किया गया नो-ड्यू सर्टिफिकेट (बकाया न होने का प्रमाण पत्र) प्रस्तुत करना अनिवार्य था। इसके चलते कई उम्मीदवारों ने अपने लंबित संपत्ति कर और पानी के कनेक्शन बिलों का भुगतान किया, जिससे नगरपालिकाओं को कुल मिलाकर लगभग 75 लाख रुपये की आय हुई।अधिकारियों के अनुसार, मंचेरियाल नगर निगम ने 28 से 30 जनवरी के बीच विभिन्न राजनीतिक दलों एवं निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा किए गए संपत्ति कर भुगतान से 25.49 लाख रुपये की आय अर्जित की। वहीं बेल्लमपल्ली नगर निकाय ने 8.80 लाख रुपये का संपत्ति कर एकत्र किया। क्याथनपल्ली और लक्सेट्टीपेट नगरपालिकाओं ने क्रमशः 4.88 लाख रुपये और 4.50 लाख रुपये की आय दर्ज की। इसी प्रकार चेन्नूर नगरपालिका ने तीन दिनों की अवधि में संपत्ति कर के रूप में 1.79 लाख रुपये की वसूली की।नल कनेक्शन बिलों के भुगतान से भी नगर निकायों को अच्छा राजस्व प्राप्त हुआ। मंचेरियाल नगर निगम ने नल कनेक्शन बिलों के रूप में 11.04 लाख रुपये एकत्र किए, जबकि बेल्लमपल्ली और लक्सेट्टीपेट नगर निकायों ने इन बिलों से कुल 3 लाख रुपये की आय दर्ज की। इसके अलावा केवल नो-ड्यू सर्टिफिकेट जारी करने के शुल्क से ही नगर निगमों को 7.36 लाख रुपये प्राप्त हुए, क्योंकि प्रमाण पत्र के लिए उम्मीदवारों ने 1,000 से 2,000 रुपये तक का शुल्क अदा किया।कुल मिलाकर, पांचों नगर निकायों ने संपत्ति कर से 45.45 लाख रुपये, नल कनेक्शन बिलों से 17.14 लाख रुपये तथा नो-ड्यू सर्टिफिकेट शुल्क से 13.01 लाख रुपये अर्जित किए। इस प्रकार कुल आय लगभग 75 लाख रुपये रही।

चुनावी आंकड़ों के अनुसार, पांचों नगरपालिकाओं में कुल 1,599 नामांकन दाखिल किए गए, जिनमें से 1,061 उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत 1,117 नामांकनों को अधिकारियों द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि इस प्रक्रिया से न केवल बकाया वसूली में तेजी आई, बल्कि नागरिकों में कर भुगतान को लेकर जागरूकता भी बढ़ी है।

राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए अमूल्या का चयन

तंदूर (मंचेरियाल), 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तंदूर मंडल के अचलपुर जेडपीएचएस की छात्रा अमूल्या का चयन राज्य स्तरीय सब-जूनियर वॉलीबॉल टीम के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय, गांव और पूरे मंडल में खुशी का माहौल है।

पीडी सांबामूर्ति ने जानकारी देते हुए बताया कि मंचेरियाल में आयोजित संयुक्त आदिलाबाद जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में अमूल्या ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया, जिसके परिणामस्वरूप उनका राज्य स्तरीय टीम में चयन हुआ।

बताया गया है कि अमूल्या 5 से 8 तारीख तक निजामाबाद में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी। उनकी इस सफलता पर विद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों और ग्रामीणों ने छात्रा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

महिलाओं के साथ रैगिंग, छेड़छाड़ या हिंसा होने पर शी टीम से संपर्क करें : एसपी नितिका पंत

आसिफाबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज़िला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि ज़िले की महिलाएं, युवतियां और छात्राएं यदि किसी भी प्रकार की रैगिंग, छेड़छाड़ या हिंसा का शिकार होती हैं, तो वे बिना किसी डर के पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए शी टीम, एंटी-वुमन ट्रैफिकिंग टीम और भरोसा सेंटर पूरी सक्रियता से कार्य कर रहे हैं।

एसपी नितिका पंत ने कहा कि छात्राओं और महिलाओं को अपने साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ चुप नहीं रहना चाहिए। यदि वे साहस के साथ आगे आकर शिकायत दर्ज कराती हैं, तो आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि कॉलेजों और स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए रैगिंग, ईव-टीजिंग, पोक्सो एक्ट, शीट एक्ट और एंटी-वुमन ट्रैफिकिंग जैसे विषयों पर शी टीम, भरोसा टीम और संबंधित पुलिस थानों के अधिकारियों द्वारा नियमित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि महिलाओं के साथ उनके कार्यस्थल (वर्कप्लेस) पर किसी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न होता है, तो वे सीधे शी टीम से संपर्क कर सकती हैं। एसपी ने जानकारी दी कि जनवरी माह में शी टीम द्वारा पूरे जिले में 83 हॉटस्पॉट चिन्हित किए गए, 24 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 3 मामलों में एफआईआर दर्ज, 7 मामलों में रंगे हाथों आरोपियों को पकड़ा गया, जबकि 1 मामले में काउंसलिंग की गई।एसपी नितिका पंत ने कहा कि पुलिस विभाग महिलाओं और छोटे बच्चों की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने महिलाओं को सलाह दी कि वे फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतें तथा फोटो और वीडियो पोस्ट करते समय व्यक्तिगत सुरक्षा से जुड़े सभी उपाय अपनाएं।

उन्होंने कहा कि जो महिलाएं या बच्चे सीधे पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज कराने में असमर्थ हैं, वे शी टीम से संपर्क कर सकते हैं। जिले में वर्तमान में दो शी टीमें कार्यरत हैं।

आसिफाबाद डिवीजन शी टीम नंबर : 8712670564

कागजनगर डिवीजन शी टीम नंबर : 8712670565

इसके अलावा 100 डायल पर भी सूचना दी जा सकती है। एसपी ने आश्वस्त किया कि शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

एसपी नितिका पंत ने अंत में महिलाओं से अपील की कि वे किसी भी तरह की परेशानी या हिंसा की स्थिति में तुरंत मदद मांगें और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें।

भारत से मैच के बहिष्कार पर आईसीसी की सख्त चेतावनी पाकिस्तान की चयनात्मक भागीदारी पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मुकाबले से अलग रहने के पाकिस्तान के फैसले पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कड़ा रुख अपनाया है। आईसीसी ने स्पष्ट कहा है कि किसी वैश्विक टूर्नामेंट में चयनात्मक भागीदारी खेल की निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धी भावना के खिलाफ है तथा इसके दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं।

यह प्रतिक्रिया उस बयान के बाद आई, जिसमें पाकिस्तान सरकार ने टीम को टूर्नामेंट खेलने की अनुमति तो दी, लेकिन 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच में न उतरने की बात कही। हालांकि इस फैसले का आधिकारिक कारण नहीं बताया गया। आईसीसी ने कहा कि उसे अभी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से औपचारिक सूचना का इंतजार है।

परिषद ने अपने बयान में दोहराया कि उसके टूर्नामेंट समान शर्तों पर सभी टीमों की भागीदारी, निरंतरता और खेल भावना पर आधारित होते हैं। किसी एक मैच का बहिष्कार प्रतियोगिता की पवित्रता को प्रभावित करता है और इससे वैश्विक क्रिकेट ढांचे पर असर पड़ सकता है। आईसीसी ने उम्मीद जताई कि पीसीबी ऐसा समाधान तलाशेगा जो सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करे।

भारत-पाकिस्तान मुकाबला आईसीसी आयोजनों का सबसे अधिक दर्शक जुटाने वाला और व्यावसायिक रूप से अहम मैच माना जाता है। इसी कारण दोनों टीमों को अक्सर एक ही समूह में रखा जाता रहा है।

नियमों के मुताबिक यदि पाकिस्तान यह मैच नहीं खेलता है तो उसे दो अंक गंवाने पड़ सकते हैं। साथ ही उसकी नेट रन रेट पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा, क्योंकि फारफिट की स्थिति में पूरे 20 ओवर उसकी पारी में जोड़े जाते हैं।

टी20 विश्व कप 2026 की सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। पाकिस्तान को अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने हैं। वह 07 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ अभियान शुरू करेगा, जबकि अमेरिका और नामीबिया से उसके मुकाबले क्रमशः 10 और 18 फरवरी को निर्धारित हैं। अब सबकी नजर इस पर है कि पीसीबी आगे क्या रुख अपनाता है।

न्यूज ब्रीफ

अनाहत सिंह ने स्क्वैश आन फायर ओपन जीता, पहला पीएसए ब्रान्ज-लेवल खिताब अपने नाम किया

वाशिंगटन। भारत की उभरती स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को स्क्वैश

आन फायर ओपन जीत लिया और अपने करियर का पहला पीएसए ब्रान्ज-लेवल खिताब अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज अनाहत ने फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 10 जार्जिना केनेडी (इंग्लैंड) को सीधे गेमों में 12-10, 11-5, 11-7 से हराया। यह मुकाबला महज 26 मिनट में समाप्त हुआ। यह अनाहत का पहला विश्व स्तरीय पीएसए खिताब है। विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अनाहत सिंह को हाल ही में पीएसए की ओर से वीमेंस चैलेंजर प्लेयर आफ द सीजन चुना गया था। इसके अलावा, उन्होंने वीमेंस यंग प्लेयर आफ द सीजन का खिताब भी संयुक्त रूप से जीता। पुरुष वर्ग के फाइनल में मोहम्मद एलशोरबागी ने आल-इंग्लैंड मुकाबले में डेक्लन जेम्स को 11-4, 11-6, 11-8 से हराकर अपना 52वां पीएसए टूर खिताब जीता।

सचिन ने आस्ट्रेलियन विजेता अल्काराज को बधाई दी, धैर्य नहीं खोने के कारण बने विजेता

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी रुचि लेते हैं और समय-समय पर उनके स्टार खिलाड़ियों की भी प्रशंसा करते रहे हैं। इसी कड़ी में अब सचिन ने अपना पहला आस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले स्पेन के कार्लोस अल्काराज को बधाई दी है। तेंदुलकर ने पूरे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अल्काराज के संयमित खेल को धैर्य की तारीफ की। तेंदुलकर ने साशेल मीडिया में लिखा, इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक ध्यान देने योग्य बात ये थी कि अल्काराज ने अभी भी अपना धैर्य नहीं खोया। वह लंबी रैलियों में भी शांत रहे जिससे उनके विरोध खिलाड़ी पर दबाव बना रहा। उन्होंने समझदारी से अपने अवसर तलाशे। जिस तरह से उन्होंने कोर्ट में फुर्ती दिखायी उसकी हम सभी प्रशंसा करते हैं। बधाई हो अल्काराज, वहीं उपविजेता रहे नोवाक जोकोविच ने भी अपनी ओर से अच्छा प्रयास किया था। अल्काराज फाइनल में जीत के साथ ही करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बने हैं। बन गए। 22 साल के अल्काराज ने फाइनल में जोकोविच को हराकर अपना सातवां बड़ा खिताब जीता है।

भारत में मिले अनुभवों का लाभ टी20 विश्वकप में मिलेगा : सैंटनर

तिरुवनंतपुरम। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य टी20 विश्व

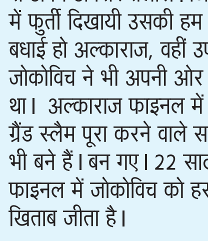

कप में जीत के इरादे से उतरना होगा। इसके लिए उनकी टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिले अनुभवों का लाभ उठाएगी। सैंटनर के अनुसार उनकी टीम भारत में अपने पिछले अनुभवों और विभिन्न हालातोंसे तालमेल बिठाने की क्षमता के आधार पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास करेगी । कीवी टीम को विश्कप में अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। वह ग्रुप चरण के तीन मैच चेन्नई में और एक मैच अहमदाबाद में खेलेगा। इनमें से उसके दो मैच सुबह 11 बजे शुरू होंगे, जबकि अन्य मैच दोपहर तीन बजे और शाम सात बजे शुरू होंगे। सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने हाल में आईपीएल में या अपने करियर के दौरान चेन्नई में मैच खेले हैं। जिसका लाभ उन्हें मिलेगा मुझे लगता है कि पिछले कुछ साल में यह देखा गया है कि चेन्नई की पिच काफी अच्छी है। सैंटनर ने कहा कि न्यूजीलैंड के पास इस चुनौती का सामना करने के लिए अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, दिन का खेल थोड़ा अलग होने वाला है। खिलाड़ियों को अपने रुटीन में बदलाव करना होगा। उन्हें सुबह जल्दी उठकर अभ्यास करना होगा। हम लाल मिट्टी की पिच पर एक मैच खेलने के लिए अहमदाबाद जाएंगे और फिर हम काली मिट्टी की पिच पर खेलने के लिए चेन्नई जाएंगे। इसलिए यह मैदान कुछ अलग होगा। सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारी टीम को अलग-अलग तरह के हालातों के अनुसार अपने को ढालना होगा। चेन्नई में हम तीन मैच खेलेंगे और वहां की पिच अहमदाबाद की की पिच की तुलना में अलग रहेगी जिसके अनुसार हमें ढ़लना होगा। सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम को भले ही भारत में खेली गयी सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है पर विश्व कप में उसे लाभ मिलेगा क्योंकि उनके खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिला है ।

अभिषेक शर्मा टी20 विश्कप में सबसे अधिक रन बनाएंगे : रिकी पोंटिंग

सिडनी, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह सात फरवरी से शुरु होने जा रहे टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। विश्वकप संयुक्त रु से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कई दिग्गज बल्लेबाजों के होते हुए भी पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान का मानना है कि अभिषेक रनों के मामले में सबसे आगे रहेंगे इस पूर्व कप्तान ने अभिषेक की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अच्छी लय में है और उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। ऐसे में उसे आईसीसी टूर्नामेंट्स का अनुभव न होने पर भी नुकसान नहीं होगा। वह पहली बार कोई आईसीसी टूर्नामेंट खेलने के कारण निडर होकर उतरेगा। ऐसे में अनुभव की कमी उसके लिए फायदेमंद ही साबित होगी। साथ ही कहा कि उसे इस टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड भी मिल सकता है। पोंटिंग ने आगे कहा, अगर वह रन बनाता है तो भारतीय टीम को हराना बेहद कठिन हो जाएगा। और अगर वह नहीं चलता, तो भी भारतीय टीम को कम नहीं आंक सकते। अभिषेक साल 2018 में भारत की अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम में शामिल रहे हैं पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 सीनियर टीम के साथ उसका पहला विश्वकप होगा। पोंटिंग ने कहा, मैं उसका पहला आईपीएल कोच रहा था। उसने 17 साल की उम्र में मेरे साथ दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू किया था। मुझे आज भी याद है, पहली ही गेंद पर उसने से चौका या छक्का मारा था। पोंटिंग ने यह भी खुलासा किया कि वह अभिषेक को दिल्ली से ट्रेड करने के फैसले के खिलाफ थे। मैंने प्रबंधन से कई बार कहा था कि उसे मत जाने दो, यहां एक सुपरस्टार बन रहा है। और आज वही हो रहा है।अभिषेक ने हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 4 मैचों में 152 रन बनाए। सीरीज के तीसरे मुकाबले में अभिषेक ने सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। जो भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा सबसे तेज़ अर्धशतक है। इससे पहले केवल युवराज के नाम ही 12 गेंदों में ये रिकार्ड है।ऐसे में भारतीय टीम को विश्वकप में अभिषेक से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। ।भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड्स के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ करेगा।

भारतीय टीम के पास टी20 विश्वकप खिताब बरकारार रखने का अच्छा अवसर : हरभजन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टी20 विश्वकप में मेजबान भारतीय टीम के पास खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर है। हरभजन के अनुसार इस बार भारत के अलावा आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका व अफगानिस्तान की टीमें भी सेमीफाइल में पहुंचेंगी। हरभजन ने हालांकि दो बार की विजेता इंग्लैंड को 2026 इस बार खिताबी दावेदार नहीं माना है। विश्वकप की मेजबानी भारत और श्रीलंका की टीमें संयुक्त रुप से कर रही हैं। हरभजन ने कहा कि इस बार भी भारतीय टीम के पास खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर है। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम के पास अपनी धरती पर मैच होने के कारण जीतने का सुनहरा मौका है, भरतीय टीम अभी काफी अच्छी है और उसे घरेलू धरती पर प्रशंसकों का भी समर्थन मिलेगा। हलातों को बेहतर तरीके से जानने का लाभ भी उन्हें मिलेगा। जीत के लिए केवल उन्हें विश्वकप के दबाव पर नियंत्रण रहना होगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने पिछले साल टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। उन्होंने 19 में से 16 मैच जीते हैं। वह इस बार टी20 वर्ल्ड कप 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर उतरेगी। वहीं आस्ट्रेलियाई टीम ने साल 2021 में पहली बार खिताब जीता था। वह दूसरी बार खिताब जीतने उतरेगी। टीम साल 2010 में उपविजेता रही थी जबकि 2007 और 2012 में सेमी-फाइनल से ही बाहर हो गयी थी। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने हाल में अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उसके पास 2024 का सत्र जीतने का अवसर है। वहीं अफगानिस्तान ने साल 2010 में डेब्यू करने के बाद से ही अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है। उसने साल 2024 के सत्र में न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराकर सेमी-फाइनल में जगह बनायी थी। ऐसे में वह इस बार भी वैसा ही प्रदर्शन करने उतरेगी।

टी20 विश्व कप अभ्यास मैचों के लिए इंडिया-ए टीम घोषित, आयुष बडोनी कप्तान; तिलक वर्मा की वापसी

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

आगामी टी20 विश्व कप से पहले होने वाले अभ्यास मुकाबलों के लिए इंडिया-ए टीम की घोषणा कर दी गई है। आयुष बडोनी को टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि तिलक वर्मा चोट से उबरने के बाद टीम में लौटे हैं। इंडिया-ए टीम पहला अभ्यास मैच सोमवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में अमेरिका (यूएसए) के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम शुक्रवार को बेंगलुरु के सेंटर आफ एक्सीलेंस में नामीबिया से भिड़ेगी।

पेट से जुड़ी समस्या के कारण सर्जरी कराने वाले तिलक वर्मा को बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस ने खेलने की अनुमति दे दी है। वह अमेरिका के खिलाफ अभ्यास मैच में खेलेंगे और उसके बाद सीनियर टीम से जुड़ जाएंगे।

15 सदस्यीय इंडिया-ए टीम में कई आईपीएल खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनमें नमन धीर, विप्रज निगम और मयंक यादव प्रमुख हैं। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ समाप्त टी20 सीरीज से बाहर रहे वाशिंगटन सुंदर को एक बार फिर टीम में जगह नहीं मिली है। वह अभी चोट से उबर रहे हैं और जल्द ही फिटनेस टेस्ट से गुजरने की उम्मीद है।

इस बीच, रियान पराग कंधे की चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं।

इंडिया-ए टीम (अभ्यास मैच):

आयुष बडोनी (कप्तान), नमन धीर, आशुतोष शर्मा, प्रियंश आर्य, एन. जगदीशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, रियान पराग, मानव सुथार, अशोक शर्मा, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), गुरजपनीत सिंह, विप्रज निगम, रवि बिश्नोई, खलील अहमद, मयंक यादव।

यूएस क्रीमोनेज और एफसी इंटरनेजोल के बीच मैच

इटली में यूएस क्रीमोनेज और एफसी इंटरनेजोल के बीच मैच में यूएस के गोलकीपर इमिल ओडरगो चोटिल हो गये।

टी20 विश्व कप के शुरुआती मुकाबलों में नहीं खेलेंगे हेज़लवुड : चयनकर्ता डोडेमाइड

सिडनी, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में टीम के साथ श्रीलंका की यात्रा नहीं करेंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने बताया कि हेज़लवुड फिलहाल सिडनी में रहकर चोट से उबरने के बाद अपने रिटर्न-टू-प्ले कार्यक्रम को जारी रखेंगे।

हालांकि, नाथन एलिस, टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल कोलंबो पहुंच चुके हैं और मंगलवार को आस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ेंगे। डोडेमाइड के अनुसार, ये तीनों खिलाड़ी पाकिस्तान से आने वाली टीम के साथ शामिल होंगे।

आस्ट्रेलिया अपने चार शुरुआती मुकाबले कोलंबो और पल्लेकेले में खेलेगा, जिसकी शुरुआत 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ होगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से हो रही है।

डोडेमाइड ने कहा कि हेज़लवुड शुरुआती चरण के दौरान सिडनी में ही रहेंगे ताकि वे परिचित माहौल में अपनी फिटनेस पर काम कर सकें। उन्होंने बताया कि सीन एबाट को ट्रैवलिंग रिज़र्व के तौर पर टीम में शामिल किया गया है।

डोडेमाइड ने कहा, नाथन, टिम और ग्लेन कोलंबो पहुंच चुके हैं और पाकिस्तान से हमारी टीम के पहुंचने पर हम उनसे जुड़ने को लेकर उत्साहित हैं।

जोश के मामले में हमें लगा कि उनके लिए घर पर रहकर रिहैबिलिटेशन जारी रखना ज्यादा व्यावहारिक और फायदेमंद रहेगा।

गौरतलब है कि हेज़लवुड को लगातार अकिलीज़ चोट के कारण 2025-26 एशेज सीरीज़ से भी बाहर होना पड़ा था। यह चोट पहले लगी हैमस्ट्रिंग इंजरी से उबरने के दौरान सामने आई थी। चयनकर्ता ने यह स्पष्ट नहीं किया कि हेज़लवुड टूर्नामेंट में कब उपलब्ध होंगे।

आस्ट्रेलिया के ग्रुप में ओमान, श्रीलंका और जिम्बाब्वे भी शामिल हैं और उसके शुरुआती मुकाबले 20 फरवरी तक समाप्त हो जाएंगे।

इससे पहले, अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस को भी पीठ की चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह बेन ड्वारशुइस को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

डोडेमाइड ने बताया कि एबाट को एलिस के बैकअप के रूप में टीम के साथ रखा गया है।

उन्होंने कहा, नाथन भी वापसी की प्रक्रिया में हैं, ऐसे में हमने सीन को तेज गेंदबाजी कवर के तौर पर साथ रखने का फैसला किया। सीन अनुभवी और बहुमुखी खिलाड़ी हैं और कई विश्व कप अभियानों का अनुभव रखते हैं। टी20 विश्व कप का आयोजन 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका के विभिन्न मैदानों पर किया जाएगा।

आईओसी अध्यक्ष ने कहा- आईसीई और एपस्टीन फाइलें शीतकालीन ओलंपिक से ध्यान भटकाने वाली

मिलान, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की अध्यक्ष किर्स्टी कोवेंट्री ने कहा है कि अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) और जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को लेकर उठे मुद्दे आगामी मिलानो-कोर्टिना शीतकालीन ओलंपिक से ध्यान भटका रहे हैं, जो दुखद है।

मिलान में रविवार को हुई प्रेस कान्फ्रेंस में आईओसी अधिकारियों से इन विषयों पर सवाल पूछे गए। कोवेंट्री ने शुरुआत में इन्हें आईओसी के दायरे से बाहर का विषय बताया, लेकिन जोर देने पर उन्होंने माना कि ऐसी खबरें खेलों से फोकस हटाती हैं। कोवेंट्री ने कहा, इन खेलों से ध्यान भटकाने वाली कोई भी चीज दुखद है। लेकिन वर्षों के अनुभव से हमने सीखा है कि खेलों से पहले हमेशा कोई न कोई मुद्दा सुर्खियों में आ जाता है—चाहे वह जीका रहा हो या कोविड। मगर मुझे भरोसा इस बात से मिलता है कि जब उद्घाटन समारोह होगा और खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा शुरू करेंगे, तब दुनिया फिर से खेलों के जादू और भावना को याद करेगी।

शनिवार को मिलान में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने शीतकालीन ओलंपिक के दौरान आईसीई एजेंटों की तैनाती के विरोध में प्रदर्शन किया। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि एजेंट सड़कों पर नहीं, बल्कि एक नियंत्रण कक्ष में तैनात रहेंगे।

इसी बीच, एपस्टीन से जुड़ी सरकारी फाइलों के हालिया खुलासे में वर्ष 2003 के कुछ ईमेल सामने आए हैं, जो लास एंजेलिस ओलंपिक आयोजन समिति के प्रमुख केसी वासरमैन और एपस्टीन की तत्कालीन साथी घिस्लेन मैक्सवेल के बीच बताए जा रहे हैं।

आईसीई एजेंटों की मौजूदगी पर पूछे गए सवाल पर कोवेंट्री ने कहा, हमारे पास उपलब्ध जानकारी के आधार पर मुझे लगता है कि अमेरिकी प्राधिकरणों ने आवश्यक स्पष्टीकरण दे दिए हैं। सुरक्षा से जुड़े इस पहलू पर हमें आगे टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है। हम खेलों का इंतजार कर रहे हैं।

वासरमैन के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा, इस पर कल चर्चा नहीं हुई थी। वासरमैन अपना बयान दे चुके हैं और हमारी ओर से इसमें कुछ जोड़ने को नहीं है।

फाइलों में आईओसी के दो सदस्यों के नाम भी आए हैं—रिचर्ड कैरियन और जोहान एलियाश—हालांकि किसी भी तरह की गलत भूमिका का कोई संकेत नहीं है। इस पर कोवेंट्री ने कहा, हम मीडिया रिपोर्ट्स पर नजर रख रहे हैं और सामने आई जानकारी को समझने के लिए समय चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मिलानो-कोर्टिना शीतकालीन ओलंपिक 6 से 22 फरवरी तक आयोजित होंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे और उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। कोवेंट्री करीब 10 महीने पहले आईओसी अध्यक्ष चुनी गई थीं और इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं।

यूपीआई और डेबिट कार्ड लेनदेन बढ़ाने 2,000 करोड़ का प्रोत्साहन आवंटित

वित्त वर्ष 2026 के लिए अंतिम आवंटन 2,196.21 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने आम बजट में कम मूल्य वाले यूपीआई पी2एम और रुपे डेबिट कार्ड लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए 2,000 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि आवंटित की है। इन लेनदेन पर शून्य मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) जारी रहेगी, ताकि छोटे व्यापारी डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित हों। वित्त वर्ष 2026 के लिए अंतिम आवंटन 2,196.21 करोड़ रुपए था, जो बजट में प्रस्तावित 437 करोड़ रुपए की राशि से लगभग पांच गुना अधिक है। भुगतान उद्योग का मानना है कि यूपीआई और डेबिट कार्ड प्रणाली के विकास और स्थिरता के लिए कम से कम 10,000-15,000 करोड़ की आवश्यकता थी। इसलिए, सरकार द्वारा आवंटित राशि अपेक्षित प्रोत्साहन का केवल लगभग एक-पांचवां है। पेमेंट्स काउंसिल आफ इंडिया के प्रमुख अधिकारी ने सुझाव दिया कि छोटे व्यापारियों के लिए शून्य एमडीआर जारी रखा जाए, जबकि बड़े व्यापारियों (20 लाख से ज्यादा वार्षिक कारोबार) पर 30 बेसिस प्वाइंट एमडीआर लागू की जा सकती है। उनका कहना है कि बड़े व्यापारी पहले ही क्रेडिट कार्ड पर 2 फीसदी शुल्क दे रहे हैं, इसलिए उन्हें करदाताओं के पैसे से प्रोत्साहित करने की आवश्यकता नहीं। साल 2025 में यूपीआई ने 228.28 अरब लेनदेन दर्ज किए। उद्योग का अनुमान है कि अगले एक दशक में हर महीने 100 अरब यूपीआई लेनदेन किए जा सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि यूपीआई भारत में सबसे पसंदीदा भुगतान विकल्प बना रहेगा।

डालर को टक्करः जिनपिंग ने युआन को इंटरनेशनल रिजर्व बनाने का दिया संकेत

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी डालर के वैश्विक प्रभुत्व को सीधे चुनौती दी है और युआन को मजबूत करेंसी बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि युआन को इतना मजबूत बनाया जाए कि अन्य देश इसे अपने अंतरराष्ट्रीय रिजर्व के रूप में रखें। फिलहाल यह दर्जा अमेरिकी डालर को हासिल है, और जिनपिंग के बयान को डालर की बादशाहत को चुनौती माना जा रहा है। अमेरिका और चीन, दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और आर्थिक प्रभुत्व के मामले में टकराव की स्थिति में हैं। चीन अमेरिकी डालर पर निर्भरता कम करने के लिए इंटरनेशनल ट्रेड में युआन का उपयोग बढ़ा रहा है। पिछले साल उसने अपने 6.2 ट्रिलियन डालर के विदेशी व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा युआन में निपटाया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शी जिनपिंग ने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के सैद्धांतिक जर्नल किउशी में प्रकाशित एक लेख में कहा कि चीन को ऐसी मजबूत मुद्रा बनाने की जरूरत है जिसका बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, निवेश और फारेन एक्सचेंज मार्केट में इस्तेमाल किया जा सके और जो वैश्विक रिजर्व का दर्जा हासिल कर सके। उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि आर्थिक रूप से मजबूत देश की नींव में केवल मजबूत मुद्रा ही नहीं, बल्कि आधुनिक वित्तीय प्रणाली, शक्तिशाली केंद्रीय बैंक, मजबूत वित्तीय संस्थान, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र, कड़ी निगरानी और उच्च स्तरीय वित्तीय टैलेंट शामिल होना चाहिए। जिनपिंग ने कहा कि चीन का वित्तीय विकास पश्चिमी माडल से अलग अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों और विशेषताओं पर आधारित होना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय बाजार पर मार्गन स्टेनली की मजबूत राय

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2027 ने बाजार और निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि सरकार न तो अचानक खर्च में कटौती करने के मूड में है और न ही कर्ज को नजरअंदाज कर रही है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मार्गन स्टेनली के मुताबिक यह बजट कर्ज घटाने, घाटे को काबू में रखने और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के बीच संतुलन बनाता है। रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने जानबूझकर वित्तीय सुधारों की गति को आक्रामक नहीं बनाया है, ताकि अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनी रहे। वित्त वर्ष 27 के लिए वित्तीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रखा गया है, जबकि केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी अनुपात 55.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मार्गन स्टेनली का मानना है कि ये आंकड़े चिंताजनक नहीं हैं और सरकार ने फिस्कल गणित सोच-समझकर तैयार किया है। ब्रोकरेज ने बजट भाषण की शुरुआत में सेमीकंडक्टर जैसे शब्द के इस्तेमाल को सरकार की बदलती प्राथमिकताओं का संकेत बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर मिशन आईएसएम 2.0, रेयर अर्थ मैग्नेट और पुराने औद्योगिक क्षेत्रों को मजबूत करने पर खास जोर दिया गया है। सेवाओं के क्षेत्र को भी बजट में अहम जगह दी गई है। डेटा सेंटर्स को टैक्स में राहत दी गई है और 2047 तक वैश्विक सेवाओं के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे आईटी, डिजिटल और टेक्नोलाजी सेक्टर को लंबी अवधि में फायदा मिलने की उम्मीद है।

जनवरी में देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि में मामूली सुधार हुआः पीएमआई

नई दिल्ली। एचएसबीसी इंडिया के मासिक सर्वेक्षण में जनवरी में विनिर्माण गतिविधियों में सुधार देखा गया। मौसमी रूप से समायोजित पीएमआई 55.4 पर पहुंचा, जो दिसंबर के 55 से थोड़ा ऊपर है। पीएमआई में 50 से ऊपर का अंक विस्तार और 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। सर्वेक्षण के अनुसार नए आर्डर, उत्पादन और रोजगार में वृद्धि के कारण विनिर्माण क्षेत्र में गति बनी। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि घरेलू बाजार से कुल बिक्री में मुख्य योगदान मिला। हालांकि निर्यात आर्डर में भी वृद्धि हुई, लेकिन इसकी रफ्तार अपेक्षाकृत कम रही। जिन कंपनियों के निर्यात आर्डर बढ़े, उन्होंने एशिया, आस्ट्रेलिया कनाडा, यूरोप और पश्चिम एशिया से मांग में इजाफा बताया। जनवरी में वस्तु उत्पादक कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती जारी रखी। रोजगार सृजन की गति मामूली रही, लेकिन पिछले तीन महीनों में सबसे तेज रही। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि नई तकनीक और निवेश ने उत्पादन को समर्थन दिया। कच्चे माल की कीमतें चार महीनों के उच्चतम स्तर तक बढ़ीं, जबकि फैक्ट्री-गेट कीमतों में वृद्धि धीमी रही। इससे विनिर्माताओं के मुनाफे पर हल्का दबाव पड़ा। हालांकि नए आर्डर में तेजी आई, भविष्य के उत्पादन के प्रति कारोबारी विश्वास साढ़े तीन साल के सबसे निचले स्तर पर रहा। केवल 15 फीसदी कंपनियों ने उत्पादन बढ़ने की उम्मीद जताई, जबकि 83 फीसदी ने बदलाव की कोई संभावना नहीं बताई।

भारत के केंद्रीय बजट का नेपाल पर पड़ेगा प्रभाव

काठमांडू, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत का केंद्रीय बजट रविवार को पेश हो चुका है। नेपाल और भारत के बीच गहरे आर्थिक और भौगोलिक संबंधों के कारण भारत के आम बजट के कई प्रावधानों का नेपाल पर प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ता है। इनमें से कुछ प्रावधान भारत के साथ-साथ नेपाल के लिए भी लाभकारी हो सकते हैं।

परिवहन और कनेक्टिविटी

भारत सरकार ने बुनियादी ढांचा क्षेत्र में व्यापक निवेश की घोषणा की है। भारत ने नेपाल की पूर्वी सीमा से जुड़े सिलीगुड़ी तक हाई-स्पीड रेल बनाने की घोषणा की है। बजट में घोषित सात नए हाई-स्पीड रेल कारिडोर में वाराणसी-सिलीगुड़ी कारिडोर भी शामिल है। इस रेल नेटवर्क के विस्तार से नेपाल और भारत के बीच पारवहन और ढुलाई और अधिक तेज़ व प्रभावी हो सकती है। इसी तरह, 20 नए राष्ट्रीय जलमार्गों और अतिरिक्त डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर के निर्माण की भी घोषणा की गई है। इससे नेपाल के आयात-निर्यात की लागत घटने में मदद मिलने की संभावना है।

व्यापार सहजीकरण और ई-कामर्स

भारत के बजट में कूरियर के माध्यम से होने वाले निर्यात पर लागू 10 लाख रुपये की सीमा को पूरी तरह हटा दिया गया है। इससे भारत के छोटे उद्यमियों और स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच आसान होगी, जिसका लाभ नेपाल-भारत सीमा पार ई-कामर्स कारोबार को भी मिल सकता है। इसके अलावा, कस्टम्स इंटीग्रेटेड सिस्टम और डिजिटल विंडो की शुरुआत से सीमा शुल्क प्रक्रियाएं तेज होंगी, जिससे नेपाल आने-जाने वाले सामानों की क्लीयरेंस में होने वाली देरी कम हो सकती है। ऊर्जा और नवीकरणीय प्रौद्योगिकी भारत ने सौर ऊर्जा और बैटरी उत्पादन के लिए आवश्यक लिथियम-आयन बैटरियों पर सीमा शुल्क में छूट और अन्य प्रोत्साहन योजनाएं लागू की हैं। भारत में सौर और बैटरी तकनीक सस्ती होने पर इसका सकारात्मक असर नेपाल पर भी पड़ सकता है। नेपाल में भी बैटरी स्टोरेज सोलर परियोजनाओं पर चर्चा हो रही है, ऐसे में भारत की नीतियों से नेपाल को लाभ मिल सकता है। दूसरी ओर, भारत ने परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश बढ़ाने की घोषणा भी की है, जिससे दक्षिण एशिया के समग्र ऊर्जा बाजार के स्वरूप में बदलाव आ सकता है। भारत में बिजली की दरें घटने की स्थिति में नेपाल के लिए यह प्रतिकूल हो सकता है, क्योंकि नेपाल की जलविद्युत का दीर्घकालीन बाजार भारत ही है।

भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ने से नेपाली किसानों पर असर

भारत और नेपाल के बीच कृषि उत्पादों के व्यापार में शुल्क-मुक्त सुविधा है। भारत के 2026-27 के बजट में कृषि क्षेत्र की उत्पादन लागत घटाने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए नई तकनीक और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित कई योजनाएं लाई गई हैं। भारत में उत्पादन लागत घटने से वहां के सस्ते कृषि उत्पाद आसानी से नेपाली बाजार में प्रवेश कर सकते हैं। भारत सरकार ने भारत-विस्तार नामक बहुभाषी एआई टूल भी लान्च किया है, जो किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता, मौसम और खेती की सर्वोत्तम पद्धतियों पर अनुकूलित सलाह देगा। इससे उर्वरक और बीज की बर्बादी कम होगी और उत्पादन बढ़ेगा, जिससे भारतीय कृषि उत्पादों की लागत और घट सकती है। नेपाल और भारत की खुली सीमा और समान भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में खेती के तौर-तरीके भी समान हैं। ऐसे में भारतीय किसानों को मिलने वाली जानकारी से नेपाली किसान भी लाभान्वित हो सकते हैं। इसके अलावा, बजट में डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर और 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग शुरू करने की घोषणा से कृषि उत्पादों की ढुलाई लागत घटेगी, जिससे भारतीय सब्जियां और खाद्यान्न नेपाल में और सस्ते हो सकते हैं। डिजिटल विंडो के माध्यम से क्लीयरेंस प्रक्रिया तेज़ होने से ताजे फल और सब्जियां कम लागत में नेपाली सीमा तक पहुंच सकेंगी।

नया बौद्ध सर्किटः अवसर या चुनौती

भारत ने पूर्वोत्तर राज्यों में नए बौद्ध सर्किट के विकास के लिए विशेष योजना प्रस्तावित किया है। इस सर्किट के तहत अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के बौद्ध मठों और मंदिरों को जोड़ा जाएगा। इन राज्यों के नेपाल से गहरे भौगोलिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। ऐसे में वहां तीर्थयात्रियों के लिए बुनियादी ढांचे के विकास से नेपाल के लुंबिनी (भगवान बुद्ध की जन्मस्थली) तक पर्यटकों की आवाजाही बढ़ सकती है। लुंबिनी के अलावा नेपाल में पूर्व से पश्चिम तक कई बौद्ध मठ, स्तूप और धरोहर स्थल हैं। यदि भारत के बौद्ध सर्किट को नेपाल की इन धरोहरों से जोड़ने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार किया गया, तो नेपाल को बड़ा लाभ मिल सकता है। वाराणसी-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कारिडोर भी अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटकों को नेपाल तक आकर्षित करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

क्षेत्रीय पर्यटन और शहरी आधुनिकीकरण

भारत ने प्रत्येक शहर आर्थिक क्षेत्र योजना के तहत 50 अरब रुपये निवेश करने की घोषणा की है, जिससे मध्यम और छोटे शहरों का बुनियादी ढांचा विकसित होगा। सीमावर्ती भारतीय शहरों में आधुनिक अस्पताल, होटल और परिवहन सुविधाओं के विस्तार से नेपाली नागरिकों को भी लाभ मिल सकता है। इससे नेपाल-भारत-भूटान को शामिल करने वाले बहु-देशीय पर्यटन पैकेज चलाना भी लाजिस्टिक रूप से आसान हो सकता है।

भारत का अनुदान

भारत के अनुदान से नेपाल में कई विकास परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। इसके अलावा, चुनावों के लिए वाहन उपलब्ध कराने से लेकर स्कूल बस और एंबुलेंस देने तक भारत सरकार नेपाल को सहयोग करती रही है। भारत ने इस वर्ष नेपाल को सात अरब रुपये अनुदान देने की घोषणा की थी, जिसे बढ़ाकर 8.3 अरब रुपये किया गया है।

जिंस की लागत बढ़ने से कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार किया जाएगाः मारुति सुजुकी

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने सोमवार को संकेत दिया कि कच्चे माल और कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतों के कारण कंपनी अपने वाहनों की कीमतों में संभावित वृद्धि पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी हमेशा ग्राहकों पर लागत का बोझ कम से कम रखने का प्रयास करती रही है। हालांकि, एक सीमा के बाद लागत बढ़ोतरी को ग्राहकों पर स्थानांतरित करना आवश्यक हो सकता है।

कंपनी ने कहा, जीएसटी दरों में कटौती के बाद बाजार में मजबूत बनी हुई है मांग

उन्होंने बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती के बाद बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। सितंबर 2025 में जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद कंपनी ने एस-प्रेसो, आल्टो, सेलेरियो और वैगन-आर की कीमतों में 79,600 रुपये से 1,29,600 रुपये तक की कटौती की थी। कंपनी के पास वर्तमान में 1.75 लाख लंबित आर्डर हैं, जबकि जनवरी में 2.78 लाख नई बुकिंग मिली, जो सालाना आधार पर 25 फीसदी की वृद्धि दर्शाती है। रोजाना लगभग 9,000 से 10,000 बुकिंग हो रही हैं। जनवरी में कुल बिक्री 2,36,963 इकाई दर्ज की गई, जबकि निर्यात 51,020 इकाई तक पहुंचकर रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। मारुति की नई एसयूवी विक्टोरिस ने पांच महीने में 50,000 इकाई की बिक्री पार कर ली है। हरियाणा के खरखौदा संयंत्र को अप्रैल 2026 तक परिचालन में लाया जाएगा। इसके बाद गुजरात संयंत्र में चौथी उत्पादन लाइन शुरू होगी, जिससे सालाना पांच लाख इकाई की अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी। इस महीने घरेलू बाजार में इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा भी लान्च होगी।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की जनवरी में बिक्री 15 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की जनवरी में कुल बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 33,880 इकाई हो गई। जनवरी 2025 में यह 29,371 इकाई रही थी। मोटर वाहन कंपनी ने बयान में कहा कि घरेलू बिक्री जनवरी 2025 की 26,178 इकाई के मुकाबले 17 प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने 30,630 इकाई हो गई।वहीं निर्यात भी दो प्रतिशत बढ़कर 3,250 इकाई रहा जो एक साल पहले इसी महीने 3,193 इकाई रहा था। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) के एक कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि वर्ष 2026 की शुरुआत सकारात्मक और उत्साहजनक रही है। हमारे उत्पाद खंड की निरंतर मजबूती व गुणवत्ता के साथ ही सुरक्षा एवं स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर ग्राहकों के विश्वास से यह गति बनी हुई है।

रिकार्ड स्तर से फिसले सोना-चांदी के भाव, मुनाफावसूली का दबाव बरकरार

सोना 1.44 लाख और चांदी लगभग 2.57 लाख रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली, 02 फरवरी (एजेंसियां)।

सोने और चांदी के वायदा भाव रिकार्ड ऊंचाई से तेज मुनाफावसूली के चलते दबाव में आ गए हैं। सोमवार को घरेलू बाजार में सोने की शुरुआत सुस्त रही, जबकि चांदी ने तेज शुरुआत के बाद गिरावट दर्ज की। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव 1,44,500 रुपये और चांदी के भाव 2,57,000 रुपये के आसपास कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कान्ट्रैक्ट 1,753 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,000 रुपये पर खुला था, जबकि पिछला बंद भाव 1,47,753 रुपये था। कारोबार के दौरान इसमें और कमजोरी आई और यह 3,281 रुपये की गिरावट के साथ 1,44,472 रुपये तक फिसल गया। दिन के दौरान सोने ने 1,46,500 रुपये का उच्च और 1,43,501 रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि पिछले महीने सोना 1,80,779 रुपये के रिकार्ड स्तर तक पहुंचा था। वहीं चांदी ने एमसीएक्स पर मार्च कान्ट्रैक्ट ने 1,849 रुपये की तेजी के साथ 2,67,501 रुपये पर कारोबार शुरू किया। हालांकि शुरुआती बढ़त टिक नहीं पाई और 8,575 रुपये की गिरावट के साथ 2,57,077 रुपये पर आ गया। दिन के दौरान चांदी ने 2,67,501 रुपये का उच्च और 2,55,652 रुपये का निचला स्तर देखा। पिछले महीने चांदी ने 4,20,048 रुपये प्रति किलो का रिकार्ड बनाया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मुनाफावसूली का असर दिखा। कामेक्स पर सोना 4,807.70 डालर प्रति औंस पर खुलने के बाद गिरकर 4,691.30 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। इस साल सोना 5,586.20 डालर के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। वहीं कामेक्स पर चांदी 84.30 डालर पर खुली और बाद में गिरकर 81.41 डालर प्रति औंस पर आ गई, जबकि इस महीने इसका उच्चतम स्तर 121.79 डालर रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दारू रखते हो तो ....

घर खाली था, ताला टूटा हुआ था और चोर ने बड़े इत्मीनान से कीमती सामान जैसे लैपटॉप, टीवी, परफ्यूम, कपड़े इकट्ठा कर लिए और पूरा घर खाली कर गया, लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि चोरी के बाद चोर ने घर की दीवार पर लिपस्टिक से लिखा, थाने के चक्कर काटोगे तो वक्त बर्बाद होगा, बिहारी बाबू। इसके अलावा एक कागज पर पेन से यह भी लिखा गया कि दारू रखते हो तो साथ में आलू चिप्स, चखना भी रखा करो। चोर ने लिखा, रिपोर्ट मत करना, तुम मुझे भूल जाना, मैं तुम्हें भूल जाऊंगा।

चोर ने दीवार पर यह भी लिखा कि वह मकान मालिक का खाना खा चुका था और आनंद आया, लेकिन मजबूरी में पहली बार चोरी करनी पड़ी। जाते-जाते उसने धन्यवाद भी लिखा। चोरी की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, फिंगरप्रिंट जुटाए गए और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

पीड़ित अधिकारी सोहन जांगिड़ ने बताया कि वे शहर से बाहर थे और लौटकर ही इस चोरी की जानकारी मिली। उन्होंने चोरी किए गए सामान की सूची पुलिस को सौंप दी है। कोतवाली थाना के एसएचओ सुरजा राम ने पुष्टि करते हुए बताया कि आईजीएनपी कॉलोनी में चोरी हुई है। चोर ने टीवी, लैपटॉप, शर्ट और कोट समेत कई कीमती सामान चुराए और दीवार तथा कागजों पर कई बातें लिख गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और उम्मीद है कि जल्द ही चोर को पकड़ा जाएगा।

सोशल मीडिया पर लोग चोर की हिम्मत और चतुराई पर हैरान हैं। अब सवाल यह है कि क्या यह केवल हंसी-मजाक बनकर रह जाएगा या पुलिस इसे सख्त कानून की मिसाल में बदल पाएगी। फिलहाल, जैसलमेर की यह चोरी की कहानी अपने अनोखे अंदाज के कारण लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है, और पुलिस इसे हल्के में लेने के मूड में नहीं है।

गायब हुआ बच्चा ....

रिपोर्ट के अनुसार एफआईआर में पिता ने दावा किया कि जिन्नों ने उसके बेटे को जबरदस्ती अपने साथ ले जाने के लिए मजबूर किया। पिता का कहना है कि यह पहली बार नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले भी कई बार जिन्न उनके बेटे को अपने साथ ले जा चुके हैं, लेकिन हर बार कुछ समय बाद बच्चा वापस घर लौट आता था।

इस घटना के सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं. हालांकि पुलिस इस मामले को लेकर जांच कर रही है और बच्चे की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जाएगी।

बताया जा रहा है कि पुलिस बच्चे के लापता होने के पीछे अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस आधिकारिक तौर पर किसी अलौकिक कारण की पुष्टि नहीं कर रही है।

यह मामला सोशल मीडिया और स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से बचने और सही जानकारी मिलने तक इंतजार करने की अपील की है.

सेना की वर्दी में .....

आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की तत्परता के कारण सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रण में लिया जा सका। फिलहाल, अभियान जारी है और आगे की जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

बता दें कि सांबा जिला अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटा हुआ है, जिसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पास है। इस क्षेत्र में आतंकी संगठन पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद, नकदी और नशीले पदार्थ भेजने की कोशिश करते रहे हैं।

बीएसएफ और भारतीय सुरक्षा बल इन ड्रोन को मार गिराने के लिए हाई-टेक एंटी-ड्रोन उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं। कई बार ये ड्रोन सीमा पार से ही वापस लौटने पर मजबूर हो जाते हैं। इसके अलावा, कुछ मौकों पर पाकिस्तानी रेंजर्स की फायरिंग की आड़ में आतंकियों के घुसपैठ की कोशिशें भी सामने आई हैं।

वहीं, सीमा पार से खोदी गई सुरंगें भी कई बार बीएसएफ द्वारा पकड़ी गई हैं।

जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर भी आतंकियों द्वारा ड्रोन और घुसपैठ की कोशिशें होती रहती हैं। एलओसी की सुरक्षा सेना करती है, जो बारामूला, कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिलों के साथ-साथ पूंछ, राजौरी और जम्मू क्षेत्र के कुछ हिस्सों में फैली हुई है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 03 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

कांग्रेस ने संकटग्रस्त तेलंगाना को दो वर्षों में कल्याणकारी राज्य में बदला : श्रीनिवास रेड्डी

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना की जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप परिवर्तन को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया है और सत्ता में आने के मात्र दो वर्षों के भीतर उनके विश्वास को कायम रखा है।सचिवालय में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की आधुनिक वेबसाइट का उद्घाटन करने के बाद अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि जब कांग्रेस ने कार्यभार संभाला था, तब राज्य सभी क्षेत्रों में, विशेष रूप से आर्थिक मोर्चे पर, गंभीर संकट का सामना कर रहा था।उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में हम इन चुनौतियों पर कदम-दर-कदम विजय प्राप्त कर रहे हैं और विकास एवं कल्याण को गति दे रहे हैं। यह कहते हुए कि कांग्रेस का शासन कल्याण का पर्याय है, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि सरकार ने तेलंगाना को अल्प समय में ही संकट वाले राज्य से एक कल्याणोन्मुख राज्य में बदल दिया है। उन्होंने उल्लेख किया कि 'प्रजा सरकार' (जनता की सरकार) द्वारा लिया गया हर निर्णय नागरिकों के जीवन में दृश्यमान परिवर्तन ला रहा है। मंत्री ने कहा कि कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आवास, राशन कार्ड के माध्यम से बारीक चावल की आपूर्ति और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों में सुधार तेलंगाना को देश के लिए एक आदर्श (रोल मॉडल) बना रहे हैं।संचार के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी पहलों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों के तेज और अधिक कुशल प्रसार को सुनिश्चित करने के लिए तकनीक का व्यापक उपयोग करें।शासन के दो वर्ष पूरे होने और तीसरे वर्ष में प्रवेश का संदर्भ देते हुए मंत्री ने कहा कि हालांकि यह अवधि कम थी, लेकिन सरकार की उपलब्धियां महत्वपूर्ण रही हैं। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा सरकार ने पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद छह गारंटियों को लागू करना शुरू कर दिया था और चुनावी वादों से इतर भी कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं।

उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज कर रहा है और आर्थिक विकास में अग्रणी बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राइजिंग02047 दृष्टिकोण के साथ, सरकार का लक्ष्य राज्य को भारत और विश्व स्तर पर शीर्ष स्थानों पर स्थापित करना है।मंत्री ने कहा कि सरकार दोतरफा रणनीति अपना रही हैएक तरफ वैश्विक शहरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करना और साथ ही गरीबों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कल्याणकारी लाभ सुनिश्चित करना।उन्होंने अंत में कहा, ''पारदर्शी शासन, आधुनिक विकास और कल्याण के एक नए अध्याय के माध्यम से, तेलंगाना मात्र दो वर्षों में एक राष्ट्रीय रोल मॉडल के रूप में उभरा है।''

इस अवसर पर आई एंड पीआर कमिश्नर सी.एच. प्रियंका, मुख्यमंत्री के सीपीअ-रपीओ जी. मल्सूर, सूचना विभाग के अतिरिक्त निदेशक डी.एस. जगन, संयुक्त निदेशक रमण और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जैन समाज की प्रमुख संस्था - श्री जैन सेवा संघ के अध्यक्ष चुने जाने पर शासन सेवी, युवा रत्न उमेश बागरेचा का अभिनंदन करते हुए तारादेवी पारेख, साथ मे धीरज पारेख, दिपीका बागरेचा, नरेश पारेख, कोमल पारेख, शुभ, मोक्ष ।

श्री रामदेवजी महाराज का जम्मा जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 2 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री रामाधनी खम्माधनी सेवा समिति, अत्तापुर के तत्वावधान में श्री रामदेवजी महाराज का जम्मा जागरण अत्तापुर स्थित श्री राम मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के संयोजक श्रीकांत जोशी द्वारा जारी प्रेस वि प्ति के अनुसार, कार्यक्रम का शुभारंभ श्री रामदेवजी महाराज के विधिवत पूजन एवं जागरण ज्योत प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर श्री रामदेवजी महाराज के जन्मवृत्तांत, उनके ब्यावला सहित कई अन्य भक्ति भजनों की प्रस्तुति दी गई।

भजन प्रस्तुति श्री रामदेव भक्त संगम के प्रमुख भजन गायक सुशील गोपाल बजाज द्वारा दी गई, जिन्होंने अपने समधुर एवं भक्तिमय भजनों से संपूर्ण वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में श्री गणेशजी की झांकी, हनुमानजी की झांकी, वेंकटेश बालाजी की झांकी, नारदजी की झांकी, लक्ष्मी-नारायण भगवान की झांकी, बिरमदेवजी की झांकी, बालरूप रामदेवजी की झांकी, रामदेवजी-नेतल जी के विवाह की आलौकिक झांकीया, अखंड ज्योत एवं महाप्रसाद आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथियों के रूप में समाजसेवी श्री प्रवीण विनय जी नावंदर(एम आई एम नेता), श्री गोपाल जी बलदेवा (समाज सेवी), श्री पंकज जी उपाध्याय (समाज सेवी)एवं श्री दत्तात्रेय जी इंगड़े (समाज सेवी),रमेश कुमार जी बंग ,अमित जी लड़ा,कैलाश जी मंत्री ,रूपेश जी सोनी,अरुण जी डाकोटिया,चिमनलाल सुरेश कुमार जी का समिति सदस्यों द्वारा शॉल और माला से स्वागत किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से पधारे वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों एवं सहयोग कर्ताओं का भी सम्मान किया गया।पुलिस प्रशासन श्री रवि साहब (स बी ऑफिसर) श्री नर्सिमा साहब (इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट) का भी संयोग रहा

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री रामाधनी खम्माधनी सेवा समिति के सदस्यों - श्रीकांत जोशी, बाबूलाल जोशी, सुरेश कुमार मोदी, नरेश डोबा, जयप्रकाश जोशी, अशोक शर्मा, पन्नालाल शर्मा, प्रकाश जोशी, मनमोहन काबरा, हेमंत कुमार चांडक, विजय व्यास, संतोष कुमार दरगड़, विशाल जोशी, राजेंद्र अग्रवाल, प्रहलाद सारडा, आनंद व्यास, दिनेश चांडक, बाबूलाल शर्मा, जुगल किशोर शर्मा, जय चांडक, सुमित जोशी, गणपत राजपुरोहित , प्रकाश राजपुरोहित, ओमप्रकाश बंग, पुरनमल कुमावत, जगदीश प्रसाद तिवारी, महेंद्र सारडा, संजय पंचारिया, चांदरतन उपाध्याय, गोपाल तिवारी, कमल कुमार भूतड़ा , विष्णु प्रकाश राठी, रतनलाल नाहटा, लक्ष्मीकांत जोशी, रमेश राजपुरोहित, राजेंद्र बेहवाल, प्रशांत सारडा, जितेंद्र जोशी, संकेत सोनी, गोपाल जाजू, राजेश शर्मा, जितेंद्र लाल उपाध्याय, प्रेम मूंदड़ा, नवीन शिवाल, श्रीकांत मित्तल, श्रवण कुमार व्यास, पंडित रजत कौशिक, आनंदराज राठी, श्रीगोपाल सारड़ा, राजेश करवा, विनोद जोशी, पवन शर्मा, सुरेशचंद दूबे, कैलाश खटोड़, भवरलाल रेनवा, आनंद चौकड़ा, प्रदीप नावंदर, ईशांत व्यास एवं राधेश्याम इनानी का विशेष संयोग रहा।इस अवसर पर धर्मेंद्र जोशी, कमल डोबा,रामदेव बंग, आशीष जोशी, दीपक जोशी, अनिकेत जोशी, प्रेम तोषनीवाल, आकाश जोशी ,मॉन्टी अग्रवाल , ओमप्रकाश जोशी ,प्रतीक सारडा ,आकाश जोशी एवं शौर्य गिलड़ा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्री रामदेवजी महाराज के भक्तों ने भाग लिया तथा भव्य आलौकिक झांकियों, जागरण ज्योत के दर्शन कर महाप्रसाद का लाभ लिया।तीनों आरतियों के पश्चात कार्यक्रम के समापन अवसर पर भजन गायक सुशील गोपाल बजाज ने विगत चार वर्षों की भांति इस वर्ष भी पांचवीं बार भव्य जागरण आयोजन के लिए श्री रामाधनी खम्माधनी सेवा समिति के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

तेलंगाना नगर निकाय चुनाव: भाजपा ने एलईडी प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 2 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को पूरे तेलंगाना में आगामी नगर पालिका और नगर निगम चुनावों के लिए अपना जनसंपर्क मजबूत करने के उद्देश्य से आधुनिक एलईडी स्क्रीन से लैस प्रचार रथों के बेड़े को लॉन्च किया।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने यहाँ पार्टी के प्रदेश कार्यालय में इन एलईडी प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि ये रथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा कार्यान्वित विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ-साथ स्थानीय शासन के लिए भाजपा के दृष्टिकोण को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

रामचंद्र राव ने कहा कि रथों पर लगी एलईडी स्क्रीन पार्टी की नीतियों, केंद्र सरकार की योजनाओं और शहरी विकास के प्रस्तावों को स्पष्ट और सुलभ तरीके से लोगों तक पहुँचाने में मदद करेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि आगामी नगर निकाय चुनावों में सार्वजनिक समस्याओं का समाधान करना भाजपा का प्राथमिक एजेंडा रहेगा।

एलईडी प्रचार रथों के उद्घाटन के अवसर पर महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा तेलंगाना नगर निकाय चुनाव प्रभारी आशीष शेलार, राजस्थान के पूर्व मंत्री व तेलंगाना सह-प्रभारी अशोक परनामी, राज्यसभा सांसद व सह-प्रभारी रेखा शर्मा, पूर्व राज्यसभा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव सहित राज्य के वरिष्ठ पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हैदराबाद के अस्पताल के बाहर प्रशंसकों ने अभिनेता राम चरण और उनकी बेटी को घेरा

हैदराबाद, 02 फ़रवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलुगु अभिनेता राम चरण को रविवार को हैदराबाद के एक अस्पताल के बाहर प्रशंसकों की भारी भीड़ ने घेर लिया, जब वे अपनी पत्नी उपासना कोनिडेला और अपने नवजात जुड़वा बच्चों से मिलने पहुंचे थे।

इस दौरान अभिनेता के साथ उनकी दो साल की बेटी क्लिन कारा कोनिडेला भी मौजूद थीं।सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में राम चरण को अपनी बेटी को गोद में लिए हुए घनी भीड़ के बीच से रास्ता बनाने की कोशिश करते देखा जा सकता है।

द तेलंगाना टी मर्चेंट एसोसिएशन की वार्षिक सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। द तेलंगाना टी मर्चेंट एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा एवम चुनाव आला लिबर्टी रेस्टोरेंट बंजारा हिल्स पर बहुत ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सचिव श्री सुरेन्द्र अग्रवाल ने गत साधरण सभा की कार्य वाही का वाचन करते हुए सभी सदस्यो को साल भर में किए गए कार्यो की जानकारी दी गई। कुछ सदस्यो के शंका समाधान का संतुष्टि पूर्वक जवाब देते हुए अध्यक्ष श्री दरवेश हमीदुदीन साहिद ने एसोसिएशन को और मजबूत बनाने पर जोर देते हुए सभी सदस्यो के सहयोग और समर्थन करने का अनुरोध किया।

कार्य वाही को आगे बढ़ाते हुए

चुनाव आधिकारी श्री बिमल कुमार हीरावत को चुनावी प्रक्रिया सम्पन्न करवाने के लिए आमंत्रित किया गया। आपने अपने सहयोगी श्री दरवेश इकराम को मंच पर बुलवाकर चुनावी प्रक्रिया प्रारंभ की।

चुनाव बड़े ही सौहार्द पूर्ण वातावरण में

सर्वसम्मति से संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी जी ने सर्वसम्मति से नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री दरवेश हमीदूदीन शाहिद , उपाध्यक्ष महेंद्र जी पारिख, सचिव सुरेंद्र अग्रवाल, सहसचिव बशीर अहमद और कार्यकारी सदस्यों संजय मंगल, राशिदूद्दीन हामिद, अमित अग्रवाल और हितेश भूपता और अब्दुल वाहेद को पद एवम् गोपनीयता की शपथ दिलाई।

तत्पश्चात सहसचिव श्री बशीर अहमद जी ने सभी का धन्यवाद करते हुए सभा का समापन किया।

शुक्लपक्ष पूर्णिमा के पावन अवसर पर डॉ. तरुण जोशी, आईजीपी एवं अच्युत राव बोपन्ना ने आलेर स्थित कुलनपाक तीर्थ में आदिनाथ भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर मुथा जी द्वारा उनका गरिमामय बहुमान किया गया।

आंध्र प्रदेश राज्य को रेलवे परियोजनाओं के लिए 10,134 करोड़ का भारी बजट आवंटन (2026-27)

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बजट की मुख्य बातें बताईंआंध्र प्रदेश राज्य में विभिन्न रेलवे परियोजनाओं के विकास के लिए 92,649 करोड़ की लागत से कार्य चल रहे हैं।

केंद्रीय बजट, जिसमें रेलवे के लिए आवंटन भी शामिल है, 1 फरवरी 2026 को संसद में पेश किया गया।भारत सरकार के माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज यानी 2 फरवरी 2026 को नई दिल्ली से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों से संबंधित आवंटनों की मुख्य बातें साझा करने के लिए एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित प्रेस बैठक में उपस्थित थे।विजयवाड़ा, गुंटूर और गुंटकल मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक अपने-अपने मुख्यालयों से वीडियो लिंक के माध्यम से शामिल हुए।

आंध्र प्रदेश राज्य से संबंधित रेलवे बजट की मुख्य विशेषताएँ:

श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आंध्र प्रदेश राज्य को वर्ष 2026-27 के लिए 10,134 करोड़ का रिकॉर्ड बजट आवंटन किया गया है।उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 से 2014 के दौरान संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य के लिए औसत वार्षिक बजट केवल 886 करोड़ था।इस प्रकार, 2009-14 की अवधि की तुलना में अब 11 गुना अधिक बजट आवंटित किया गया है।

माननीय मंत्री ने बताया कि आंध्र प्रदेश राज्य में 92,649 करोड़ मूल्य की विभिन्न अवसंरचना परियोजनाएँ वर्तमान में चल रही हैं।उन्होंने यह भी बताया कि आंध्र प्रदेश का रेलवे नेटवर्क अब 100% विद्युतीकृत (Electrified) हो चुका है।

माननीय मंत्री ने कहा कि देशभर में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर स्थापित किए जा रहे हैं।इनमें से दो कॉरिडोर - हैदराबाद-बेंगलुरु और हैदराबाद-चेन्नई - मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश राज्य से होकर गुजरेंगे, जिससे राज्य के लोगों को बहुत लाभ मिलेगा।

इन दोनों हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर से यात्रा समय में भारी कमी आएगी।साथ ही ये कॉरिडोर शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार आदि क्षेत्रों में आर्थिक विकास के गलियारे (Economic Growth Corridors) के रूप में काम करेंगे।

नई हाई-स्पीड ट्रेनों की शुरुआत से हैदराबाद-बेंगलुरु के बीच यात्रा समय लगभग 2 घंटे,और हैदराबाद-चेन्नई के बीच यात्रा समय लगभग 2 घंटे 55 मिनट होने की संभावना है।

बड़े-बड़े परियोजनाओं में निरंतर निवेश से यह सुनिश्चित किया गया है कि आने वाले वर्षों में रेलवे बजटआंध्र प्रदेश राज्य में अवसंरचना विकास और बेहतर संपर्क (Connectivity) का प्रमुख चालक बना रहेगा।

-सुरेश कश्यप
सीनियर जर्नलिस्ट

बजट 2026: विकास, विश्वास और भविष्य की नींव : प्रकाश पिरगल

बेंगलूरु, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 देश की आर्थिक प्रगति को नई गति देता है। यह बजट आत्मनिर्भर भारत, रोजगार सृजन और समावेशी विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है।

बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर विशेष ज़ोर दिया गया है। सड़क, रेल, शहरी परिवहन और लॉजिस्टिक्स के सशक्तिकरण से निवेश बढ़ेगा और उद्योगों को गति मिलेगी। इन कथनों के साथ भारत सरकार में राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड, नई दिल्ली के सदस्य प्रकाश पिरगल ने अपने प्रेस बयान में बजट प्रतिक्रिया में कहा कि एमएसएमई, स्टार्टअप एवं व्यापारियों के लिए ऋण सुविधा, डिजिटल प्लेटफॉर्म और व्यापार सुगमता को बढ़ावा दिया गया है, जिससे छोटे व मध्यम व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए किसान आय वृद्धि, सिंचाई विस्तार और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान दिया गया है।

साथ ही महिलाओं और युवाओं के कौशल विकास को प्राथमिकता दी गई है। बकौल पिरगल स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल सेवाओं को मानव संसाधन विकास की आधारशिला मानते हुए गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं के विस्तार पर बल दिया गया है।कुल मिलाकर, बजट 2026 विकसित, आत्मनिर्भर और समावेशी भारत के निर्माण की स्पष्ट दिशा तय करता है।

बजट 2026 समग्र रूप से संतुलित और विकासोन्मुख

- पंकज कुमार अग्रवाल

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को उनके 9वे बजट प्रस्तुत करने पर बधाई देते हुए पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया कि केंद्रीय बजट 2026 को समग्र रूप से संतुलित और विकासोन्मुख कहा है। अशोक फेडरेशन अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और बुनियादी ढांचे पर ध्यान देकर दीर्घकालीन विकास की दिशा मजबूत करने की कोशिश की है। कुछ जरूरी वस्तुओं के सस्ते होने से आम उपभोक्ता को राहत मिलने की उम्मीद है, जबकि लक्ज़री और आयातित वस्तुओं के महंगे होने से उच्च वर्ग पर भार बढ़ेगा । श्री अग्रवाल ने कहा कि मध्यम वर्ग को प्रत्यक्ष करों में बड़ी राहत न मिलने से कुछ निराशा भी है। कुल मिलाकर यह बजट बड़े सुधारों की बजाय स्थिरता और भविष्य की तैयारी पर केंद्रित नजर आता है। बजट मे सेना के आधुनिकीकरण और स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर जोर देकर राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती देने का भी प्रयास किया गया है।

हैदराबाद से पटना जाने वालों को बजट 2026 में नहीं मिली राहत

-बिनय यादव
तेलंगाना बिहार सहयोग समिति

तेलंगाना बिहार सहयोग समिति ने केंद्रीय बजट 2026 में हैदराबाद से पटना के लिए नई ट्रेन की घोषणा न होने पर निराशा जताई है। समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने बताया कि यहां बिहार, यूपी और झारखंड के लाखों लोग निवास करते हैं, जिन्हें पटना और आसपास के क्षेत्रों के लिए बेहतर रेल सुविधा की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में यहां से पटना जाने वाली एक ट्रेन है, जिसमें यूपी और बिहार के भक्त बनारस-अयोध्या की यात्रा के लिए बड़ी संख्या में जाते हैं। दरभंगा एक्सप्रेस सप्ताह में केवल तीन दिन चलती है। यदि इसे रोजाना कर दिया जाए तो भी यात्रियों को काफी राहत मिल सकती है।

समिति ने कई बार मंत्री, विधायक और सांसदों से निवेदन किया था और उन्हें आश्वासन मिला था कि 2026-27 के बजट में पटना के लिए एक नई ट्रेन शुरू की जाएगी। लेकिन बिहार में चुनाव होने के कारण केवल आश्वासन ही मिला, कोई ठोस घोषणा नहीं हुई।

श्री यादव ने कहा कि समिति अपनी कोशिश जारी रखेगी। प्रधानमंत्री, रेल मंत्री, बिहार के मुख्यमंत्री तथा अन्य नेताओं तक पत्र द्वारा पुनः अवगत कराया जाएगा। हैदराबाद में रहने वाले सभी उत्तर भारतीयों से अपील की है कि वे भी प्रयास करें, पत्र लिखें और हर संभव तरीके से कोशिश जारी रखें ताकि बिहारवासियों को राहत मिल सके।

सेवा से भरा दिन : केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद की ओर से जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अंतर्गत आज इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर प्रेम, करुणा और सेवा भाव के साथ अन्नदान किया गया। जरूरतमंदों के चेहरे पर संतोष और मुस्कान देख कर सेवा करने वालों का मन भी भाव-विभोर हो उठा।इस पावन सेवा कार्य में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, जयप्रकाश सारड़ा, हरीश तोलाराम हिंदुजा एवं संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने पूरे समर्पण के साथ सहभागिता निभाई। सभी ने एक स्वर में कहा कि निस्वार्थ सेवा ही सच्ची भक्ति है और भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह नियमित अन्नदान कार्यक्रम मानवता, संवेदना और भाईचारे का जीवंत उदाहरण बनता जा रहा है। सेवा के इस मार्ग पर चलते हुए ग्रुप भविष्य में भी इसी भावना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने का संकल्प दोहराता है।

विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार स्थित ब्रिलियंट ग्रामर हाई स्कूल में शनिवार को एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का शानदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रमुख अतिथियों की उपस्थिति में हुआ और यह कार्यक्रम पूरे उत्साह एवं सफलता के साथ संपन्न हुआ।

प्रदर्शनी का उद्घाटन गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जिनमें- के. नारायण रेड्डी (विधायक एवं अध्यक्ष), प्रेरणा सिंह (प्रधानाचार्या), रघुनांदन यादव (प्रभारी एवं ट्रस्ट अध्यक्ष), चंदूलाल यादव (उपाध्यक्ष), राम नारायण यादव (मंत्री),प्रीतम चंद यादव (अधिवक्ता), प्रेम चंद यादव (ट्रस्टी), प्रशांत भगत (ट्रस्टी),

रूप किशोर अहीर (ट्रस्टी) एवं अन्य शामिल हैं।

विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित परियोजनाएं तैयार कीं, जिनमें विज्ञान के सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से प्रदर्शित किया गया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी परियोजनाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, रोबोटिक्स, रसायन विज्ञान के प्रयोग और अन्य नवाचारी विचारों को प्रस्तुत किया।कार्यक्रम की अभिभावकों, शिक्षकों और अतिथियों द्वारा खूब सराहना की गई। कई अभिभावकों ने विद्यार्थियों के प्रयासों पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।प्रधानाचार्या प्रेरणा सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ब्रिलियंट ग्रामर हाई स्कूल ऐसी गतिविधियों के माध्यम से न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता, बल्कि रचनात्मकता और नवाचार को भी प्रोत्साहित करता रहेगा।

विश्व कैंसर निवारण दिवस पर शीर्ष ऑन्कोलॉजिस्टों को द बेस्ट ऑन्कोलॉजिस्ट अवार्ड्स 2026 से सम्मानित किया जाएगा

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व कैंसर निवारण दिवस (4 फरवरी) के अवसर पर तेलंगाना मेधावी फोरम (टीआईएफ) की राज्य शाखा ने कैंसर की रोकथाम, उपचार और जागरूकता में उत्कृष्ट योगदान देने वाले तीन प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञों को द बेस्ट ऑन्कोलॉजिस्ट अवार्ड्स 2026 प्रदान करने का निर्णय लिया है। ये पुरस्कार उन ऑन्कोलॉजिस्टों को दिए जा रहे हैं जिन्होंने वर्षों से कैंसर रोगियों के इलाज, अनुसंधान और समाज में जागरूकता फैलाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। पुरस्कार विजेताओं में- प्रो. जी. सदाशिवुडु (विभागाध्यक्ष, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस), हैदराबाद), प्रो. आर. रघुरामन (विभागाध्यक्ष, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग, सरकारी एमएनजे इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी एवं रीजनल कैंसर सेंटर, हैदराबाद) और प्रो. गायत्री पलाट (वरिष्ठ प्रोफेसर, पेन एंड पेलियेटिव मेडिसिन, सरकारी एमएनजे कैंसर अस्पताल, हैदराबाद) शामिल हैं।

ये सम्मान 4 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे राजा बहादुर वेंकट राम रेड्डी महिला कॉलेज ऑडिटोरियम, नारायणगुडा, हैदराबाद में आयोजित होने वाली मकैंसर निवारण एवं जागरूकता संगोष्ठीफ के दौरान प्रदान किए जाएंगे।

कार्यक्रम में कैंसर की रोकथाम, प्रारंभिक जांच, आधुनिक उपचार पद्धतियों और पेलियेटिव केयर पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान और चर्चा भी होगी।

नराकास (का.) हैदराबाद-3 ने विश्व हिन्दी दिवस मनाया

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय), हैदराबाद (3) के तत्वावधान में राजभाषा समागम कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें ऑनलाइन के माध्यम से दो व्याख्यान का आयोजन किया गया। एक व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर के जनसंचार एवं नई मीडिया विभाग के

विभागाध्यक्ष डॉ. अभय राजपूत ने हिन्दी में विज्ञान लेखन: समस्याएं, समाधान एवं संभावनाएं विषय पर तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में पधारे सीए-सआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के सेवानिवृत मुख्य वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. पाण्डेय ने क्या हम पृथ्वी पर एक और विलुप्तिकरण की ओर अग्रसर हो रहें हैं विषय पर बहुत ही सरल भाषा में सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री चिं.वें. सुब्बाराव, वरि. हिन्दी अधिकारी तथा सदस्य सचिव, नराकास(का.), हैदराबाद (3) नें विश्व हिन्दी दिवस तथा आयोजित कार्यक्रम के बारे में बताया तथा डॉ. प्रकाश कुमार, निदेशक, सीएसआईआर-एनज-ीआरआई तथा अध्यक्ष, नराकास(का.), हैदराबाद (3) ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हिन्दी को भारत की संपर्क भाषा बनाने के गाँधी जी के प्रयासों के बारे में बताया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. सौरभ कुमार, हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-आईआईसीटी नें किया, वक्ताओं का परिचय श्री अजीत कुमार, हिन्दी अनुवादक, सीएसआईआर-एनजीआरआई ने दिया तथा श्री आदर्श कुमार, हिन्दी अनुवादक, सीएसआईआर-आईआईसीटी के द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

मां बनभौरी वाली जी का आठवां अमृतमहोत्सव सम्पन्न

मां बनभौरी वाली जी का आठवां अमृतमहोत्सव हरियाणा भवन पैराडाइज में बड़ी धूम धाम से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मलकाज गिरी के सासंद श्री इतिला राजेंद्र जी मुख्य अतिथि के रूप में पधारे तथा अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता जी , जाम बाग के पार्षद श्री राकेश जैशवाल जी, पवन गुरु जी , भाजपा नेता श्रीमती मेघा अग्रवाल जी , पूर्व पार्षद श्रीमती रेणु सोनी जी ,सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए । हैदराबाद के भजन गायक श्री बाला प्रसाद शर्मा ,कोरबा से पधारी श्री मति समता अग्रवाल ,तथा चांदीगढ़ से पधारे श्री सन्नी लख्खा जी ने भजनों की गंगा भाकर बड़ा ही सुंदर समा बांध दिया इस अवसर पर आयोजकों ने सभी अतिथियों का सम्मान किया । हरियाणा नागरिक संघ के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र केडिया जी भी पधारे।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन कल पहला तेलंगाना दौरा

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपनी पहली तेलंगाना यात्रा के दौरान, नितिन नबीन 4 फरवरी की दोपहर महबूबनगर के एमवीएस डिग्री कॉलेज मैदान में पार्टी कार्यकर्ताओं और नगर निकाय चुनाव के उम्मीदवारों को संबोधित करेंगे।इस संबंध में जानकारी देते हुए भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और महबूबनगर की सांसद डी.के. अरुणा ने बताया कि श्री नबीन शमशाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के बाद सीधे सड़क मार्ग से महबूबनगर जाएंगे। इस जनसभा में संयुक्त महबूबनगर जिले के चुनावी उम्मीदवार, हाल ही में चुने गए सरपंच, वार्ड सदस्य और बूथ स्तर के प्रभारी शामिल होंगे। साथ ही, पड़ोसी जिलों के कार्यकर्ता और नेता भी इसमें शिरकत करेंगे।

हवाई अड्डे पर आगमन के दौरान राज्य स्तर के नेताओं और पदाधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किए जाने की संभावना है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव सार्वजनिक बैठक की व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए सोमवार दोपहर महबूबनगर रवाना होंगे।इस बीच, रामचंद्र राव ने चुनावी रणनीतियों और अभियान कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने के लिए पार्टी कार्यालय में राज्य पदाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में महाराष्ट्र के मंत्री और चुनाव प्रभारी आशीष शेलार, राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और चुनाव सह-प्रभारी अशोक परनामी सहित अन्य नेता उपस्थित रहे। भाजपा 11 फरवरी को होने वाले 116 नगर पालिकाओं और सात निगमों के सभी 2,996 डिवीजनों और वार्डों में चुनाव लड़ रही है।पार्टी सोमवार को कांग्रेस सरकार के खिलाफ विफल वादों पर ''आरोप पत्र'' (चार्जशीट) भी जारी करेगी। इस कार्यक्रम में राज्य प्रभारी अभय पाटिल, रामचंद्र राव और अन्य नेता शामिल होंगे।एक अलग घटनाक्रम में, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शिल्पा रेड्डी की अध्यक्षता में सोमवार को एक समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें महिला मतदाताओं को आकर्षित करने और अभियान में अधिक से अधिक महिला कार्यकर्ताओं को शामिल करने की रणनीति तैयार की जाएगी। इस बैठक में भाजपा राज्यसभा सदस्य और चुनाव प्रभारी रेखा शर्मा भी अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ भाग लेंगी।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा के तीन पर्याधिकारियों द्वारा दिये गये त्यागपत्र स्वीकृत

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा के तीन पदाधिकारी जिनमें मानद मंत्री हरिनारायण अग्रवाल, सह मंत्री बबीता मित्तल, कोषाध्यक्ष दिनेश शाफ ने अपने व्यक्तिगत व निजीकारणों से अपने त्यागपत्र वाट्सअप द्वारा दे दिया। जिसे शाखाध्यक्ष अनिल घरसूवाला द्वारा परामर्शदाताओं एवं केंद्रीय समिति सदस्यों की एक आपातकालीन सभा गोविंदराम पचेरिया के निवास स्थान पर बुलाई। जिसमें उपस्थित केंद्रीय समिति सदस्य राकेश पचेरिया, सज्जन अग्रवाल बायवाला व परामर्शदाता शशिकांत अग्रवाल, योगेंद्र कटारूका, महेश कुमार कानोड़िया, इसके अतिरिक्त निवर्तमान अत्यक्ष गोविंदराम पचेरिया वर्तमान शाखा अध्यक्ष अनिल धरसूवाला, उपाध्यक्ष शिवभगवान अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य दीपक पचेरिया, अशोक सौलानावाला, मनोज मित्तल आदि उपस्थित थे।

शाखा अध्यक्ष अनिल धरसुवाला ने सभा को बताया कि शाखा में तीन पदाधिकारी के त्यागपत्र व्हाट्स एप्प के माध्यम से प्राप्त हुए है, जिसमें उन्होंने अपने अपने पदों से त्याग पत्र दिया है। जिसे सभा ने सर्वसमति से स्वीकारते हुए त्यागपत्र स्वीकृत किये गये। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य मनोज अग्रवाल गौशालावाला ने भी अपना त्यागपत्र दिया है जिसे भी सभा में स्वीकृति प्रदान की गई। सभा में निर्णय लिया गया कि रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए मानद मंत्री मनोज मित्तल, सहमत्री मनोज पचेरिया व कोषअध्यक्ष अशोक अग्रवाल सौलानावाला को नियुक्त कर उनसे स्वीकृति प्राप्त की गयी।

इस अवसर पर अनिल धरसुवाला, योगेंद्र कटारुका, राकेश पचेरिया, शिव भगवान अग्रवाल, गोविंदराम पचेरिया, शशि कांत अग्रवाल, महेश कुमार कानोड़िया, सज्जन कुमार अग्रवाल, दीपक पचेरिया, अशोक अग्रवाल एवं मनोज कुमार मित्तल उपस्थित थे।

सीबीएन नगर, रसूलपुरा, सिकंदराबाद में जरूरतमंदों में तरकारी वितरित करते हुए संतोषचंद श्रीश्रीमाल।

नेहरू नगर में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेहरू नगर, काचिगुड़ा स्थित भावानी माता मंदिर परिसर में श्री सरस्वती शिशु मंदिर, निम्बोलियड्डा के तत्वावधान में आर.एस.एस. शताब्दी उत्सवों के उपलक्ष्य में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में श्रीमती शालिनी जाधव जी (संस्कार भारती – मातृ शक्ति, राज्य सह-संयोजिका) तथा श्रीमती तल्ला वनजा देवी जी ने भाग लिया। दोनों वक्ताओं ने परिवार प्रबोधन, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक मूल्यों के संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन जागरूकता प्रदान की।इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका श्रीमती श्रावंती जी, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा स्थानीय महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं और कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया।

कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं में सामाजिक जागरूकता, पारिवारिक मूल्यों की मजबूती तथा पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का प्रयास किया गया, जो आर.एस.एस. शताब्दी उत्सव की भावना के अनुरूप रहा।

सेवा से ही सच्ची भक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है : नंदकिशोर अग्रवाल

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम श्रद्धा और सेवाभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि निस्वार्थ भाव से किया गया सेवा कार्य ही ईश्वर की सच्ची आराधना है।

उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन कराना, असहाय की सहायता करना और गोसेवा करना ही सच्चा धर्म है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण और निरंतरता के साथ समाज-सेवा कर रहा है, वह अनुकरणीय है। ऐसे सेवा कार्यों से न केवल जरूरतमंदों को राहत मिलती है, बल्कि सेवा करने वालों को भी आत्मिक शांति और संतोष की अनुभूति होती है।

श्री नंदकिशोर अग्रवाल ने आगे कहा कि सेवा भावना से किया गया प्रत्येक कार्य भगवान श्रीराधा-कृष्ण की कृपा प्राप्त करने का माध्यम बनता है। समाज में प्रेम, करुणा और भाईचारे की भावना को जीवित रखने के लिए ऐसे सेवा कार्य अत्यंत आवश्यक हैं।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोष्णीवाल, अनिल भाई, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, मीना अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, अर्चना शास्त्री एवं रेणु शर्मा सहित अनेक सेवाभावी उपस्थित रहे। सभी ने राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे निरंतर अन्नदान एवं गोसेवा कार्यों की सराहना की और भविष्य में भी सेवा कार्यों में सहयोग देने का संकल्प लिया।

संघी समिति की महत्वपूर्ण बैठक अत्तापुर में आयोजित

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अत्तापुर स्थित भूपेन्द्र संघी के निवास पर संघी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत सभी सदस्यों द्वारा श्री शीतला माता की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात समिति के अध्यक्ष नागेन्द्र संघी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया।

सचिव प्रभात संघी ने सफलतापूर्वक आयोजित श्री शीतला माता की खिचड़ी कार्यक्रम के लिए समस्त संघी समाज का आभार व्यक्त किया। बैठक में समाज को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से संघी समिति नारी शक्ति एवं संघी समिति युवा शक्ति के गठन का संविधान तैयार किया गया, जिससे महिलाओं एवं युवाओं को अपने नवीन एवं सकारात्मक विचारों के साथ समाज से जोड़ने को प्रोत्साहन मिल सके।

इसके अतिरिक्त समाज की जानकारी, एकजुटता एवं प्रचार-प्रसार को सुदृढ़ करने हेतु संघी प्रचार समिति का भी गठन किया गया। बैठक में उपाध्यक्ष पंकज कुमार संघी को रेजड़ी खेजड़ी में 30 एवं 31 मार्च को आयोजित होने वाले वार्षिक श्री शीतला माताजी के मेले का संयोजक नियुक्त किया गया। उन्होंने सभी संघी बंधुओं से अपनी कुलदेवी श्री शीतला माता जी के प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मेले में सहभागी बनने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सलाहकार राजेन्द्र संघी, भूपेन्द्र संघी, सुभोध संघी, अध्यक्ष नागेन्द्र संघी, उपाध्यक्ष पंकज कुमार संघी, श्रद्धा संघी, सचिव प्रभात संघी, संयुक्त सचिव संजय संघी, अवधेश संघी, कोषाध्यक्ष अनिल संघी तथा कार्यकारिणी सदस्य प्रेम संघी, गौरव संघी, निर्मला संघी, आशीष संघी, सुजीत संघी, प्रकाश संघी, कविता संघी, इन्द्रा संघी, यश संघी, सविता संघी, श्वेता संघी, विवेक नारायण संघी सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। दुलापल्ली स्थित ज़िला परिषद उच्च विद्यालय में महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह शिविर प्रधानाध्यापक श्री वेणु गोपाल सर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।शिविर स्वर्गीय कान्मलजी संचेती एवं स्वर्गीय सुवा बाई संचेती की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया। इस पुण्य कार्य को सुरेश संचेती, अशोक संचेती, केवल (चेयरमैन), विनोद संचेती एवं उनके परिवार द्वारा संरक्षण प्रदान किया गया।इस नेक कार्य में अशोक खीचा, अनिल बोहरा, गौतम आंचलिया तथा वीरा दीपा आंचलिया ने अपनी सक्रिय सेवा प्रदान की।महावीर इंटरनेशनल संगठन समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर बच्चों, छात्रों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए नियमित रूप से नि:शुल्क नेत्र जांच एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता रहा है, जिससे जरूरतमंदों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल प्राप्त हो सके। इस शिविर के माध्यम से स्थानीय समुदाय को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सहायता प्रदान की गई।

श्री श्याम प्रेमी सत्संग समिति-अत्तापूर की 8वीं भव्य निशान यात्रा 27 को

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री श्याम प्रेमी सत्संग समिति, अत्तापूर, भाग्यनगर के तत्वावधान में श्री श्याम बाबा की 8वीं भव्य निशान यात्रा आगामी 27 फरवरी 2026, शुक्रवार को निकाली जाएगी।

निशान यात्रा सुबह प्रातः 4:31 बजे तेजस्वीनगर कॉलोनी स्थित शिवालय मंदिर से प्रारंभ होगी। आज यहां तेजस्वी नगर में विशेष सभा का आयोजन समिति के संस्थापक हनुमान अग्रवाल (भालवाले) द्वारा किया गया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस सभा की अध्यक्षता राकेश केडिया ने की, जिसमें निशान यात्रा के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी गई।

निशान यात्रा तेजस्वीनगर कॉलोनी से शुरू होकर किशनबाग, बहादुरपुरा, पूरानापूल, सिटी कॉलेज, भूलक्ष्मी माता मंदिर, अफजलगंज, चादरघाट, निंबोली अड्डा होते हुए श्याम मंदिर काचागुडा पहुंचेगी।

यात्रा के दौरान भजन प्रस्तुति किशोर तोष्णिवाल, अंशुल कोठारी, हर्ष और शिवम् द्वारा की जाएगी।

इस अवसर पर समिति के परामर्शदाता विनोद टिबरेवाल, श्रवण केडिया, समिति के सदस्य विमल गुप्ता, देवेश अग्रवाल, आलोक शर्मा, वेंकट अग्रवाल, गौरव बंसल, गौरव गुप्ता एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

समिति ने सभी श्री श्याम प्रेमियों से अपील की है कि वे पूर्ण श्रद्धा-भक्ति के साथ इस भव्य निशान यात्रा में शामिल हों और श्री श्याम बाबा के दर्शन-आशीर्वाद प्राप्त करें।

तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष ने पूर्व विधायक मेथुकु आनंद को भेजा कानूनी नोटिस

निराधार आरोप लगाने पर 10 करोड़ मुआवजे और सार्वजनिक माफी की मांग

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने विकाराबाद के पूर्व विधायक एवं बीआरएस विकाराबाद अध्यक्ष मेथुकु आनंद को कानूनी नोटिस जारी किया है। यह नोटिस अध्यक्ष के अधिवक्ता के माध्यम से भेजा गया है, जिसमें मेथुकु आनंद पर अध्यक्ष की व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले निराधार आरोप लगाने का आरोप लगाया गया है।

कानूनी नोटिस के अनुसार, मेथुकु आनंद ने 14 और 19 जनवरी को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंसों में गद्दाम प्रसाद कुमार पर भ्रष्टाचार, सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों से रिश्वत लेने तथा विकाराबाद नगरपालिका को अपने पक्ष में हेरफेर करने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। नोटिस में कहा गया है कि ये आरोप पूरी तरह झूठे, आधारहीन और दुर्भावनापूर्ण हैं, जिनसे न केवल अध्यक्ष की व्यक्तिगत छवि बल्कि उनके संवैधानिक पद की गरिमा को भी ठेस पहुंची है।

अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने इन बयानों को मानसिक पीड़ा पहुंचाने वाला और मानहानिकारक बताते हुए कहा कि इस प्रकार के आरोप भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 499 और 500 के अंतर्गत दंडनीय अपराध हैं।

10 करोड़ रुपये मुआवजे और सार्वजनिक माफी की मांग

कानूनी नोटिस में मेथुकु आनंद से कथित मानसिक पीड़ा और मानहानि के लिए 10 करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मांग की गई है।

इसके साथ ही उनसे सात दिनों के भीतर सार्वजनिक रूप से अपने बयान वापस लेने और माफी मांगने को कहा गया है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर इन मांगों का पालन नहीं किया गया, तो उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अपने पद और भूमिका का बचाव

विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने कहा कि वे जनसेवा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और राज्य के सर्वोच्च विधायी प्राधिकरण के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे विकाराबाद निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए निधियों की स्वीकृति और जनता की समस्याओं के समाधान हेतु लगातार प्रयासरत हैं।

उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ लगाए गए निराधार आरोप सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान करने का प्रयास हैं। ऐसे कृत्यों को न तो समाज और न ही न्यायालय उचित ठहरा सकते हैं।

खबर लिखे जाने तक मेथुकु आनंद की ओर से इस कानूनी नोटिस का कोई औपचारिक जवाब सामने नहीं आया है। यदि माफी और मुआवजे की मांग पूरी नहीं की जाती है, तो यह मामला अदालत तक पहुंचने की पूरी संभावना है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद तेलंगाना की राजनीति में पहले से मौजूद तनाव को और बढ़ा सकता है।

भाजपा ने कांग्रेस शासन के भ्रष्टाचार और विफलताओं पर चार्जशीट जारी की

हैदराबाद, 2 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी नगर पालिका और नगर निगम चुनावों से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई ने सोमवार को एक चार्जशीट (आरोप पत्र) जारी किया, जिसमें कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और चुनावी वादों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया गया है।झूठे वादे भ्रामक आश्वासन शीर्षक वाली इस चार्जशीट का अनावरण भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव और महाराष्ट्र के मंत्री व तेलंगाना नगर निकाय चुनाव प्रभारी आशीष शेलार ने किया। इस अवसर पर सांसद ईटेला राजेंद्र और अन्य वरिष्ठ पार्टी नेता व पदाधिकारी उपस्थित थे।मीडिया को संबोधित करते हुए रामचंद्र राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने छह गारंटियों और 420 से अधिक वादों के साथ मतदाताओं को गुमराह किया, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा करने में विफल रही। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार वित्तीय संकट का सामना कर रही है, समय पर वेतन देने में असमर्थ है, और डीए, पीआरसी, स्वास्थ्य कार्ड और पुरानी पेंशन योजना को लागू न करके कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को धोखा दिया है।भाजपा नेता ने कहा कि 'रैयथु बंधु' के रुकने, कर्ज माफी को पूर्ण रूप से लागू न करने और 'रैयथु भरोसा' के क्रियान्वयन न होने के कारण किसान परेशान हैं, जबकि 'भू भारती अधिनियम' ने भूमि विवादों को बढ़ा दिया है।

उन्होंने सरकार पर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, महिलाओं, युवाओं, व्यापारियों और एससी, एसटी और बीसी समुदायों की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया और कहा कि प्रमुख कल्याणकारी और विकास के वादे अधूरे रह गए हैं।रामचंद्र राव ने नगर पालिकाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए 2,500 करोड़ रुपये के घोटाले का दावा किया। उन्होंने कहा कि शहरी बुनियादी ढांचे की पूरी तरह से उपेक्षा की गई है, जिसके परिणामस्वरूप कचरे के ढेर, क्षतिग्रस्त सड़कें और नागरिक सेवाएं विफल हो रही हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिकाएं मुख्य रूप से केंद्र सरकार के फंड पर जीवित हैं और चेतावनी दी कि कांग्रेस या बीआरएस पर दोबारा भरोसा करना केवल और अधिक धोखे का कारण बनेगा।

रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया मंडल राजस्व निरीक्षक

हैदराबाद, 2 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सोमवार को नलगोंडा जिले में एक मंडल राजस्व निरीक्षक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।एसीबी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, गुररामपोड मंडल के मंडल राजस्व निरीक्षक मोहम्मद अब्दुल हकीम को दोपहर लगभग 13:00 बजे गुररामपोड स्थित मंडल राजस्व अधिकारी कार्यालय परिसर में पकड़ा गया। आरोपी अधिकारी ने कथित तौर पर एक शिकायतकर्ता से आधिकारिक लाभ पहुंचाने के बदले 20,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी और उसे स्वीकार किया था।

यह रिश्वत शिकायतकर्ता के स्वामित्व वाली सर्वे नंबर 225/6 (क्षेत्रफल 1.15 गुंटा) की भूमि के हटाए गए विवरणों को ऑनलाइन 1-बी रजिस्टर (अधिकारों का रिकॉर्ड) में बहाल करने के लिए आवेदन और संबंधित फाइल को तहसीलदार के पास संसाधित कर आगे भेजने के लिए मांगी गई थी।

एसीबी अधिकारियों ने आरोपी अधिकारी के पास से रिश्वत के 20,000 रुपये बरामद कर लिए हैं। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि अधिकारी ने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अपने सार्वजनिक कर्तव्य का अनुचित और बेईमानी से पालन किया था। आरोपी अधिकारी को गिरफ्तार करने की प्रक्रिया जारी है और आगे की कार्यवाही के लिए उसे हैदराबाद में 'एसपीई और एसीबी मामलों' के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेश किया जाएगा।

सीबीआई का ऑपरेशन साइस्ट्राइक

10 राज्यों में व्यापक तलाशी, एक साइबर अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली/हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबर-आधारित वित्तीय अपराधों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने देशभर में व्यापक तलाशी अभियान चलाने के बाद एक कथित साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार, 1 फरवरी को इसकी जानकारी दी। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे संयुक्त अभियान के तहत की गई है।सीबीआई ने इस बहुराष्ट्रीय कार्रवाई को 'ऑपरेशन साइस्ट्राइक' नाम दिया है,

जिसकी शुरुआत 30 जनवरी को की गई। इस अभियान में संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, कुवैत, आयरलैंड और सिंगापुर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने सीबीआई के साथ समन्वय किया। अभियान का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय साइबर गिरोहों और वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसना है।

अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई ने दिल्ली, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल सहित कुल 10 राज्यों में 35 स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान डिजिटल सबूत, दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री जब्त की गई है। जांच एजेंसी का कहना है कि इस कार्रवाई से साइबर अपराध से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है और आगे की जांच जारी है।

फोन टैपिंग मामले में एसआईटी प्रमुख के बयान पर केटी रामाराव का पलटवार

ऐसा लगता है कि आपने खुद ही जज और जूरी बनने का फैसला कर लिया है

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव (केटीआर) ने कथित फोन टैपिंग मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व कर रहे हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार पर तीखा हमला बोला है। केटीआर ने आरोप लगाया कि सज्जनार इस मामले में न्यायाधीश और जूरी दोनों की भूमिका निभा रहे हैं।

केटी रामाराव की यह प्रतिक्रिया उस बयान के बाद आई है, जो सज्जनार ने एसआईटी द्वारा बीआरएस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से की गई पूछताछ के बाद जारी किया था। सज्जनार ने रविवार को 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया था कि अवैध फोन टैपिंग मामले में गजवेल विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर से लगभग पांच घंटे की पूछताछ पूरी कर ली गई है।

इस पर आपत्ति जताते हुए केटीआर ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आपने स्वयं ही जज और जूरी बनने का निर्णय ले लिया है, श्रीमान आयुक्त। कृपया याद रखें कि आप एक कथित अपराध की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसे अंततः अदालत में साबित किया जाना है। मुझे उम्मीद है कि माननीय न्यायालय आपके इन

अतिवादी बयानों और मनमानी कार्रवाइयों का संज्ञान ले रहे होंगे।बताया गया है कि एसआईटी बीआरएस शासनकाल के दौरान राजनीतिक विरोधियों, व्यापारियों और पत्रकारों समेत कई लोगों के कथित फोन टैपिंग से जुड़े मामले की जांच कर रही है। इसी सिलसिले में केसीआर से पूछताछ की गई।

बीआरएस नेताओं ने इस पूरी जांच को कांग्रेस सरकार की राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताते हुए कहा कि यह जनता का ध्यान सरकार की विफलताओं से हटाने की कोशिश है। केटी रामाराव ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर अफवाहों और अटकलों को बढ़ावा देकर विकृत राजनीति में लिप्त है।

केटीआर ने यह भी दावा किया कि एसआईटी ने संसद द्वारा पारित बीएनएसएस कानून समेत कई कानूनी प्रावधानों का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि कानून केसीआर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की बाध्यता नहीं थी, इसके बावजूद उन्होंने संविधान और कानून के शासन के प्रति सम्मान दिखाते हुए जांच में पूरा सहयोग किया।उन्होंने कहा कि न्यायालयों की कई मिसालों में किसी व्यक्ति के आवास पर पूछताछ की अनुमति दी गई है, फिर भी केसीआर स्वेच्छा से एसआईटी के समक्ष उपस्थित हुए और हर सवाल का विस्तार से जवाब दिया।

केटी रामाराव के अनुसार, इस प्रक्रिया के बाद डीजीपी और एसआईटी अधिकारियों सहित पुलिस नेतृत्व के समक्ष यह स्पष्ट हो गया कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल में कोई गड़बड़ी नहीं हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पिछले दो वर्षों से केसीआर और पूर्व सरकार को बदनाम करने के लिए चुनिंदा सूचनाओं और आरोपों को हवा दी है।

केटीआर ने उम्मीद जताई कि यह जांच अंततः उन आरोपों का अंत करेगी, जिन्हें उन्होंने राजनीतिक रूप से प्रेरित आरोप करार दिया।

अगर एसआईटी समन भेजती है तो मैं पूरा सहयोग करूंगी : कविता

हैदराबाद, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने सोमवार को स्पष्ट किया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान कथित फोन टैपिंग मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) यदि उन्हें समन जारी करती है, तो वे उसके समक्ष पेश होकर जांच में पूरा सहयोग करेंगी।

पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की पुत्री कविता ने दोहराया कि उन्हें आशंका है कि उनके और उनके पति के फोन भी उस दौरान टैप किए गए थे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा,

अगर एसआईटी नोटिस जारी करती है, तो मैं उसके सामने पेश होऊंगी और जांच में सहयोग करूंगी।

पूर्व एमएलसी कविता ने उम्मीद जताई कि एसआईटी द्वारा केसीआर से की गई पूछताछ के दौरान सामने आए तथ्यों को वे स्वयं स्पष्ट करेंगे। गौरतलब है कि रविवार को एसआईटी ने हैदराबाद स्थित केसीआर के आवास पर उनसे लगभग पांच घंटे तक पूछताछ की थी।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव द्वारा अपने पिता केसीआर को तलब किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दिए जाने के संदर्भ में कविता ने कहा कि

कानून से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने कहा,

जब आप सार्वजनिक जीवन में होते हैं, तो कई मुद्दे सामने आते हैं और उनके परिणामों का सामना करना पड़ता है।

कविता ने कहा कि किसी भी पारदर्शी जांच में सभी को सहयोग करना चाहिए और बेहतर होगा कि इस मामले को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि बीआरएस को आत्ममंथन करना चाहिए कि ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हुई, जिसमें केसीआर को एसआईटी के समक्ष पेश होना पड़ा।

बीआरएस से निलंबित होने के बाद पार्टी छोड़ चुकीं और पिछले वर्ष सितंबर में विधान परिषद सदस्य पद से इस्तीफा देने वाली कविता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार फोन टैपिंग मामले को वास्तव में खत्म नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा,

मुझे नहीं लगता कि असली दोषियों का पर्दाफाश होगा। वे केवल समय बिता रहे हैं। हाल के दिनों की यह सारी हलचल नगर निगम चुनावों की वजह से है।

पूर्व सांसद कविता ने यह भी कहा कि यदि सरकार वास्तव में पारदर्शी और गंभीर है, तो जांच को ठोस दिशा में आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उनके अनुसार, पिछले दो वर्षों से इस मामले में कोई वास्तविक प्रगति नहीं हुई है।

इसके अलावा, तेलंगाना जागृति की नेता ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह कथित तौर पर समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और फर्जी कंपनियों के जरिए तेलंगाना की जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कम विश्वसनीयता, सीमित सार्वजनिक जानकारी और कम बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों के साथ बड़े निवेश के दावे किए जा रहे हैं।

कविता ने कहा कि खबरें चाहे जितनी सनसनीखेज हों, लेकिन वास्तविकता अंततः सच्चाई को उजागर करती है। तेलंगाना पारदर्शिता का हकदार है, धोखे का नहीं।

शुभ लाभ

का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305

SPACE COUPON Rs. 2500/- Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh Validity : 1 Year from the time of Issue

SUBSCRIPTION FORM

Name ....

Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-

Mode of Payment : CHEQUE / D.D.

Cheque No. & Date .... Drawn ....

Name of the Executive ....

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications

Bank Name : City Union Bank OD Account

A/c.No. : 512120020029300

Branch : Balanagar, Hyderabad

IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS Hyderabad Balanagar

रंगारेड्डी त्रासदी: केसी थंडा तालाब के पास लापता दो बच्चे महेश्वरम में मृत पाए गए

रंगारेड्डी जिला, 02 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत केसी थंडा गांव से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। घर से बाहर निकले दो नाबालिग बच्चे लापता हो गए थे, जिनके शव बाद में गांव के पास स्थित एक तालाब से बरामद किए गए। इस घटना से पूरे गांव और आसपास के इलाकों में शोक की लहर दौड़ गई है।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, मंगलवार शाम को दोनों बच्चे केसी थंडा के पास स्थित तालाब की ओर गए थे, लेकिन देर रात तक घर वापस नहीं लौटे। लापता बच्चों की पहचान ऋषि (6), पुत्र रमेश जाटवथ और बद्रीनाथ (8), पुत्र जटावथ शंकर के रूप में हुई है। दोनों रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम मंडल स्थित केसी थंडा गांव के निवासी थे। बच्चों के वापस न लौटने पर परिजनों और ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और आशंका जताई कि बच्चे तालाब में गिर गए होंगे।

तालाब में चला व्यापक तलाशी अभियान

सूचना मिलते ही महेश्वरम के सीआई वेंकटेश्वरलू पुलिस बल और दमकल कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। केसी थंडा के पास स्थित तालाब में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। दमकल विभाग की बचाव टीम ने रातभर तलाश जारी रखी। प्रशिक्षित तैराकों की अनुपलब्धता के कारण स्थानीय युवकों ने भी आगे बढ़कर बचाव कार्य में सहयोग किया। सहायक पुलिस अधिकारी राघवेंद्र और अन्य पुलिसकर्मी आधी रात तक घटनास्थल पर मौजूद रहे और अभियान की निगरानी करते रहे।

सुबह शव बरामद, पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए

तड़के तलाशी अभियान दोबारा शुरू किया गया और सुबह करीब 7 बजे तालाब से दोनों बच्चों के शव बरामद किए गए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल भेज दिया गया है। सीआई वेंकटेश्वरलू ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के बाद ही घटना के कारणों की पूरी जानकारी सामने आएगी।घटना के बाद केसी थंडा गांव शोक में डूबा हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए खुले जल स्रोतों के पास सुरक्षा उपाय, चेतावनी बोर्ड और घेराबंदी की जाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.